केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बोले किसी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोप रहा केंद्र
- 3

जीएसटी-2.0 वस्तुएं होंगी आज से सस्ती, कंपनियों को होगा लाभ
- 12

फलस्तीनी राष्ट्र को ब्रिटेन ऑस्ट्रेलिया कनाडा ने दी मान्यता भड़के नेतन्याहू
- 13

मिथुन मन्हास ने बीसीसीआई अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया- 14
- 14

आज का मौसम

33.0⁰ अधिकतम तापमान

26.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.01

सूर्यास्त 06.09

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 02:56 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

सोमवार, 22 सितंबर 2025, वर्ष 35, अंक 235, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

प्रदेश में मौसम का अब बदलता रहेगा मिजाज

लखनऊ। प्रदेश में मौसम का मिजाज बदलता रहेगा। मौसम विभाग की माने, बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने वाला है। जिसके प्रभाव से प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश होने के आसार हैं। हालांकि राज्य के ज्यादातर हिस्सों में मौसम साफ बना हुआ है। पूर्वी उप्र. में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की उम्मीद है। न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने के आसार नहीं हैं।

एकनाथ शिंदे का एक्स अकाउंट किया हैक

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के 'एक्स' खाते को रविवार को हैक कर लिया गया और उस पर पाकिस्तान तथा तुर्किये के झंडे वाली तस्वीरें पोस्ट की गईं। 45 मिनट के बाद खाते पर नियंत्रण हासिल कर लिया गया। महाराष्ट्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता नाना पटोले ने साइबर सुरक्षा पर सवाल उठाए और मांग की कि राज्य का गृह विभाग ऐसे खतरों से बचाने के लिए स्पष्ट जवाब उपलब्ध कराए।

बीएसएफ के जवानों को ड्रोन युद्ध की ट्रेनिंग

टेकनपुर (मप्र)। बीएसएफ ने अपने प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को अद्यतन किया है और बीएसएफ जवानों एवं अधिकारियों के लिए ड्रोन युद्ध को एक अनिवार्य विषय के रूप में जोड़ा है। इसके अलावा, ऑपरेशन सिंदूर के बाद नए युग के युद्ध के लिए स्वदेशी उपकरण विकसित करने के उद्देश्य से एक नवाचार केंद्र भी स्थापित किया है।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों को दी नवरात्र की बधाई, जीएसटी बचत उत्सव आज से

जीएसटी सुधार हर परिवार में लाएगा खुशहाली : मोदी

● राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री बोले हर घर को बनाना होगा स्वदेशी का प्रतीक

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी दरों में कटौती लागू होने से एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने की पुरजोर वकालत की। उन्होंने कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार भारत की वृद्धि गाथा को गति देंगे, कारोबारी सुगमता को बढ़ाएंगे और अधिक निवेशकों को आकर्षित करेंगे।

मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि नवरात्रि के पहले दिन से जीएसटी बचत उत्सव शुरू होगा और आयकर छूट के साथ यह ज्यादातर लोगों के लिए दोहरा लाभ होगा। संशोधित जीएसटी दरों के लागू होने की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वदेशी देश की समृद्धि को उसी तरह मजबूती देगा, जिस तरह इसने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को शक्ति दी थी। उन्होंने कहा कि हमें हर घर को स्वदेशी का प्रतीक बनाना होगा। हमें हर दुकान को स्वदेशी (सामान) से सजाना होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि विकास की दौड़ में सभी राज्य समान हितधारक होंगे। उन्होंने राज्यों से आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी अभियानों को ध्यान में रखते हुए विनिर्माण को गति देने का आग्रह किया। मोदी ने कहा कि नवरात्रि के पहले दिन, देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण और बड़ा कदम उठाने जा रहा है। कल सूर्योदय के साथ, अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार लागू हो जाएंगे। कल से जीएसटी बचत उत्सव शुरू होगा।

उन्होंने आगे कहा कि आप अपनी पसंद की वस्तुएं ज्यादा आसानी से खरीद पाएंगे। इससे गरीब, मध्यम वर्ग, नव मध्यम वर्ग, युवा, किसान, महिलाएं, व्यापारी और दुकानदार लाभान्वित होंगे। मोदी ने कहा कि त्योहारों के इस मौसम में सभी की खुशियां बढ़ेंगी। उन्होंने अगली पीढ़ी के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के लिए सभी को बधाई दी। मोदी ने कहा कि ये सुधार भारत की वृद्धि गाथा को गति देंगे, कारोबारी सुगमता को बढ़ाएंगे और अधिक निवेशकों को आकर्षित करेंगे। मोदी ने अपने 19 मिनट से ज्यादा के संबोधन में कहा कि संशोधित जीएसटी दरें उनकी सरकार के नागरिक देवो भवः के मंत्र को दर्शाती हैं, क्योंकि इससे रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के दाम कम होंगे।

एक राष्ट्र-एक कर का सपना हुआ साकार

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब भारत ने 2017 में जीएसटी सुधारों की ओर कदम बढ़ाया, तो इतिहास रचने की एक नई शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि जीएसटी ने एक राष्ट्र-एक कर के सपने को साकार किया। उन्होंने 12 लाख रुपये तक की आय पर आयकर छूट और जीएसटी सुधारों का हवाला देते हुए कहा कि यह गरीबों, नव-मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग के लिए दोहरा लाभ है। इन दोनों फैसलों से नागरिकों को 2.5 लाख करोड़ की बचत होगी।

रसोई के सामान से लेकर दवा, वाहन तक हुए सस्ते

● आज से लागू होंगी जीएसटी कटौती 375 वस्तुओं की घट जाएंगी कीमतें

नई दिल्ली, एजेंसी

रसोई में इस्तेमाल के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयां और उपकरणों से लेकर वाहन तक लगभग 375 वस्तुएं सोमवार 22 सितंबर से सस्ती हो जाएंगी। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती सोमवार से ही लागू होने जा रही हैं। जीएसटी परिषद ने उपभोक्ताओं को राहत देते हुए 22 सितंबर (नवरात्रि के पहले दिन) से जीएसटी दरें कम करने का फैसला किया है। घी, पनीर, मक्खन, नमकीन, केचप, जैम, सूखे मेवे, कॉफी और आइसक्रीम जैसी आम इस्तेमाल की चीजें और टीवी, एयर कंडीशनर (एसी), वॉशिंग मशीन जैसे महंगे उत्पाद भी सस्ते हो जाएंगे। जीएसटी में बदलाव को देखते हुए रोजरमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कई कंपनियों ने पहले ही कीमतों में कटौती की घोषणा कर दी है।

22 सितंबर से जीएसटी में दो स्लैब होंगे। अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं पर पांच और 18 प्रतिशत का कर लगेगा। विलासिता की वस्तुओं के लिए कर की दर 40 प्रतिशत होगी।

मेडिकल उपकरण और सीमेंट की कीमतें भी घटीं

अधिकांश दवाओं और फॉर्मूलेशन और ग्लूकोमीटर और डायग्नॉस्टिक किट जैसे मेडिकल उपकरणों पर जीएसटी दर को घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे आम आदमी को दवाएं सस्ती मिलेंगी। सीमेंट पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे घर बनाने वालों को भी फायदा होगा। सरकार ने पहले ही दवा दुकानों को जीएसटी में कटौती के लाभ को ध्यान में रखते हुए अपने अधिकतम खुदरा मूल्य में बदलाव करने या कम कीमत पर दवाएं बेचने का निर्देश दिया है।

वाहन खरीदने वालों को होगा सबसे ज्यादा फायदा

जीएसटी दर में कटौती से सबसे बड़ा फायदा वाहन खरीदारों को होगा, क्योंकि छोटी और बड़ी कारों पर कर दरें क्रमशः 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत कर दी गई हैं। कई कार कंपनियों ने पहले ही कीमतों में कटौती की घोषणा कर दी है। सेवाओं की बात करें तो, स्वास्थ्य क्लब, सैलून, नाई की दुकान, फिटनेस सेंटर, योग आदि सौंदर्य और फिटनेस सेवाओं पर जीएसटी को इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) के साथ 18 प्रतिशत से घटाकर, बिना कर क्रेडिट के पांच प्रतिशत कर दिया गया है।

हेयर ऑयल, शैम्पू, साबुन और टूथपेस्ट भी सस्ते

बालों में लगाने वाले तेल, साबुन, शैम्पू, टूथब्रश, टूथपेस्ट जैसे रोजमर्रा के सामान भी सस्ते हो सकते हैं, क्योंकि इन पर टैक्स कर दर 12/18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दी गई हैं। टेलकम पाउडर, फेस पाउडर, शेविंग क्रीम, ऑफ्टरशैव लोशन जैसी अन्य रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें भी कम हो सकती हैं, क्योंकि इन पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटकर पांच प्रतिशत हो गया है।

पाकिस्तान को फिर रौंदा

अभिषेक शर्मा 39 गेंद, 74 रन

नए हिटमैन व प्लेयर ऑफ द मैच अभिषेक शर्मा की विस्फोटक बल्लेबाजी (39 गेंद,74 रन) और शुभमन गिल के 47 रनों की बदौलत टीम इंडिया ने रविवार को दुबई में चल रहे एशिया कप के दूसरे सुपर 4 मुकाबले में सात गेंद रहते पाकिस्तान को छह विकेट से हराकर अपनी बादशाहत कायम रखी। (विस्तृत खबर खेल पेज पर)

पेंशन पाने के लिए विधवा बनीं पत्नी और दो बेटियां

संवाददाता, आंवला (बरेली)

● जीवित पति को मृत दर्शाकर फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र के जरिए हासिल की पेंशन

● दो बेटियों ने भी पिता को पति बनाकर मृत बताया, ले ली निराश्रित महिला पेंशन

● एसडीएम ने रुकवाई पेंशन, फर्जी प्रमाण पत्र बनाने वाले पर कार्रवाई की तैयारी

अमृत विचार : पति के जीवित रहते हुए विधवा पेंशन लेने के मामले सामने आते रहे हैं, लेकिन तहसील क्षेत्र में एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है। महिला ने ही पति को मृत दर्शाकर विधवा पेंशन हासिल नहीं की, बल्कि उसकी दो बेटियों ने भी पिता को पति बनाकर और मृत दर्शाकर निराश्रित महिला पेंशन हासिल कर ली। शिकायत के बाद मामला खुला तो अधिकारी भी हक्के-बक्के रह गए। एसडीएम ने तत्काल प्रभाव से तीनों की पेंशन रुकवाने के साथ ही अब तक ली गई पेंशन की रिकवरी के आदेश दिए हैं। मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने वाले ग्राम पंचायत अधिकारी के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है।

आंवला के मोहल्ला गौसिया चौक निवासी हसीना पत्नी आसिफ ने 15 जुलाई को मुख्यमंत्री समेत विभिन्न अधिकारियों को शिकायत भेजकर आरोप लगाया था कि मोहल्ला अनुपुरा नई बस्ती की निवासी अन्नी बेगम पत्नी अच्छन खां और उसकी दो बेटियों सन्नो बी और स्वालीन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर निराश्रित महिला पेंशन ले रही हैं। अच्छन खां जीवित हैं। इसके बावजूद उनकी विवाहित बेटी स्वालीन ने वर्ष 2022 में पिता को अपना पति और मृत दर्शाते हुए पेंशन का लाभ उठाना शुरू कर दिया। पत्नी अन्नी बेगम ने वर्ष 2023 में पति को मृत दर्शाकर निराश्रित महिला पेंशन लेना शुरू कर दिया। यही नहीं अच्छन खां की अविवाहित पुत्री सन्नो भी वर्ष 2023 में पिता को मृत बताकर निराश्रित महिला पेंशन लेने लगी।

शिकायत पर जिला प्रोबेशन अधिकारी ने एसडीएम आंवला को दस्तावेजों की जांच कराकर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए थे। जांच में सामने आया कि ब्लॉक बिथरी चैनपुर के गांव परेवा कुइया से सन्नो बी, कैमुआ खुर्द गांव से स्वालीन और अन्नी बेगम का पता दर्शाकर पेंशन स्वीकृत कराई गई। तहसील टीम की रिपोर्ट में अच्छन खां (53 वर्ष) जीवित पाए गए, जबकि उनकी पत्नी और दोनों बेटियों ने गलत दस्तावेज प्रस्तुत कर निराश्रित महिला पेंशन हासिल की थी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पेंशन प्राप्त करने वाली विवाहित पुत्री स्वालीन का पति आंवला के रहटुइया निवासी मुजायद हैं।

शिकायत के बाद जांच कराई गई। जांच में फर्जीवाड़ा सामने आने पर तीनों निराश्रित महिला पेंशन बंद करा दी गई हैं। उनसे रिकवरी कराई जा रही है। प्रमाण पत्रों की जांच कर जारी करने वाले के खिलाफ कार्रवाई कराई जाएगी। -**विदुषी सिंह**, एसडीएम आंवला।

नमो युवा रन योगी ने हरी झंडी दिखाकर धावकों को किया रवाना, नशामुक्त भारत बनाने का भी आह्वान

ऊर्जा नशे में जाया हुई तो पतन तय : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह अपने आवास से 'नमो युवा रन' को हरी झंडी दिखाई। युवाओं को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि यदि ऊर्जा को सकारात्मक दिशा मिले तो राष्ट्र को नई ऊंचाई मिलती है, लेकिन यदि वही ऊर्जा नशे में जाया हुई तो पतन अवश्यंभावी है। नशामुक्त भारत बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि विजयादशमी पर हर जिले में भ्रष्टाचार, अन्याय और नशे का पुतला जलाकर युवाओं को जागरूक किया जाएगा।

नमो रन मैराथन में बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया। दौड़ कालिदास मार्ग से शुरू होकर 1090 चौराहे पर समाप्त हुई। लोगों को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक चल रहा 'सेवा पखवाड़ा' अब जनआंदोलन बन चुका है। उन्होंने बताया कि इस बार कार्यक्रमों में 'स्मार्ट हेल्थ चेकअप कैंप' और 'डिजिटल स्वास्थ्य कार्ड वितरण' भी शामिल किए गए हैं, ताकि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हो सकें।

नमो युवा रन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मिलेंगे नए अवसर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में घोषित जीएसटी सुधार गरीब, मध्यम वर्ग और युवाओं के लिए दीपावली का सबसे बड़ा तोहफा है। इससे युवाओं को राहत के साथ नए अवसर मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के पंच प्रण अब नारों तक सीमित नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन की नीतियों में उतारे जा रहे हैं। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव, मेयर सुषमा खर्कवाल, विधायक योगेश शुक्ला, डॉ. नीरज बोरा, ओपी श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

लखनऊ, सोमवार, 22 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

योगी ने शारदीय नवरात्र की दीं शुभकामनाएं

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र के पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई देते हुए अपनी मंगलमय शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि भारत की सनातन धर्म की परम्परा में मां दुर्गा की उपासना का प्राचीन काल से ही अत्यधिक महत्व रहा है। मां दुर्गा शक्ति की अधिष्ठात्री देवी हैं। यह चराचर जगत की आदि शक्ति हैं, इनके अनन्त रूप हैं, लेकिन प्रधान नौ रूपों में नवदुर्गा बनकर आदि शक्ति चराचर जगत पर अपनी करुणा की वर्षा करती हैं। शारदीय नवरात्र का आयोजन सभी प्रदेशवासियों के लिए शुभ एवं मंगलमय हो, यह मेरी कामना है।

राजभर की तबीयत बिगड़ी, लोहिया में भर्ती

लोहिया अस्पताल में व्हीलचेयर पर मंत्री ओपी राजभर, साथ में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व अन्य।

अमृत विचार, लखनऊ : सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष व प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर (ओपी राजभर) की रविवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद उन्हें लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। व्हील चेयर पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया। उनके साथ उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी रहे। अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर का कहना है कि ओपी राजभर को चक्कर आ रहा था, जिसके कारण उन्हें भर्ती किया गया है। अब उनकी सेहत में सुधार है।

आज पुन: कार्यभार संभाल सकते हैं मुख्य सचिव

अमृत विचार, लखनऊ : बीते लगभग सवा माह से अवकाश चल रहे मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल के स्वास्थ्य लाभ लेने के बाद नवरात्र के पहले दिन पुन: अपना कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है। हार्ट सर्जरी के बाद एसपी गोयल स्वस्थ हैं और सोमवार को वापसी करेंगे। इससे पूर्व गोयल अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद इलाज के लिए दिल्ली चले गए थे। फिलहाल लखनऊ आ चुके हैं और स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। हालांकि इस बीच उनके सारे पद कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार को सौंप दिए गए। मुख्य सचिव की कुर्सी संभालने के कुछ दिन बाद ही एसपी गोयल की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी।

नौकरियों में आरक्षण की अनदेखी : संजय सिंह

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. में भर्ती घोटाला हो रहा है। योगी सरकार दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के हक की नौकरियां सवर्णों को दे रही है। बांदा कृषि विश्वविद्यालय में 15 पदों पर भर्ती हुई, जिसमें 11 ठाकुर, दो सामान्य और दो दलित-पिछड़ों को नौकरी मिली। इसी तरह, लखीमपुर सहकारी बैंक में 27 पदों में केवल आठ पिछड़े-दलित-आदिवासी चुने गए। यह बात आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने गोमतीनगर स्थित कार्यालय में रविवार को कही। उन्होंने कहा कि खुद को पिछड़ों के नेता बताने वाले मोदी दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों का हक हड़पे जाने पर चुप हैं, जिससे इन वर्गों के आक्रोश बढ़ रहा है।

ट्रेड शो में प्रतिभाग करेगा समाज कल्याण विभाग

अमृत विचार, लखनऊ : ग्रेटर नोएडा में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में पहली बार समाज कल्याण विभाग भी प्रतिभाग करेगा। ट्रेड शो में विभाग के स्टॉल पर समावेशी विकास की झलक देखने को मिलेगी। यह जानकारी समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) असीम अरुण ने दी। उन्होंने बताया कि आयोजन में प्रतिभाग करने के लिए विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय के 20 बच्चों का चयन किया जा रहा है। इसमें 10 बालक और 10 बालिकाएं शामिल हैं। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के ऐसे उद्यमियों को ट्रेड शो में आमंत्रित किया जा रहा है, जिनको उद्यम स्थापित करने में समाज कल्याण विभाग द्वारा सहायता प्रदान की गयी है।

बुद्ध के पिपरहवा अवशेषों की हुई घर वापसी

127 वर्ष बाद यूपी लाए गए पवित्र अवशेष, जल्द किया जाएगा सार्वजनिक प्रदर्शन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश एक बार फिर वैश्विक बौद्ध धरोहर के केंद्र में आ गया है। 127 वर्षों बाद पवित्र पिपरहवा अवशेष, जो सिद्धार्थनगर जिले के पिपरहवा स्तूप से 1898 में खोजे गए थे, भारत वापस लौट आए हैं।

औपनिवेशिक काल में विदेश ले जाए गए ये अवशेष मई 2025 में हांगकांग की एक अंतरराष्ट्रीय नीलामी में रखे गए थे। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और गॉदरेज इंडस्ट्रीज़ ग्रुप के संयुक्त प्रयास से नीलामी रुकवाई गई और 30 जुलाई 2025 को इन्हें भारत वापस लाया गया।

पिपरहवा अवशेषों की वापसी सिर्फ भारत की नहीं, बल्कि प्रदेश की भूमि के उस गौरवशाली इतिहास की पुनः स्थापना है, जिसने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से पूरी दुनिया को आलोकित किया। इन अवशेषों का सार्वजनिक प्रदर्शन शीघ्र ही आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन उत्तर प्रदेश को वैश्विक बौद्ध धरोहर का केंद्र बनाने और राज्य की सांस्कृतिक पर्यटन संभावनाओं को नई ऊंचाई देने वाला साबित होगा।

अवशेषों का महत्व

इन अवशेषों में भगवान बुद्ध की अस्थियां, क्रिस्टल की पेटिकाएं, स्वर्णाभूषण और रत्न, बलुआ पत्थर का संदूक शामिल हैं। ब्राह्मी लिपि के अभिलेख इन्हें सीधे शाक्य वंश से जोड़ते हैं। गॉदरेज इंडस्ट्रीज़ ग्रुप के कार्यकारी उपाध्यक्ष, पिरोजशा गॉदरेज ने कहा कि पिपरहवा अवशेषों की वापसी केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए शांति और करुणा का संदेश है।

सिद्धार्थनगर का पिपरहवा स्तूप, जहां भगवान बुद्ध के अवशेष खोजे गए; वाराणसी का सारनाथ, जहां उन्होंने प्रथम उपदेश दिया और कुशीनगर, जहां उन्होंने महापरिनिर्वाण प्राप्त किया, यह पावन त्रिकोण उत्तर प्रदेश को विश्वभर के करोड़ों बौद्ध श्रद्धालुओं के लिए सबसे बड़ा और अद्वितीय तीर्थस्थल बनाता है। उत्तर प्रदेश की पावन धरती भगवान बुद्ध की तपोभूमि है। पिपरहवा अवशेषों की घर वापसी न केवल भारत की सांस्कृतिक शक्ति का प्रमाण है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक महत्ता को भी पुनः स्थापित करती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी 127 वर्षों बाद भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा अवशेषों की भारत वापसी का स्वागत किया था और इसे राष्ट्र की सांस्कृतिक धरोहर के लिए एक गर्व का क्षण बताया था।

प्रदर्शनी के लिए बुद्ध के अवशेष लेकर रूस जाएंगे केशव मौर्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पीएमओ से आया निर्देश, कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे उप मुख्यमंत्री

अमृत विचार : प्रधानमंत्री कार्यालय के निर्देश पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रूस की ऐतिहासिक यात्रा पर रवाना होंगे। वे वहां भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को लेकर आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय 24 सितंबर से 1 अक्टूबर तक रूस के काल्मिकिया प्रांत में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का प्रदर्शन करेगा। इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय संस्कृति और बौद्ध धरोहर की समृद्ध परंपरा को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करना है। योजना के अनुसार, उप मुख्यमंत्री मौर्य 23 सितंबर को वायुसेना के विशेष विमान से रूस के लिए प्रस्थान करेंगे। वहां 25 से 28 सितंबर तक एलिस्ता में भगवान बुद्ध से जुड़ी दुर्लभ कलाकृतियों और ऐतिहासिक धरोहरों की प्रदर्शनी आयोजित होगी। इसमें भारत से ले जाए गए अवशेष और कलाकृतियां भी शामिल होंगी। प्रदेश सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इस दौरे से भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक संबंध और गहरे होंगे। साथ ही, यह आयोजन बौद्ध धर्म की वैश्विक विरासत और भारतीय संस्कृति की गरिमा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाने वाला साबित होगा।

नौ वर्ष में तीन गुनी हुई प्रदेश की जीडीपी

गोरखपुर में 'विकसित भारत-विकसित उप्र विजन-2047' पर कार्यशाला में बोले योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में कार्यशाला के दौरान लोगों को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत संकल्प के अनुरूप उत्तर प्रदेश 'विकसित यूपी विजन-2047' पर तेजी से काम कर रहा है। इस मिशन में हर नागरिक अपनी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने आह्वान किया कि लोग सरकार द्वारा जारी क्यूआर कोड स्कैन कर अपने सुझाव साझा करें। प्रदेश के विकास का रोडमैप जनता की भागीदारी से बनेगा।

- मुख्यमंत्री ने किया आह्वान जारी क्यूआर कोड स्कैन कर लोग दें अपने सुझाव

वे रविवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की ओर से आयोजित 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश विजन-2047' विषय पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1947 में देश की अर्थव्यवस्था में यूपी का योगदान 14 प्रतिशत था, जो लगातार घटता गया। 2017 में उनकी सरकार बनने के बाद विकास की रफ्तार बढ़ी और अब प्रदेश की जीडीपी 12.36 लाख करोड़ से बढ़कर 36 लाख करोड़ तक पहुंचने जा रही है। प्रति व्यक्ति आय भी नौ साल में 45 हजार रुपये से बढ़कर 1.20 लाख रुपये तक पहुंची है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यूपी को 2029-30 तक एक ट्रिलियन डॉलर, 2035 तक तीन ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक छह ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 12 क्षेत्रों कृषि, उद्योग, आईटी, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, संस्कृति, अवसंरचना व सुशासन आदि से सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं।

नकली दवाओं के खिलाफ जनजागरण जरूरी : मुख्यमंत्री

- **अमृत विचार, लखनऊ :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नकली दवाओं का कारोबार ईमानदार दुकानदारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इस पर रोक लगाने के लिए सभी को जनजागरण अभियान से जुड़ना होगा। गोरखपुर में रविवार को केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स फेडरेशन उत्तर प्रदेश की वार्षिक आमसभा में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने आगरा सहित कई जगहों पर नकली और प्रतिबंधित दवाओं के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि यदि फेडरेशन नकली दवाओं के खिलाफ खड़ा होगा तो सरकार हर तरह का संरक्षण और सहयोग देगी। उन्होंने कहा कि यूपी को फार्मा हब बनाने के लिए ललितपुर में फार्मा पार्क विकसित किया जा रहा है, जिससे सस्ती दवाएं उपलब्ध होंगी और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। फेडरेशन के अध्यक्ष संदीप चतुर्वेदी ने आश्वासन दिया कि संगठन नशामुक्ति और नकली दवाओं के खिलाफ मुख्यमंत्री के हर निर्णय के साथ खड़ा रहेगा। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मंत्री, सांसद रविकिशन और बड़ी संख्या में फेडरेशन प्रतिनिधि मौजूद रहे।

मतदाता सूची की बारीकी से मॉनिटरिंग कर रहा राज्य निर्वाचन आयोग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जमीनी होमवर्क करने पर तमाम जिलों में मिल रहीं खामियां
- 2003 की सूची और वर्तमान सूची का हो रहा मिलान
- बाद में जिनके नाम जुड़े, उन्हें देने होंगे आवश्यक दस्तावेज
- नाम सूची से हटाए जाने पर भी अभिलेख रखे जाएंगे सुरक्षित

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में चुनाव आयोग लगभग दो दशक बाद मतदाता सूची की बड़ी बारीकी से मॉनिटरिंग कर रहा है। जमीनी होमवर्क करने पर तमाम जिलों में जैसी खामियां मिल रहीं हैं, उसको लेकर आयोग के अधिकारी भी हैरान हैं। दरअसल, मौजूदा अभियान के तहत 2003 की सूची और वर्तमान सूची का मिलान हो रहा है।

इस दौरान मतदाताओं की डुप्लीकेसी तो पकड़ी ही जा रही है, वर्ष 2003 के बाद जिनके नाम जुड़े हैं, उन्हें भी आयोग के कहने पर अपनी पहचान संबंधी आवश्यक दस्तावेज दिखाना होगा। इस स्क्रूटनी में नाम मतदाता सूची से हटाए जाने पर भी उनके अभिलेख सुरक्षित रखे जाएंगे, ताकि भविष्य में आवश्यकतानुसार कानूनी औपचारिकताओं में इसका प्रयोग किया जा सके।

राज्य में पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट को अपडेट और त्रुटिरहित बनाने के लिए अभियान चल रहा है। इसको लेकर जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रदेश में मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण साल 2003 में हुआ था। अब लगभग 22 साल बाद यह प्रक्रिया दोबारा शुरू होने जा रही है। इस दौरान 2003 की मतदाता सूची और वर्तमान मतदाता सूची का मिलान किया जाएगा। जिन मतदाताओं के नाम दोनों सूचियों में दर्ज हैं, उन्हें कोई अतिरिक्त दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होगी। हालांकि, जिनके नाम बाद में जोड़े गए हैं, उन्हें आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।

खासकर जिन बच्चों के नाम अभिभावकों के बाद जोड़े गए हैं, उन्हें एसआईआर के दायरे में लाया जाएगा। साथ ही, जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाएंगे, उनके अभिलेख भी सुरक्षित रखे जाएंगे। आगे किसी विवाद की स्थिति में प्रमाण उपलब्ध कराने के लिए यह व्यवस्था रहेगी।

हर पात्र नागरिक का नाम निर्वाचक नामावली में दर्ज होना सामूहिक जिम्मेदारी है। मतदाता सूची को न केवल त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाया जाएगा, बल्कि समावेशी पंजीकरण सुनिश्चित करना भी लक्ष्य है। विशेष ध्यान 18-19 वर्ष की आयु वर्ग के युवाओं पर दिया जाना है, ताकि उन्हें पहली बार मतदाता सूची में शामिल किया जा सके।

– नवदीप रिणवा, मुख्य निर्वाचन अधिकारी

विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाएंगे। वे मतदाताओं को गणना-प्रपत्र वितरित करेंगे। उसे भरने में सहयोग करेंगे और एकत्रित करने के बाद मतदाताओं का सत्यापन कर जानकारी को बीएलओ ऐप पर अपलोड करेंगे। निर्वाचन आयोग की कोशिश है कि पंचायत और विधानसभा चुनाव से पहले अपडेट और सही मतदाता सूची उपलब्ध कराई जा सके।

नमो मैराथन में दौड़ी महानगरों की युवा ऊर्जा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सेवा पखवाड़ा के तहत किया गया दौड़ का आयोजन

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से शुरू हुए सेवा पखवाड़े के तहत रविवार को प्रदेश के 16 महानगरों में नमो मैराथन का आयोजन हुआ। हजारों युवाओं, खिलाड़ियों और नागरिकों ने दौड़ में हिस्सा लेकर फिट इंडिया और नए भारत के नये जोश का संदेश दिया।

लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने नमो मैराथन की शुरुआत की। पूरे शहर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। आगरा में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य व बरेली में ब्रजेश पाठक, मेरठ में संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह की मौजूदगी में मैराथन आयोजित हुई। मथुरा में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा, अलीगढ़ में किसान मोर्चा अध्यक्ष राजकुमार चाहर, गोरखपुर में स्वतंत्र देव सिंह, शाहजहांपुर में सुरेश खन्ना, झांसी में बेबी रानी मौर्य और अनूप गुप्ता ने युवाओं का उत्साह बढ़ाया। फिरोजाबाद, अयोध्या, प्रयागराज, सहारनपुर, गाजियाबाद और मुरादाबाद में भी वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में नमो मैराथन का आयोजन हुआ।

नमो मैराथन युवाओं को करेगी प्रेरित

प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला ने कहा कि नमो मैराथन प्रधानमंत्री मोदी के विजन और प्रेरणा का प्रतीक है। ऐसे आयोजन युवाओं को राष्ट्र निर्माण में और अधिक सक्रिय करेंगे। विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। पूरे आयोजन के दौरान माहौल उत्साह और जोश से भरा रहा।

नोएडा एयरपोर्ट से कामर्शियल उड़ानें दीवाली बाद शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : दीवाली बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कामर्शियल उड़ानें शुरू हो जाने की संभावना है। जेवर स्थित इस एयरपोर्ट के खुलने से दिल्ली-एनसीआर के यात्रियों के लिए हवाई यातायात सुगम हो जाएगा। हालांकि इस एयरपोर्ट का औपचारिक उद्घाटन 30 अक्टूबर को होना है, लेकिन इससे पूर्व कामर्शियल उड़ानें शुरू हो जाएंगी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हवाई संपर्क को बढ़ावा मिलने के साथ दिल्ली-एनसीआर के यात्रियों के लिए जहां हवाई यातायात सुगम तो होगा वहीं, दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यातायात का बोझ भी कम होने की उम्मीद की जा रही है। इस एयरपोर्ट का औपचारिक उद्घाटन अक्टूबर के अंत में हो जाने के 45 दिनों के भीतर उड़ानें शुरू हो जाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस साल के अंत से पहले व्यावसायिक उड़ानें शुरू हो जाने की घोषणा की है।

एनसीएमसी कार्ड देश की सभी मेट्रो में होगा मान्य

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- वन नेशन-वन कार्ड योजना पर तेजी से चल रहा काम

अमृत विचार : लखनऊ मेट्रो एक कार्ड लाने जा रहा है। इससे यात्री सिर्फ लखनऊ ही, नहीं पूरे देश में संचालित हो रही किसी भी मेट्रो में कहीं से सफर कर सकेगा। मेट्रो प्रशासन वन नेशन-वन कार्ड की योजना पर तेजी से काम कर रहा है। इसके तहत नेशनल कॉमन मोबालिटी कार्ड (एनसीएमसी) बनेगा। करीब छह माह में यह कार्ड लाया जाएगा। इसे लांच करते ही मौजूदा समय में इस्तेमाल हो रहा क्लोज कार्ड को बंद कर दिया जाएगा। बता दें कि कानपुर और आगरा मेट्रो में नेशनल कॉमन मोबालिटी कार्ड का इस्तेमाल हो रहा है।

ऑटोमैटिक फेयर में होगा बदलाव : मेट्रो में प्रवेश और निकास के लिए ऑटोमैटिक फेयर पर टोकन अथवा कार्ड लगाना पड़ता है, स्कैन के बाद ही रास्ता खुलता है और यात्री अंदर और बाहर जा सकते हैं। इसमें बदलाव के बाद ही नेशनल कॉमन मोबालिटी कार्ड यात्रियों के हाथ में होगा। लखनऊ मेट्रो के ज्वाइंट जनरल मैनेजर पंचानन मिश्रा ने बताया कि जब लखनऊ में मेट्रो की शुरुआत हुई थी, तब नेशनल कॉमन मोबालिटी कार्ड का कॉन्सेप्ट नहीं आया था, लेकिन आने वाले 6 महीने में यह व्यवस्था यहां भी देखने को मिलेगी।

6 महीने बाद टिकट लेने का झंझट खत्म

लखनऊ मेट्रो में सफर करने के लिए यात्री टोकन अथवा कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, जिससे सफर के दौरान किराये में 10 प्रतिशत की छूट मिलती है, लेकिन करीब 6 महीने बाद इस कार्ड का इस्तेमाल बंद हो जायेगा। इसकी जगह पर लोग यात्रा के लिए एनसीएमसी कार्ड का इस्तेमाल कर सकेंगे। इस कार्ड की खासियत यह होगी कि देश में चल रही सभी मेट्रो में मान्य होगा। यानी कार्ड लेने के बाद कहीं पर भी लाइन में लगने से छुटकारा मिलेगा और टिकट खरीदने की झंझट खत्म होगी। दरअसल, उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार का साझा उद्यम है। साल 2020 में ही केंद्र सरकार ने नेशनल कॉमन मोबालिटी कार्ड की शुरुआत कर दी थी, दिल्ली मेट्रो में इस कार्ड के इस्तेमाल का फैसला भी ले लिया गया था और तय हुआ कि देश में अब जिन शहरों में मेट्रो सुविधा शुरू होगी, सब जगह एक ही कार्ड का इस्तेमाल होगा। यही वजह है कि लखनऊ में भी इसको शुरू करने की तैयारी है।

एफआईआर को चुनौती देने वाली नेहा राठौर की याचिका खारिज

विधि संवाददाता, लखनऊ : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने पहलगाम में 26 पर्यटकों का धर्म पूछकर हत्या करने के आतंकी हमले के पश्चात सोशल मीडिया पर कथित अनर्गल, धार्मिक व देश विरोधी पोस्ट करने की आरोपी लोक गायिका नेहा सिंह राठौर को राहत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने मामले में दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है, साथ ही उन्हें विवेचनाधिकारी के समक्ष 26 सितंबर को पूछताछ में सहयोग के लिए हाजिर होने का भी आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान व न्यायमूर्ति सैयद कमर हसन रिजवी की खंडपीठ ने पारित किया है। कोर्ट ने अपने आदेश में टिप्पणी भी की है कि अभिव्यक्ति की आजादी का मौलिक अधिकार है लेकिन इस पर युक्तियुक्त प्रतिबंध भी हैं।

भागीदारी | ग्रामीण क्षेत्रों से 2 .40 लाख और नगरीय क्षेत्रों से 60 हजार से अधिक मिले फीडबैक

शिक्षा, स्वास्थ्य व कृषि में सुधार चाहते हैं लोग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन 2047 के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर रविवार तक 3 लाख से अधिक फीडबैक दर्ज हुए हैं। इसमें सबसे अधिक लोग सरकार से शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि में सुधार चाहते हैं।

समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश 2047 अभियान के तहत जनता से फीडबैक लेने की प्रक्रिया जारी है। प्रदेश के 75 जनपदों में नोडल अधिकारी और प्रबुद्धजन, आम जनता, छात्रों, शिक्षकों, व्यवसायियों, कृषकों, स्वयंसेवी संगठनों, श्रमिक संघों और मीडिया के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा और भविष्य के रोड मैप पर चर्चा कर रहे हैं।

samarthuttarpradesh.up.gov.in पर कुल 3 लाख फीडबैक प्राप्त हुए। इनमें से 2.40 हजार ग्रामीण और 60 हजार से अधिक नगरीय क्षेत्रों से आए हैं। आयु वर्ग के अनुसार, 1.12 लाख से अधिक सुझाव 31 वर्ष से कम, 1.66 लाख सुझाव 31-60 वर्ष और बाकी सुझाव 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के नागरिकों से प्राप्त हुए हैं।

इन क्षेत्रों में मिल रहे सर्वाधिक सुझाव

फीडबैक के क्षेत्रवार वितरण में शिक्षा (1.10 लाख), नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र (52 हजार से अधिक), स्वास्थ्य (23 हजार से अधिक), समाज कल्याण (25 हजार से अधिक), कृषि (51 हजार से अधिक) और आईटी एवं टेक्नोलॉजी (6 हजार से अधिक) शामिल हैं। प्रमुख जनपदों जैसे- आगरा, फिरोजाबाद, बस्ती, जौनपुर, कानपुर देहात, कानपुर नगर, गोरखपुर, सहारनपुर, शामली, एटा, मेरठ, फर्रुखाबाद, मैनपुरी, ललितपुर, महाराजगंज, प्रयागराज आदि से 1.11 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए हैं।

वीजा शुल्क बढ़ने से घटेगा कारोबार : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

इटावा में लॉयन सफारी का भ्रमण करते पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव।

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा की आर्थिक और विदेश नीति फेल हो गयी है। दुनिया में भारत के मित्र देशों की संख्या घट गयी है। मित्र देश भी व्यापार में चिढ़ा रहे हैं। अब एच-1बी वीजा पर जो पाबंदियां लग रही हैं, उससे भारतीय कंपनियों और भारतीयों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ेगा। कंपनियों का कारोबार घटेगा।

सपा प्रमुख ने रविवार को सोशल मीडिया पर केन्द्र सरकार पर भोजपुरी भाषा में तंज कसते हुए कहा कि झूठी हुई हर बतिया, एच वन वीजा हुआ लखटकिया। उन्होंने जारी बयान में स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत से व्यापार और कारोबार छीना जा रहा है। भाजपा सरकार के पास इन सवालों का जवाब नहीं हैं। कहा कि ये पहले टैक्स बढ़ाकर ज्यादा जीएसटी ले रहे थे। अब कम करने का ढिंढोरा पीट रहे हैं।

मुलायम सिंह ने देखा था लॉयन सफारी का सपना

- **अमृत विचार :** इटावा में लॉयन सफारी भ्रमण के बाद रविवार को अखिलेश यादव ने कहा कि इटावा लॉयन सफारी का जो सपना कभी मुलायम सिंह और समाजवादियों ने देखा था, आज वह आगे बढ़ रहा है। इटावा लॉयन सफारी को पूरे देश में प्रसिद्धि मिल रही है।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
www.amritvichar.com

शारदीय नवरात्र आज से

शारदीय नवरात्र सोमवार 22 सितंबर से शुरू हो रहे हैं और 1 अक्टूबर को खत्म होंगे। इस बार सोमवार को माता का आगमन हाथी पर होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हाथी पर माता का सवार होकर आना बेहद शुभ संकेत होता है। शारदीय नवरात्र का समापन 1 अक्टूबर बुधवार को होगा। बुधवार के दिन जब भी माता प्रस्थान करती हैं तो उनकी सवारी हाथी ही होती है। इसे भी शुभ संकेतक माना जाता है। तृतीया तिथि बढ़ जाने के कारण इस बार 9 नहीं 10 दिन के होंगे नवरात्र। विजयादशमी का पर्व 2 अक्टूबर को होगा।

घटस्थापना मुहूर्त - सुबह 5:58 बजे से 7:52 बजे तक घटस्थापना अभिजीत मुहूर्त - दोपहर 11:37 बजे से 12:25 बजे तक।

प्रथम शैलपुत्री

नवरात्र के प्रथम दिन मां शैलपुत्री की पूजा होती है। शैलपुत्री हिमालय की पुत्री हैं। इसी वजह से मां के इस स्वरूप को शैलपुत्री कहा जाता है। इनकी आराधना से हम सभी मनोवांछित फल प्राप्त कर सकते हैं। मां शैलपुत्री को प्रसन्न करने के लिए बीज मंत्र जपना चाहिए। इसके प्रभाव से माता जल्दी ही प्रसन्न होती हैं। देवी शैलपुत्री की पूजा से चंद्र दोष समाप्त होता है।

बीज मंत्र..... ह्रीं शिवायै नमः।

किसी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोप रहा केंद्र

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बोले- राजनीति से प्रेरित लोग कर रहे त्रि-भाषा नीति का विरोध

चेन्नई, एजेंसी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कहा कि केंद्र किसी पर कोई भाषा नहीं थोप रहा है। प्रधान ने उन लोगों को राजनीति से प्रेरित बताया जो यह दावा करते हैं कि केंद्र, राज्यों पर त्रि-भाषा नीति थोप रहा है।

उन्होंने कहा कि हम किसी पर कोई भाषा नहीं थोप रहे हैं। कक्षा पहली और दूसरी के लिए द्वि-भाषा का फॉर्मूला होगा। एक मातृभाषा होगी। यहां तमिल भाषा होगी। भारत सरकार की शर्त है कि आपको प्राथमिक विद्यालय में तमिल में पढ़ाना होगा। आप अपनी पसंद की कोई अन्य भाषा पढ़ा सकते हैं।

प्रधान 'थिंक इंडिया दक्षिणापथ शिखर सम्मेलन 2025' में शामिल होने के बाद आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी कामकोटि की मौजूदगी में पत्रकारों से बात कर रहे थे। त्रि-भाषा नीति के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि कक्षा छठी से दसवीं तक त्रि-भाषा फार्मूला लागू है। उन्होंने कहा कि एक भाषा मातृभाषा होगी। बाकी दो आपकी पसंद की होंगी। भारत सरकार किसी भी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोपेगी।

उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में त्रि-भाषा नीति कैसे लागू की जा रही है, इस बारे में पूछे गये सवाल पर उन्होंने कहा कि हम उस राज्य में भी इसे लागू कर रहे हैं। भाजपा शासित राज्यों को छोड़ दें तो कई राज्य सरकारें राष्ट्रीय शिक्षा नीति से पहले त्रि-भाषा नीति लागू कर रही हैं।

प्रधान ने कहा कि उत्तर प्रदेश में छात्र हिंदी को मातृभाषा के रूप में सीखेंगे। इसके बाद, वे मराठी और तमिल भी सीख सकते हैं। उत्तर प्रदेश में कुछ छात्र तमिल को तीसरी भाषा के रूप में चुन सकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार को तमिल पढ़ाने की सुविधा प्रदान करनी होगी। उन्होंने कहा कि भारत की केवल 10 प्रतिशत आबादी अंग्रेजी बोलती है, जबकि बाकी लोग अपनी मातृभाषा में बात करना पसंद करते हैं।

चेन्नई में आईआईटी मद्रास के सम्मेलन को संबोधित करते केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

छात्रों को 10 भाषाएं सीखने को करेंगे प्रोत्साहित

प्रधान ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा कि वह तेलुगु भाषी छात्रों को 10 भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित करेंगे, ताकि प्रत्येक तेलुगु लड़का 'वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी' बन सके और वे विभिन्न भाषाओं में निपुण हो सकें। उन्होंने कहा कि भाषा हमेशा एक साधन होती है। राजनीतिक रूप से संकीर्ण विचार रखने वाले लोग यह समस्या पैदा कर रहे हैं। तमिलनाडु की अपनी पिछली यात्राओं का जिक्र करते हुए प्रधान ने कहा कि मैंने तमिलनाडु के सभी हिस्सों का दौरा किया है। यह मूलतः एक भाषाई राज्य है। मैं उड़िया हूं। मुझे अपनी उड़िया भाषा पर बहुत गर्व है, लेकिन मुझे अन्य भारतीय भाषाओं पर भी गर्व है। उन्होंने कहा कि मैं आज पूरी जिम्मेदारी के साथ आपसे कह रहा हूं कि जो लोग भाषाई विभाजन पैदा करना चाहते हैं, वे विफल हो गये हैं। समाज उनसे कहीं आगे निकल चुका है।

भारत को भविष्य की समस्याओं से बचने के लिए खुद बनाना होगा अपना रास्ता

नई दिल्ली, एजेंसी

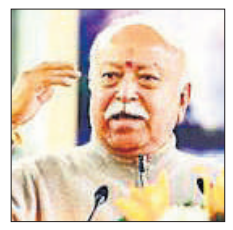

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुल्क और आव्रजन संबंधी अमेरिकी फैसलों की पृष्ठभूमि में रविवार को कहा कि भारत को उभरी स्थिति से बाहर निकलने के लिए जो भी आवश्यक हो वह करना चाहिए, लेकिन उसे भविष्य में ऐसी समस्याओं से खुद को बचाने के लिए अपना रास्ता खुद बनाना शुरू करना चाहिए।

यहां एक पुस्तक विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि भारत सहित विश्व के सामने आज जो समस्याएं हैं, वे पिछले 2000 वर्षों से अपनाई जा रही उस व्यवस्था का परिणाम हैं, जो विकास और सुख की खंडित दृष्टि पर आधारित रही हैं। उन्होंने कहा, हम इस स्थिति से मुंह नहीं मोड़ सकते। हमें इससे बाहर निकलने के लिए जो भी जरूरी हो, वह करना होगा। लेकिन हम आंख मूंदकर आगे नहीं बढ़ सकते। उन्होंने कहा, इसलिए हमें अपना रास्ता खुद बनाना होगा। हम कोई न कोई रास्ता निकाल ही लेंगे... लेकिन अनिवार्य रूप से, भविष्य में किसी न किसी मोड़ पर हमें इन सब चीजों का फिर से सामना करना पड़ेगा। क्योंकि इस खंडित दृष्टिकोण में एक ओर 'मैं' होता है और दूसरी ओर बाकी दुनिया, या 'हम' और 'वे'। संघ प्रमुख ने कहा कि भारत को जीवन के चार लक्ष्य अर्थ, काम और मोक्ष के अपने सदियों पुराने दृष्टिकोण का पालन करना चाहिए, जो धर्म से बंधा हो और यह सुनिश्चित करता हो कि कोई भी पीछे न छूटे। भागवत ने किसी का नाम लिए बिना कहा, हर किसी के अलग-अलग हित हैं... इसलिए संघर्ष जारी रहेगा।

मध्यस्थता परिषद के गठन में प्रगति हुई है : मेघवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को कहा कि मध्यस्थता परिषद के गठन में प्रगति हुई है और वह जल्द ही इस बारे में 'अच्छी खबर' साझा करेंगे।

मध्यस्थता पर एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मेघवाल ने कहा कि कुछ लोगों ने इस ओर ध्यान दिलाया है कि मध्यस्थता कानून पारित होने के वर्षों बाद भी भारतीय मध्यस्थता परिषद का गठन नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि हम इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मैं जल्द ही अच्छी खबर दूंगा। हाल में, अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने संसद द्वारा मध्यस्थता अधिनियम पारित किए जाने के दो साल बाद मध्यस्थता परिषद के गठन में देरी के पीछे मानव संसाधन की कमी को कारण बताया था। शीर्ष विधि अधिकारी ने कहा कि मानव संसाधन की कमी से आज ऐसे कई कानूनों के क्रियान्वयन में समस्या आ रही है। मध्यस्थता अधिनियम मध्यस्थों को विनियमित करने के लिए एक भारतीय मध्यस्थता परिषद के गठन का प्रस्ताव करता है। इसके अन्य कार्यों में मध्यस्थों का पंजीकरण और मध्यस्थता सेवा प्रदाताओं एवं मध्यस्थता संस्थानों को मान्यता देना शामिल है। कानून में उन विवादों की भी सूची दी गई है जो मध्यस्थता के लिए उपयुक्त हैं या नहीं।

लोगों के योगदान से किए छोटे-छोटे प्रयास समाज में लाते हैं बड़े बदलाव: अमित शाह

- **बोले- ये समाज की जिम्मेदारी कि दिव्यांग राष्ट्र निर्माण में योगदान दें**

जोधपुर, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि दिव्यांग समुदाय की चुनौतियों का समाधान करने के लिए बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एक ऐसी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए, जिसके तहत यह सुनिश्चित करना समाज की जिम्मेदारी बने कि दिव्यांग राष्ट्र निर्माण में योगदान दें और जीवन में आगे बढ़ें।

शाह पारसमल बोहरा नेत्रहीन महाविद्यालय की तीन परियोजनाओं की आधारशिला रखने आए थे। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश और राज्य के मंत्री भी मौजूद थे। दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन को बेहतर बनाने में संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए शाह ने बताया कि किस प्रकार विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के योगदान से छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव लाते हैं। इस तरह, एक दिन हम निश्चित रूप से दिव्यांगों के लिए अच्छा जीवन और करियर सुनिश्चित कर पाएंगे। शाह ने दिव्यांग समुदाय से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए सरकारी प्रयासों का जिक्र किया। 2015 में विकलांग शब्द की जगह "दिव्यांग" शब्द इस्तेमाल किया गया, जिसका अर्थ है दिव्य शरीर।

राजस्थान के जोधपुर में श्री पारसमल बोहरा नेत्रहीन महाविद्यालय के शिलान्यास समारोह के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा।

तेजस्वी की अधिकार यात्रा में मोदी की दिवंगत मां को गाली देने का आरोप

- **डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा- राजद कार्यकर्ताओं ने की गालीगलौज**
- **बोले- बिहार की जनता इस गंदी राजनीति का लोकतांत्रिक ढंग से देगी जवाब**

पटना, एजेंसी

बिहार में इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सियासी सरगर्मी तेज होने के बीच भाजपा ने रविवार को आरोप लगाया कि राजद नेता तेजस्वी यादव की 'बिहार अधिकार यात्रा' के दौरान उनके समर्थकों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत मां को गालियां दीं। पिछले महीने प्रदेश के दरभंगा जिले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के लिए बनाए गए मंच से एक व्यक्ति ने प्रधानमंत्री की दिवंगत मां के लिए कथित तौर पर अपशब्द कहे थे।

भाजपा नेता और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स वीडियो साझा करते हुए लिखा कि तेजस्वी यादव ने एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत माता का अपमान किया है। तेजस्वी ने बिहार की संस्कृति को फिर से तार-तार किया है। राजद कार्यकर्ता जितनी गालियां दे सकते थे, दे रहे थे और तेजस्वी उन्हें प्रोत्साहित कर रहे थे। बिहार की माताएं-बहनें इस गुंडागर्दी वाली मानसिकता और अभद्र व्यवहार का हिसाब जरूर करेंगी। भाजपा नेता ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतंत्र का अपमान है। क्या अब माताओं और बहनों का अपमान करना विपक्षी दलों की संस्कृति और हथियार बन गया है? बिहार की जनता इस गंदी राजनीति को भली-भांति समझती है और लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देगी।

प्रदेश के अन्य उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने भी एक्स पर लिखा, तेजस्वी की यात्रा के दौरान फिर प्रधानमंत्री की दिवंगत माता के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया और राजद नेता अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा रहे थे यह चौंकाने वाला है। इससे उनकी मानसिकता उजागर होती है। चौधरी ने आगे कहा कि यह लोकतंत्र का घोर अपमान है। क्या माताओं-बहनों का अपमान करना उनकी संस्कृति और विपक्षी दलों को जवाब देने का हथियार बन गया है।

30 सितंबर तक एसआईआर लागू करने के लिए रहें तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

निर्वाचन आयोग ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के निर्वाचन अधिकारियों को 30 सितंबर तक विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए तैयार रहने को कहा है। आयोग का यह निर्देश इस बात का संकेत है कि अक्टूबर-नवंबर की शुरुआत में मतदाता सूची को दुरुस्त करने का काम शुरू हो सकता है। अधिकारियों के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के एक सम्मेलन में आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने उन्हें अगले 10 से 15 दिनों में विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए तैयार रहने को कहा था। हालांकि अधिक स्पष्टता के लिए 30 सितंबर की समय सीमा तय की गई थी।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे पिछली एसआईआर के बाद प्रकाशित अपने राज्यों की मतदाता सूची तैयार रखें। कई राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने अपनी पिछली एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूचियां पहले ही अपनी वेबसाइटों पर डाल दी हैं। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची उपलब्ध है, जब राष्ट्रीय राजधानी में अंतिम गहन पुनरीक्षण हुआ था। उत्तराखंड में अंतिम एसआईआर 2006 में हुआ था और उस वर्ष की मतदाता सूची अब राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। राज्यों में अंतिम एसआईआर ही कट-ऑफ तिथि होगी, जैसे बिहार की 2003 की मतदाता सूची का उपयोग आयोग गहन पुनरीक्षण के लिए कर रहा है।

वेतन और पेंशन पर ढाई गुना बढ़ा राज्यों का खर्च

नई दिल्ली। वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान पर सभी राज्यों का खर्च वित्त वर्ष 2013-14 के 6,26,849 करोड़ रुपये से 2.49 गुना बढ़कर 2022-23 में 15,63,649 करोड़ रुपये हो गया। राज्यों के वित्त पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक, राज्यों के राजस्व व्यय का एक बड़ा हिस्सा या तो प्रतिबद्ध व्यय है या पहले से तय है। वेतन, पेंशन और सार्वजनिक ऋण तथा देनदारियों पर ब्याज भुगतान को 'प्रतिबद्ध व्यय' माना जाता है। वित्त वर्ष 2013-14 से 2022-23 तक 10 साल के दौरान राज्यों का राजस्व व्यय, उनके कुल व्यय का 80-87 प्रतिशत था।

नेपाल से फरार 5 विदेशी बिहार में गिरफ्तार

मोतिहारी। पड़ोसी देश नेपाल में हाल में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान वहां की जेल से कथित तौर पर फरार हुए पांच विदेशी नागरिकों को बिहार के मोतिहारी में गिरफ्तार किया गया है। पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक (एसपी) स्वर्ण प्रभात ने बताया कि सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) से मिली सूचना के आधार पर 20 सितंबर को घोड़ासहन बस स्टैंड पर छापेमारी की गई, जहां पांचों विदेशी नागरिकों को पकड़ा गया। सभी की उम्र करीब 30 वर्ष है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों में चार सूडान के निवासी हैं जबकि एक बोलीविया का रहने वाला है।

गुजरात-मेघालय में भूकंप के झटके

अहमदाबाद। देश के पूर्व और पश्चिम हिस्से में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। गुजरात के कच्छ जिले में रविवार को 3.1 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए। वहीं बांग्लादेश में चार की तीव्रता के आए भूकंप के कारण मेघालय में भी लोगों ने झटके महसूस किए गए। भूकंपीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने यह जानकारी दी है।

अमृत विचार

लखनऊ, सोमवार, 22 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

दलहन-तिलहन मिनीकिट के लिए आवेदन शुरू

अमृत विचार, माल : तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए तोरिया मिनीकिट किसानों का बांटे जा रहे हैं। माल सहायक विकास अधिकारी (कृषि) सिकंदर यादव ने बताया कि जिन किसानों ने पहले से ऑनलाइन आवेदन किया है, वे तुरंत अपने नजदीकी राजकीय बीज भंडार से बीज लेकर बुवाई करें। बताया कि प्रदेश सरकार की राज्य सहायतित नि:शुल्क दलहन/तिलहन बीज मिनीकिट व प्रसार योजना के तहत सीजन में चना, मटर, मसूर और सरसों की फसलों का मिनीकिट किसानों को नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। आवेदन agridarshan.up.gov.in पोर्टल पर 25 सितंबर तक कर सकते हैं।

जानलेवा हमले के चार आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, माल : भूमि विवाद में भाई-बहन व पिता की डंडों से बेरहमी से पिटाई के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपियों में मोहित मौर्या, राधा कृष्ण मौर्या, हंशू मौर्या व कृष्ण कुमार हैं। मामले में आंगनबाड़ी केंद्र की सहायिका संतोष कुमार ने शनिवार को 12 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। आरोपियों की गुंडई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

सोता रहा परिवार, चोरों ने पार किया माल

अमृत विचार, काकोरी : थाना क्षेत्र के मेहंदीनगर गांव में शनिवार देर रात चोरों ने एक मजदूर के घर पर धावा बोलकर जेवर व नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित उमेश कुमार लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे के टोल प्लाजा पर चाय बेचकर अपना परिवार चलाते हैं। देर रात छत के रास्ते अंदर घुसे चोरों ने अलमारी को तोड़कर करीब एक लाख के जेवर और 6 हजार रुपये चोरी कर लिए। वारदात के दौरान पत्नी पूनम, बेटी सोनिया, बेटे आकाश व अयान सो रहे थे। काकोरी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

प्रतियोगिता में बच्चों ने बताए मोबाइल के दुष्प्रभाव

अमृत विचार, लखनऊ : 'स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा-2025' के अंतर्गत रविवार को पांचवें दिन राजभवन में निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता में डिजिटल भारत, प्लास्टिक प्रदूषण एवं उसके दुष्प्रभाव, मोबाइल का दुष्प्रभाव तथा जल ही जीवन है जैसे- विषयों पर आयोजित रहीं। प्रतियोगिता में उच्च प्राथमिक विद्यालय राजभवन एवं राजभवन में अध्यासित बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

जीएसटी में बदलाव से होगी बचत : एके शर्मा

अमृत विचार, लखनऊ : नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार ने मध्यम वर्ग के लिए रणनीतिक रूप से प्रभावशाली बदलाव किए और उन्हें सफलतापूर्वक लागू किया, जिससे उनके जीवन में सुगमता आएगी और वे अब अधिक सशक्त होंगे। उन्होंने बताया कि सुलभ दाम से रोजमर्रा की जरूरतों पर रोजाना बचत होगी।

जीएसटी की नई दरें लागू होने में एमआरपी का पेच

नीरज मिश्र, लखनऊ

- व्यापारियों के पास रोजमर्रा की चीजों का बड़ा स्टॉक
- व्यवस्था पटरी पर आने में लगेगा एक माह का समय

अमृत विचार : 22 सितंबर नवरात्र के पहले दिन से जीएसटी की नई दरें प्रभावी हो गई हैं, किंतु उपभोक्ताओं घटी दरों का तत्काल मिलने लगेगा ये यक्ष प्रश्न है, इसमें पुरानी एमआरपी का पेच है। व्यापारियों के पास रोजमर्रा की चीजों का बड़ा स्टॉक है। इसे न तो कारोबारी वापस करने की स्थिति में हैं और न ही उसमें कोई सुधार करने की हालत में। जाहिर सी बात है कि उपभोक्ताओं को फिलहाल कई दिनों तक बढ़ी-घटी दरों की इस समस्या से दो-चार होना पड़ सकता है।

कारोबारी मानते हैं कि व्यवस्था पटरी पर आने में कम से कम एक माह का वक्त लगेगा। रोजमर्रा की चीजें बेचने वाले व्यापारी कहते हैं कि निश्चित तौर पर उपभोक्ता की जिद घटी दरों पर माल पाने की होगी। लेकिन व्यापारी के सामने उसे खपाने की मजबूरी होगी। क्योंकि वह माल फेंक नहीं सकता है और न ही वापस कर सकता है। ऐसे में कुछ दिन दिक्कत बनी रहेगी।

आधा दर्जन बड़ी कंपनियों ने बढ़ाए डिस्काउंट

विनोद अग्रवाल

- एफएमसीजी ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा कि पेस्ट, मंजन, ब्रश, पाउडर, सर्फ, साबुन, तेल समेत तमाम रोजमर्रा की चीजें बनाने वाली आधा दर्जन बड़ी कंपनियों ने डिस्काउंट बढ़ा दिए हैं। कुछ ने माल बढ़ाने की बात कही है। लेकिन बिकेगा कैसे यह अभी समझ से परे है। क्योंकि पुरानी एमआरपी की प्रिंटिंग अभी विभिन्न उत्पादों पर है। कई कंपनियां अभी भी विचार ही कर रही हैं। ऐसे में एमआरपी का पेच अभी फंसा है। सभी कंपनियों की नई गाइडलाइन पहुंचने के बाद ही पुराने माल की बिक्री की राह आसान हो पाएगी।

नई एमआरपी आने के बाद मिलेगी राहत

- अध्यक्ष विनोद अग्रवाल कहते हैं कि जीएसटी दरें लागू जरूर हो गई हैं, लेकिन नई दरों से ग्राहक तक माल पहुंचाने में अभी पुरानी एमआरपी बाधा है। नई एमआरपी आने में अब ज्यादा वक्त नहीं है लेकिन कारोबार पटरी पर आने में करीब एक माह लग सकता है।

वाहन सेक्टर में अग्रिम बुकिंग से राहत

- हां, ऑटोमोबाइल सेक्टर में जीएसटी का पेच नहीं फंसेगा, क्योंकि इसमें एमआरपी का झंझट नहीं है। लोग भी इनकी एडवांस बुकिंग करा रहे हैं। दीपावली, दशहरों पर घटी जीएसटी से ही बुकिंग चल रही है। इससे वाहन उपभोक्ताओं को दिक्कत नहीं होगी।

बोले व्यापारिक संगठन

लागू हुई जीएसटी की नई दरें केंद्र सरकार की दूरदर्शिता को दर्शाती हैं। इससे सभी वर्ग के लोगों को लाभ मिलेगा। अच्छा निर्णय है। सरकार का आभार। इससे कारोबार और उद्यमी दोनों को लाभ मिलेगा।

-बनवारी लाल कंछल, प्रांतीय अध्यक्ष, उप्र उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल

जीएसटी की नई दरें राहत देने वाली हैं। खासतौर पर खानपान की चीजें। सभी वर्ग के उपभोक्ताओं चाहे वह उच्च वर्ग हो या फिर मध्यम अथवा निम्न वर्ग के। सभी फायदा होगा। देर आए दुरुस्त आए, सरकार का कदम सराहनीय।

-राजेंद्र अग्रवाल, चेयरमैन एवं संरक्षक लखनऊ व्यापार मंडल

रोजमर्रा की चीजों पर राहत दी गई है। खानपान और दवाएं भी शामिल हैं। दूध, ब्रेड, पेस्ट, वाशिंग पाउडर समेत कई चीजों के दाम घटेंगे। कदम सराहनीय है। लेकिन कई चीजों पर जीएसटी में अभी पुनर्विचार की जरूरत है।

-अमरनाथ मिश्र, अध्यक्ष लखनऊ व्यापार मंडल

नवरात्रि के प्रथम दिवस से देश में जीएसटी की दरों में बदलाव आने से बाजारों में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उत्पाद में खरीदारी तेज होगी। यह फेस्टिवल सीजन व्यापार में पिछले साल की अपेक्षा 50 प्रतिशत ग्रोथ देने वाला है।

-संजय गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष आदर्श व्यापार मंडल

नवरात्र का पहला दिन है और केंद्र सरकार ने इस प्रथम दिन से ही उपभोक्ताओं को लाभ देने का फैसला किया। इससे आम उपभोक्ता लाभान्वित होगा। कई कैटेगरी के व्यापार के लिए अच्छा संकेत है। सरकार का आभार।

-अनुराग रस्तोगी स्टेट हेड, इब्जा

सरकार ने आमजनों के इस्तेमाल वाली चीजों से जीएसटी के स्लैब कम कर और टैक्स घटाकर राहत दी है। प्रभावी हुई इन दरों का सभी को लाभ मिलेगा। अच्छा कदम है।

-संदीप बंसल, राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल

कई चीजों में राहत दी गई है। इनमें खासतौर पर रोजमर्रा की चीजों को राहत देने का केंद्र सरकार का निर्णय सराहनीय है। कपड़ा कारोबार को अभी राहत की दरकार है। निर्णय सराहनीय है। इससे एक बड़ा वर्ग राहत महसूस करेगा।

-प्रभु जालान, महामंत्री स्वदेशी व्यापार मंडल

बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार युवक को कुचला, मौत

देवा रोड स्थित टेल्को पुल के नीचे हुआ हादसा, पिता भर्ती

संवाददाता, चिनहट

अमृत विचार : देवा रोड स्थित टेल्को पुल के नीचे रविवार को बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार पिता-पुत्र टक्कर मार दी।

इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि बाराबंकी जिले के देवा रोड स्थित माती गांव निवासी रामू कन्नौजिया, बेटे विनय कन्नौजिया (24) के साथ रविवार को बाइक से गोमतीनगर से माती गांव स्थित अपने घर जा रहे थे। जैसे ही वे टेल्को पुल के नीचे पहुंचे, तभी बेकाबू ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में विनय की मौत हो गयी, जबकि रामू बुरी तरह घायल हो गए।

नदी में डूबे व्यक्ति का शव बरामद

अमृत विचार, गोसाईंगंज : थाना क्षेत्र के शहजादेपुर गांव का रहने वाला छंगालाल उर्फ टुन्ने (45) शनिवार की दोपहर गांव के पास स्थित लोनी नदी में मछली पकड़ने गया था। देर रात तक घर वापस नही लौटा तो लोगों ने उसकी खोजबीन शुरू की लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। रविवार सुबह परिजन जब लोनी नदी के किनारे पहुंचे तो वहां छंगालाल की चप्पल, मोबाइल व गमछा रखा मिला। इंस्पेक्टर गोसाईंगंज बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि स्थानीय गोताखोरों व ग्रामीणों की मदद से सर्च ऑपरेशन चलाया। कुछ देर बाद की खोजबीन के बाद छंगालाल का शव बरामद कर लिया गया। परिजन ने पुलिस को बताया कि छंगालाल बोल नहीं पाता था और उसकी मानसिक स्थिति कुछ कम ठीक होने के साथ ही उसे मिर्गी की बीमारी भी थी।

शायरों ने आधी रात तक बांधें रखी महफिल

अमृत विचार, लखनऊ : सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था अदब कल्चर वेलफेयर सोसाइटी की ओर से उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी के प्रेक्षागृह में शायरों का आशियाना कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें श्रोताओं को बेहतरीन शायरी सुनने को मिली। मोहम्मद आरिफ की अध्यक्षता में हुए इस मुशायरे का उद्घाटन ऐशबाग ईदगाह के इमाम मौलाना खालिद रशीद फिरंगीमहली, पूर्व राज्य सभा सदस्य पीएल पुनिया, हाजी एजाज़ चांदी वाले और फुरकान कुरैशी ने शमा रौशन कर किया। इस मौके पर मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि जिस जीलानी खान की याद में प्रोग्राम का आयोजन किया गया है, वह उर्दू पत्रकारिता जगत की नामचीन हस्ती थी, उन्होंने उर्दू अदब को अहम सेवाएं दीं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शेख ताहिर सिद्दीकी, ताहिरा हसन, शहला हक, तबस्सुम किदवई, कारी इम्तियाज प्रतापगढ़ी आदि की मौजूदगी रही।

पितृ अमावस्या के अवसर पर कुड़िया घाट पर पूर्वजों को पानी देकर विदा करते लोग। अमृत विचार

भंडारे का किया आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : गोमती नगर जनकल्याण महासमिति पितृ विसर्जन दिवस पर रविवार को पितरों की शांति के लिए भंडारे का आयोजन किया। सुबह 10 बजे महासमिति के महासचिव डॉक्टर राघवेंद्र शुक्ला ने पूजन किया। इसके बाद आयोजित भंडारे में भारी संख्या में नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण किया। महासमिति के सचिव सीजी नायर एवं संजय निगम, महिला प्रभारी नंदिनी मिश्रा, मुन्ना सिंह चौहान सहित विनीत खंड 1 जनकल्याण समिति के समस्त सदस्यों सहित क्षेत्रीय जनता की उपस्थित रही।

मजदूरों के हितों से खिलवाड़ करने का लगाया आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : हिंद मजदूर सभा के मंत्री अविनाश पांडेय ने प्रदेश सरकार पर मजदूरों के हितों से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि, सरकार कारखाना अधिनियम 1948 की कई धाराओं में संशोधन कर कानून का उल्लंघन करने वाले नियोजकों को सजा देने की जगह केवल जुर्माने की व्यवस्था करना चाहती है। ये कदम उद्योगपतियों को कानून उल्लंघन की खुली छूट देने जैसा है।

ई-स्कूटी में चार्जिंग के दौरान घर में लगी आग

घर में फंसे मां-बेटे को दमकल कर्मियों ने सकुशल निकाला, दो दमकल ने एक घंटे में पाया काबू

संवाददाता, सरोजनीनगर

प्रतीकात्मक फोटो।

अमृत विचार : थाना क्षेत्र स्थित पराग चौराहे के पास शनिवार देर रात ई-स्कूटी में चार्जिंग के दौरान व्यापारी के घर में आग लग गई। लपटों के बीच व्यापारी की पत्नी और बेटा फंस गए। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने मां-बेटे को सही सलामत बाहर निकाल लिया। उसके बाद दो दमकल की मदद से करीब एक घंटे में पूरी तरह से आग पर काबू पा लिया।

एफएसओ सरोजनीनगर सुमित प्रताप सिंह ने बताया कि पराग चौराहे के पास अमित सक्सेना का दो मंजिला मकान है। अमित सक्सेना मछली के जाल का व्यापार करते हैं। शनिवार रात अमित, पत्नी ऋचा श्रीवास्तव और 13 वर्षीय बेटे अभिनव सक्सेना के साथ पहली मंजिल पर सो रहे थे। देर रात दो बजे सांस लेने में परेशानी होने पर अमित की नींद खुली तो कमरे में धुआं भरा हुआ था। वह कमरे से बाहर निकल कर नीचे आ गए तो देखा कि पोर्च में चार्जिंग में लगी स्कूटी जल रही थी। उन्होंने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटें बढ़ गई। देखते ही देखते दरवाजे तक पहुंच गई। पत्नी ऋचा और बेटा अभिनव भागकर दूसरी मंजिल पर पहुंचे और फंस गए। अमित ने शोर मचाया तो आसपास के लोग भी जुट गए। सूचना पर एफएसओ सरोजनीनगर सुमित सिंह एक दमकल के साथ मौके पर पहुंच गए। आग की विकरालता देख उन्होंने आलमबाग फायर स्टेशन से भी एक दमकल बुला ली। दमकल कर्मियों ने पानी डालकर कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। एफएसओ ने बताया कि चार्जिंग पर लगी स्कूटी में हुए शॉर्ट सर्किट से आग लगी है।

दमकल कर्मी सीढ़ी लगाकर घुसे

एफएसओ ने बताया कि आग की लपटों को कम करने के साथ ही अंदर फंसे मां-बेटे को बचाने के लिए दो टीमें बनाई गई। एफएसओ आलमबाग धर्मपाल टीम संग आग बुझाने में जुटे, जबकि मां-बेटे को बचाने के लिए सरोजनीनगर एफएसओ की टीम ने बाहर से सीढ़ी लगायी। दमकल कर्मी मनीष सिंह और सुधीर यादव सीढ़ी से दूसरे तल पर पहुंच गए। उसके बाद आग पर काबू पाने के बाद एक-एक कर दोनों को नीचे उतारा लाए।

सिटी डायरी

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक को ज्ञापन देते लोग।

अभद्र टिप्पणी के खिलाफ ज्ञापन

अमृत विचार, काकोरी : एक सप्ताह पूर्व महाराजा सुहेलदेव पासी पर एआईएमआईएम नेता शौकत अली द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी से एक वर्ग में आक्रोश फैल गया है। जिसका विरोध दर्ज कराने के लिए प्रतिदिन हजारों लोगों द्वारा अपने अपने तरीके से विरोध दर्ज कराया जा रहा है। रविवार को काकोरी मंडल अध्यक्ष विपिन गोपी राजपूत, ब्लॉक प्रमुख काकोरी प्रतिनिधि शिशिर यादव के नेतृत्व में काकोरी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतीश राठौर को ज्ञापन देने के लिए काकोरी मंडल कार्यालय दुर्गागंज चौराहे से पैदल मार्च करते हुए कोतवाली प्रभारी निरीक्षक को ज्ञापन दिया। इस मौके पर मण्डल अध्यक्ष विपिन राजपूत गोपी, कमल सैनी, सुनील कुमार रावत, सूरज कन्नौजिया, आकाश मौर्य, विद्या रावत, विकास रावत, राहुल रावत, कप्तान यादव, सुनील रावत, सरवन रावत, अरविंद यादव सहित कई लोग उपस्थित रहे।

रास्ते के निर्माण की मांग को लेकर प्रदर्शन करते ग्रामीण।

सड़क निर्माण न होने से रोष

अमृत विचार, निगोहां : क्षेत्र केके बाबूखेड़ा से बीरसिंहपुर और भंवरेश्वर को जोड़ने वाले खस्ताहाल मार्ग से परेशान ग्रामीणों ने रविवार को प्रदर्शन किया। लगभग 1500 मीटर लंबे इस मार्ग के निर्माण की आस लगाए ग्रामीण तीन दशकों से प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के वादों पर भरोसा करते-करते अब थक चुके हैं। मार्ग पर कभी खड़ंजा लगा था, लेकिन वर्षों की उपेक्षा ने उसे अब मलबे में बदल दिया। टूटी-फूटी ईंटें और बालू में तब्दील यह रास्ता ग्रामीणों के लिए मुसीबत बन गया है। स्कूली बच्चे, कॉलेज जाने वाले युवा और भंवरेश्वर महादेव मंदिर के श्रद्धालु रोजाना इस रास्ते से गुजरने में जान जोखिम में डालते हैं। आये दिन बाइक और साइकिल सवार गिरकर चोटिल हो रहे हैं।

बैठक में मौजूद पासी समाज के लोग।

समाज का संगठन बनाने का निर्णय

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि रंजीत रावत ने कहा कि पासी समाज अपने बिखराव के चलते हाशिये पर है। समाज में बुद्धजीवी वर्ग के साथ ही अच्छे नेताओं के मौजूद होने के बाद भी पासी समाज अपना नेता नही चुन सका है। रंजीत रावत रविवार को बंथरा में आयोजित पासी समाज के प्रबुद्धजनों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में गैर-राजनीतिक संगठन के गठन का निर्णय लिया गया। बैठक में ग्राम प्रधान दीनानाथ रावत, पूर्व प्रधान विशम्भ दयाल रावत, व महाराजा बिजली पासी कल्याण संगठन अध्यक्ष सुंदर लाल रावत व प्रबंधक मुकेश कुमार रावत सहित काफी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

पर्दे की परंपरा थी, लेकिन पढ़ाई पर रोक नहीं थी : रहमान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सनतकदा में आयोजित कार्यक्रम में पढ़े किताब के अंश

अमृत विचार : कैसरबाग स्थित सनतकदा में लखनऊ बायोस्कोप में की ओर से आयोजित कार्यक्रम में डॉ. कमर रहमान ने अपनी किताब उफ़क़ से अंश पढ़े। जिसमें उन्होंने एक पारंपरिक परिवार से निकलकर प्रसिद्ध वैज्ञानिक बनने तक की अपनी आत्मकथात्मक यात्रा सुनाई।

कार्यक्रम की शुरुआत संदली सिन्हा ने कमर रहमान और उनकी किताब का परिचय देकर की। डॉ. रहमान भावुक हो उठीं जब उन्होंने अपने सभी प्रियजनों को एक साथ बैठे देखा। उन्होंने अपने परिवार का ज़िक्र किया और बताया कि घर में पर्दे की परंपरा ज़रूर थी, लेकिन पढ़ाई-लिखाई पर कभी रोक नहीं लगी। उन्होंने अपनी किताब के पोस्टर के लिए मुज़फ़्फ़र अली के काम की सराहना की और फिर श्रोताओं के साथ फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ के प्रति अपने गहरे लगाव और उनकी शायरी की यादें साझा कीं। उन्होंने यह भी बताया कि क्लार्क्स अवध में उनकी मुलाक़ात फ़ैज़ साहब से हुई थी। उनके पहले अंतरराष्ट्रीय सहयोग कनाडा, अमेरिका और इंग्लैंड में हुए। मॉन्ट्रियल के दिनों को याद करते हुए उन्होंने हंसकर कहा कि यहीं उन्होंने पहली बार पिज्जा खाया था। डॉ. कमर रहमान भारत की जानी-मानी वैज्ञानिक हैं, जिन्हें नैनोपार्टिकल्स के शारीरिक प्रभाव और वायु प्रदूषण, एस्बेस्टस व अन्य हानिकारक तत्वों से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों पर अपने शोध कार्य के लिए जाना जाता है।

पेड़ से फंदा लगाकर युवक ने दी जान

अमृत विचार, मलिहाबाद: मीठे नगर निवासी रामविलास (30) ने रविवार को लल्लन के बाग में पेड़ में रस्सी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन ने बताया कि रामविलास घर से अलग रहकर इधर-उधर भटकता था और अक्सर मंदिर में ही खाता-पीता था। पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मिलीभगत | जेल गए आरोपी के पिता ने तीन गार्डों का नाम लिखकर दी तहरीर, पुलिस ने धमकाकर भगाया

गार्डों को बचा रही पुलिस, मामूली धारा में दर्ज की रिपोर्ट

संवाददाता, गोसाईंगंज

- कैमरे में कैद हुई थी घटना, फिर भी हुई एकपक्षीय कार्रवाई

अमृत विचार : प्लासियो मॉल में टॉनिक बार में बाउंसरों से उपजे के विवाद के बाद पार्किंग में महिला डॉक्टर, उनके मंगेतर और दो दोस्तों लोगों की बर्बरता से पिटाई के मामले में सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस अभी तक आरोपी बाउंसरों व गार्डों को नहीं पकड़ सकी है। पुलिस ने मामले में मामूली धारा में रिपोर्ट दर्ज कर खानापूर्ति कर ली। रविवार को डॉक्टर के मंगेतर के पिता ने तीन नामजद और करीब एक दर्जन अज्ञात पर जानलेवा हमला, छेड़छाड़ के आरोप की तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने धमकाकर भगा दिया। सवाल यह है कि घटना के दौरान पुलिस पहुंच गयी तो आरोपी बाउंसरों और गार्डों को उस समय क्यों नहीं गिरफ्तार किया। जबकि महिला डॉक्टर, मंगेतर और दो साथियों को पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई करते हुए मौके से ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

गोमतीनगर निवासी डीफार्मा छात्र हर्ष मिश्रा, सुशांत गोल्फ सिटी निवासी शराब व्यापारी प्रिंस वर्मा, खलीलाबाद निवासी रोहित पटेल और सुशांत गोल्फ सिटी निवासी महिला डॉक्टर शुक्रवार रात को स्विफ्ट कार से प्लासियो मॉल स्थित टॉनिक क्लब में आए थे। रात में बाउंसरों से विवाद के बाद हर्ष ने कई राउंड फायरिंग कर दी। फायरिंग में बाउंसर पुरुषोतम व एक अन्य को गोली लगी थी। जिसके बाद बाउंसरों और गार्डों ने उन्हें बुरी तरह से पीटा। पुलिस ने फायरिंग व बवाल करने के आरोप में हर्ष, प्रिंस, रोहित और महिला डॉक्टर को गिरफ्तार कर रिपोर्ट दर्ज की थी।

शनिवार को मॉल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज वायरल होने के बाद डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद भी मॉल के बाउंसरों और गार्डों के खिलाफ हल्की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गयी। डीसीपी का कहना है कि बाउंसरों और गार्डों की शिनाख्त सीसीटीवी कैमरों की मदद से की जा रही है। वहीं, जेल गए आरोपी प्रिंस के पिता राकेश का कहना है कि वह बाउंसरों और गार्डों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराना चाहते थे। उनका आरोप है कि पुलिस ने उन्हें शांत रहने के लिए धमकाया। उन्होंने तहरीर में तीन बाउंसर व गार्ड का नाम भी लिखकर दिया। इसके बाद भी उनकी कोई सुनवायी नहीं हुई।

अमृत विचार Follow UP

पुलिस बूथ पर रात में नदारद रहते हैं पुलिसकर्मी

प्लासियो स्थित पुलिस बूथ पर रात्रि के वक्त पुलिस नदारद रहती हैं। सूत्रों का कहना है कि टॉनिक बार में पहले भी कई बार विवाद की घटनाएं हुई हैं। स्थानीय लोगों की मानें तो रात 10 बजे के बाद पुलिस बूथ पर कोई पुलिस कर्मी नहीं रहता है।

माल क्षेत्र में स्थित सिद्ध पीठ मां बाराही देवी तीर्थ प्रांगण में जमा श्रद्धालुओं की भीड़।

बाराही देवी मंदिर पर उमड़ी भक्तों की भीड़

अमृत विचार, माल : रविवार को अटेर गांव स्थित प्रसिद्ध सिद्ध पीठ मां बाराही देवी तीर्थ प्रांगण में पितृ अमावस्या पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। तर्पण के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं ने विधि विधान से सभी पितरों को विदाई दी। बड़ी संख्या में आसपास के जिलों से आए श्रद्धालुओं ने मेले में भी उपस्थिति दर्ज कराई। हिंदू ही नहीं यहां मुस्लिम भी मत्था टेकते हैं। मंदिर प्रांगण में भागवत कथा का आयोजन भी किया जा रहा है।

अमृत विचार

लखनऊ महानगर

www.amritvichar.com

लखनऊ, सोमवार, 22 सितंबर 2025

सुविचार

आदर्श के दीपक को, पीछे रखने वाले, अपनी ही छाया के कारण, अपने पथ को, अंधकारमय बना लेते हैं। - रवीन्द्र नाथ टैगोर

लखनऊ के प्रमुख समाचार

- अपर्णा यादव के भाई पर 14 करोड़ ठगी की रिपोर्ट II
- झालरों से सजाए गए मंदिर, पधार रहीं जगदंबा भवानी III
- इकाना में भारत और आस्ट्रेलिया ए में दूसरा टेस्ट कल से IV

शहर में आज

- सेवा पखवाड़ा के तहत बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में विविध कार्यक्रम- 9 :00 बजे।
- भौतिक विज्ञान विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय में वैज्ञानिक उपकरणों पर परिचर्चा- 10 :00 बजे।

उल्लेखनीय कार्य करने वालों का हमेशा होता सम्मान : ब्रजेश पाठक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

यूपी रत्न उद्यमी अवार्ड्स

- पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने कार्यक्रम के आयोजकों को दी बधाई

अमृत विचार : हैशटैग लखनऊ की ओर से विश्वेश्वरैया प्रेक्षागृह में रविवार की शाम यूपी रत्न उद्यमी अवार्ड्स -2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर औद्योगिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले उद्यमियों का सम्मानित किया गया। इस अवार्ड समारोह को हिन्दी दैनिक अमृत विचार ने प्रायोजित किया था।

समारोह में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए यूपी के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि स्टार्टअप के लोगों को एकत्र कर उन्हें सम्मानित करने की पहल बहुत अच्छी है। समाज के किसी भी क्षेत्र में कोई अच्छा काम करता है तो सरकार उसकी मदद करती है। हमारी सरकार अंतरिक्ष से लेकर खेत-खलिहान तक कार्य कर रही है। इस अवसर पर ब्रजेश पाठक ने कैप्टन प्रदीप सिंह (दुबई), नरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, डॉ. शमशाद हुसैन, चिंतेश निगाम, मनोज शर्मा, डॉ. सुजॉय मुखर्जी, प्रो. यशपाल सिंह, आमिर के मलिक और शिवी शर्मा को उनके विशिष्ट योगदान के लिए यूपी रत्न उद्यमी अवार्ड्स – 2025 से सम्मानित किया।

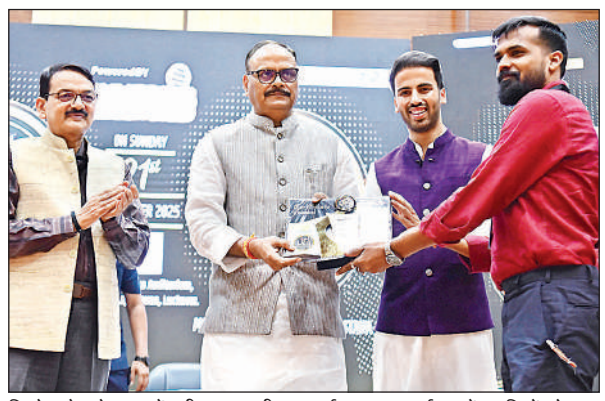

विश्वेश्वरैया प्रेक्षागृह में यूपी रत्न उद्यमी अवार्ड्स – 2025 कार्यक्रम में उद्यमियों को सम्मानित करते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र। अमृत विचार

हिमाचल व राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने इस मौके पर कहा कि हैशटैग लखनऊ आईएएस, आईपीएस, आईआरएस अधिकारियों और सफल उद्यमियों को बुलाकर टॉक शो का आयोजन करता है। इसके लिए आयोजक बधाई के पात्र हैं। उन्होंने मनोज शर्मा, जितेश निगम, चेतन शुक्ला, चैतन्य वेलफेयर फाउंडेशन की ओम कुमारी, एसआर ग्रुप के कौशल चंद्र और जय अम्बे एसोसिएट्स के अजय त्रिपाठी के अलावा मोहन सिंह बिष्ट, युवराज सिंह परिहार, प्रियंका, दीक्षा वर्मा, राजकुमार राघव और मोहम्मद इलियास को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। पार्थ फाउंडेशन के संस्थापक पार्थ गौतम ने बताया कि पिछले एक साल में उन्होंने अपने अस्पताल में 10 हजार लोगों का निशुल्क इलाज कराया। एक हजार बच्चों का स्कूल में एडमिशन कराया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अमृत विचार के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अखंड प्रताप सिंह, महाप्रबंधक त्रिनाथ शुक्ला और चीफ सर्कुलेशन ऑफिसर विनोद सिंह, हैशटैग लखनऊ के प्रमुख शुमाइल आदिल आदि मौजूद रहे।

कई इलाकों में आज होगी बिजली कटौती

अमृत विचार, लखनऊ: अनुरक्षण कार्य के चलते सोमवार को मोहान रोड स्थित डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय और इसके आसपास की बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। अधिशासी अभियंता विशाल वर्मा ने बताया कि पारा, आवास विकास, ज्ञानेंद्र बिहार, मायापुरम, कुंदन विहार, राजनगर, जेबी गार्डन के साथ पांच बंदर मंदिर क्षेत्र के रामविहार कॉलोनी, शांति शिक्षा निकेतन, तिकोनिया, डिप्टी खेड़ा, अर्जनविहार, शुक्ला विहार, रजानगर सहित आसपास सुबह 11 से दोपहर एक बजे तक बिजली नहीं रहेगी। अहिबरनपुर उपकेंद्र से जुड़े कदम रसूल और बादशाह जी बाग इलाकों में आंशिक कटौती रहेगी।

सिटी ब्रीफ

हुल्लाडेक को सौंपा इलेक्ट्रॉनिक कचरा

अमृत विचार, लखनऊ : इनरव्हील क्लब ऑफ़ लखनऊ बारादरी का वातावरण की शुद्धता को लेकर प्रतिबद्धता का कदम उठाया। क्लब के सदस्यों ने मिलकर 636 केजी इलेक्ट्रॉनिक कचरा (वेस्ट) इकट्ठा करके इस दिशा में कार्यरत कंपनी हुल्लाडेक को सौंप दिया। यह कम्पनी इसका निष्पादन वातावरण की सुरक्षा के अनुसार करेंगे। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष हेमा गुप्ता, वंदना श्रीवास्तव और रेणु अग्रवाल की मौजूदगी रही।

इलाज से पहले मरीजों का दर्ज होगा आधार नंबर

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी में खुले हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में तैनात डॉक्टर फर्जी तरीके से मरीजों की संख्या नहीं बढ़ा पाएंगे। केंद्र पर आने वाले मरीजों का आधार कार्ड व मोबाइल नंबर भी रिकार्ड में दर्ज होगा। ऐसी स्थिति में जांच दौरान ओपीडी का ग्राफ आसानी से पता चलेगा। हालांकि अभी यह व्यवस्था कुछ केंद्रों पर लागू हुई है। अधिकारियों का कहना है सभी केंद्रों पर यह व्यवस्था जल्द शुरू होगी।सीएमओ डॉ. एनबी सिंह का कहना है अभी कुछ केंद्र पर इंटरनेट की व्यवस्था न होने से पुरानी व्यवस्था चल रही है जल्द ही सभी जगह नई व्यवस्था लागू हो जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय संगीत सम्मेलन सम्पन्न

अमृत विचार, लखनऊ : भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय में चल रहा तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगीत सम्मेलन सम्पन्न हो गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. सृष्टि धवन ने सभी शोधार्थियों को प्रमाण पत्र दिए।उत्कृष्ट शोध पत्रों के लिए नाद नर्तन एक्सीलेंट रिसर्च पेपर अवॉर्ड 2024 से चांदनी सक्सेना, मोनिका सोईबम चानू, डॉ. हिना फातिमा, प्रियंका दीक्षित, विशाल लौट, अंजलि गिरधर, गंगा प्रिय, शोभिता देवी, जेसीआर कुमारा और डॉ. राकेश सिंह को सम्मानित किया गया।नाद नर्तन की ओर से यंगेस्ट रिसर्चर अवॉर्ड 2024 रितु एन राज को मिला। आउटस्टैंडिंग म्यूजिक हिस्ट्री पेपर अवॉर्ड 2024 डॉ. स्कंद मंजुल और डॉ. चित्र शंकर को प्रदान किया गया।

दीपिका चर्तुवेदी की पुस्तक का विमोचन

अमृत विचार, लखनऊ : लेखिका दीपिका चतुर्वेदी की चर्चित पुस्तक अलॉन्ग द बैंक्स ऑफ रिवर गोमती पर विशेष चर्चा का आयोजन ला मार्टिनियर कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहीं डा. मनुका खन्ना, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय और सर गैरी डॉमिनिक एवरट, प्रिंसिपल, ला मार्टिनियर कॉलेज, उनके साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित रहे डा. अखिलेश मिश्रा, अतिरिक्त चुनाव आयुक्त और पुलकित खरे, प्रबंध निदेशक, यूपी स्किल डेवलपमेंट मिशन। दोनों वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए गोमती नदी के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला।

बिछड़े व्यक्ति को पुलिस ने परिवार से मिलाया

अमृत विचार, मलिहाबाद : रहीमाबाद पुलिस ने परिवार से बिछड़े व्यक्ति को दोबारा मिला दिया। इंस्पेक्टर रहीमाबाद आनंद कुमार द्विवेदी ने बताया कि शनिवार रात को क्षेत्र के भदौरिया खेड़ा गांव में एक व्यक्ति को ग्रामीणों ने ट्रैक्टर के पास छुपा देखा। चोर समझकर पकड़ा। पीटने जा रहे थे, तभी कुछ संभ्रांत व्यक्तियों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। ग्रामीणों को शांत कराकर पुलिस संदिग्ध को थाने लेकर पहुंची। पूछताछ में उसने अपना नाम जयप्रकाश निवासी मंडरा मुकुंदपुर थाना मेजा जनपद प्रयागराज बताया। पुलिस ने प्रयागराज पुलिस से संपर्क कर परिजन को सूचना दी। रविवार को जयप्रकाश के परिजन रहीमाबाद थाने पहुंचे। बताया कि बीते 7 सितंबर को जयप्रकाश घर से निकले थे और वह वापस नहीं लौटे। परिजन ने बताया कि जयप्रकाश मंदबुद्धि हैं। परिजन ने रहीमाबाद पुलिस का शुक्रिया अदा किया।

सौमित्र विहार में किसानों को मिलेंगे 1200 प्लॉट

आज अवध शिल्पग्राम में लॉटरी से किया जाएगा आवंटन

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- रेरा में रजिस्ट्रेशन के बाद बचे भूखंडों का खुलेगा पंजीकरण
- किसानों को आवास विकास 25 प्रतिशत विकसित भूखंड दे रहा

अमृत विचार : आवास विकास की मोहनलालगंज स्थित नई जेल रोड के पास लैंड पूलिंग पर शुरू हुई सौमित्र विहार योजना में अपनी जमीन देने वाले किसानों को सोमवार को 1200 भूखंड लॉटरी से आवंटित किये जाएंगे। इसके लिए अवध विहार योजना के अवध शिल्प ग्राम में दो दिवसीय शिविर का आयोजन 22 सितंबर को किया जाएगा।

आवास विकास योजना में अपनी जमीन देने वाले किसानों को 25 प्रतिशत विकसित भूखंड दे रहा है। इसके बाद परिषद भूमि का अपने नाम पर नामांतरण कराएगा और किसानों की रजिस्ट्री कराएगा। रेरा में रजिस्ट्रेशन के बाद आम जनता के लिए बचे हुए भूखंडों के लिए पंजीकरण खोलेगा। उप आवास आयुक्त चंदन पटेल ने बताया कि किसानों को 25 प्रतिशत विकसित भूखंड आवंटित किए जाएंगे। इसके बाद आवास विकास जमीन का नामांतरण अपने पक्ष में कराके तुरंत रजिस्ट्री करेगा। रेरा में पंजीकरण कराके आम जनता के लिए बचे भूखंडों का पंजीकरण खोलेंगे। तीन वर्षों में विकास कार्य कराके कब्जा दे दिया जाएगा। योजना के ले-आउट में 6 अलग-अलग साइज के कुल 2100 भूखंड नियोजित किये गए हैं। इनमें 40 वर्गमीटर, 60, 75, 122, 200 और 300 वर्गमीटर के भूखंड शामिल हैं। किसानों को आवंटित करने के बाद शेष भूखंडों के लिए परिषद पंजीकरण खोलेगा। परिषद ने योजना में ग्रुप हाउसिंग, कॉमर्शियल, स्कूल, अस्पताल आदि भूखंड नियोजित किए हैं।

300 काश्तकारों ने दी है जमीन

- 265 एकड़ की सौमित्र विहार योजना के लिए सिठौली खुर्द, सिठौली कला और मोहारीकला गांव के लगभग 300 काश्तकारों ने लैंड पूलिंग पर अपनी जमीन आवास विकास को दी है। आवास विकास ने यहां विकास कार्य शुरू कर दिया है। सड़क, सीवर आदि निर्माण कार्य चल रहा है। जल्द ही विद्युत आपूर्ति का काम शुरू किया जाएगा।

केरल समाज के लोगों ने रविवार को ओणम के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस दौरान पारंपरिक वेषभूषा में नृत्य करतीं बालिकाएं। अमृत विचार

चित्रकला प्रतियोगिता में आरना व पल्लवी प्रथम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: अग्रवाल सभा की ओर से तीन दिवसीय महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह के दूसरे दिन रविवार को चित्रकला प्रतियोगिता एवं अग्रसेन प्रीमियर लीग टी 20 क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया।

जयंती पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल, जानकीपुरम में रिपन कंसल, डिस्ट्रीब्यूटर कामधेनु सरिया के सौजन्य से किया गया। प्रतियोगिता तीन श्रेणियों एवं अलग-अलग विषयों पर कराई गई। ग्रुप ए 5 से 8 वर्ष के लिए मैं अपने शहर को कैसे साफ रख सकता हूं, ग्रुप बी 9 से 14 वर्ष के लिए स्वस्थ जीवन (अच्छी आदतें) और ग्रुप सी 15 से 18 वर्ष के बच्चों के लिए ऑपरेशन सिंदूर विषय वस्तु पर बच्चों ने शहर स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता, स्वस्थ जीवन एवं देशप्रेम के भाव को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया। ग्रुप ए में आरना अग्रवाल को प्रथम, यशिका दीक्षित को द्वितीय, निकेश सिंघल को तृतीय, ग्रुप बी में पल्लवी कश्यप को प्रथम, इशिता सिंह को द्वितीय, पर्णिका स्वर्णकार को तृतीय तथा ग्रुप सी में अर्पिता गुप्ता को प्रथम, ज़ेबा खातून को द्वितीय, अंशिका पाल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। अग्रसेन प्रीमियर लीग के तहत टी-20 दोस्ताना क्रिकेट मैच गोमतीनगर स्थित सेज क्रिकेट अकादमी में अग्रवाल शिक्षा संस्थान बनाम अग्रवाल सभा के बीच मैच खेला गया।

लखनऊ होकर चलेगी पूजा स्पेशल ट्रेन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

जोधपुर-मऊ साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी

- ट्रेन संख्या 04823 जोधपुर-मऊ साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का 28 सितम्बर से 30 नवम्बर के बीच संचालन किया जायेगा। यह ट्रेन प्रत्येक रविवार को जोधपुर से शाम 5 :30 बजे प्रस्थान कर पीपाड़ रोड होते हुये हाथरस सिटी और वहां से कासगंज के रास्ते कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी, यहां से 12 .00 बजे चलकर लखनऊ,अयोध्या धाम जं. होते हुये मऊ पहुंचेगी। वहीं मऊ-जोधपुर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 30 सितम्बर से शुरू होगी। प्रत्येक मंगलवार को मऊ से 4 .00 बजे यह ट्रेन प्रस्थान करेगी। अयोध्या धाम जं. लखनऊ होते हुये जोधपुर पहुंचेगी इस गाड़ी में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 2, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 4, शयनयान श्रेणी के 8, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 4 और एस.एल.आर./डी. के 2 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जाएंगे।

अमृत विचार : रेल प्रशासन ने दशहरा, दीपावली और छठ पूजा पर यात्रियों के लिए पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। जोधपुर-गोरखपुर-जोधपुर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी की शुरूआत दो अक्टूबर से होगी। 27 नवंबर तक इस ट्रेन का संचालन किया जायेगा। इसके अलावा जोधपुर और मऊ के बीच भी एक स्पेशल ट्रेन चलाई जायेगी।

-गाड़ी संख्या 04829 जोधपुर-गोरखपुर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 2 अक्टूबर को जोधपुर से शाम 4 : 15 पर प्रस्थान कर मेड़ता रोड, डेगाना, छोटी खाटू, डीडवाना होते हुए दूसरे दिन, लोहारु में रात 12.30 के करीब पहुंचेगी, वहां से महेन्द्रगढ़, गुड़गांव,दिल्ली, मुरादाबाद, लखनऊ होते हुए अयोध्या धाम जं. पहुंचेगी। वहां से मनकापुर, बस्ती होकर रात 8 बजकर 50 मिनट पर गोरखपुर पहुंचेगी। वहीं गाड़ी संख्या 04830 गोरखपुर-जोधपुर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी की 3 अक्टूबर से शुरू होगी। प्रत्येक शुक्रवार को गोरखपुर से रात 11:25 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन खलीलाबाद,बस्ती, अयोध्या धाम जं. होते हुए लखनऊ पहुंचेगी। यहां से बरेली, मुरादाबाद, दिल्ली, गुड़गांव होते हुए छोटी खाटू और वहां से तीसरे शाम चार बजे जोधपुर पहुंचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 2, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 4, शयनयान श्रेणी के 8, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 2 और एस.एल.आर./डी. के 2 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाए जाएंगे।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर हुई प्रतियोगिता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- देश के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल साइंसेज़ द्वारा विश्व फार्मासिस्ट दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर फार्माथॉन का का राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन क्विज़ प्रतियोगिता के प्रथम चरण का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, जम्मू और कश्मीर आदि से कुल 833 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और प्रथम चरण में भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में फार्मास्यूटिकल शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में ज्ञान विस्तार, नवाचार और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को प्रोत्साहित करना रहा। संस्थान के निदेशक प्रो. पुष्पेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को ज्ञान व कौशल की कसौटी पर परखती हैं। उन्हें उच्चस्तरीय शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा हेतु तैयार करती हैं। प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. प्रणति श्रीवास्तव और किरण सिंह एवं संचालन में डॉ. लुबना आजमी, डॉ. प्रनेश कुमार के साथ-साथ विभाग के सभी शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा। प्रतियोगिता का फ़ाइनल चरण (ऑनलाइन) 22 सितंबर होगा। पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह 25 को होगा।

दौड़ मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में युवाओं को जागरूक करने के लिए हुआ आयोजन

नमो मैराथन में पंकज और उजाला बने विजेता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत रविवार को राजधानी में कालिदास मार्ग से1090 चौराहे तक नमो मैराथन का आयोजन किया गया। इसमें फिट इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और नशा मुक्त भारत जैसे राष्ट्रीय अभियानों से युवाओं को जोड़ने के लिए आयोजित इस मैराथन में पंकज और उजाला विजेता बने।

खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने बालक और बालिका वर्ग से तीन-तीन विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।इसके पहले कालिदास मार्ग पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, राज्यसभा सांसद महेंद्र सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज सिंह, मानवेन्द्र प्रताप सिंह, खेल निदेशक डॉ. आरपी सिंह मौजूद रहे।

पुरस्कारों के साथ मैराथन में विजेता युवक-युवतियां, साथ में अतिथि और आयोजक। अमृत विचार

ट्रामा सेंटर में रेजिडेंट डॉक्टरों की दबंगई, नर्सिंग ऑफिसर को पीटा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सीएमएस की अगुवाई में जांच कमेटी गठित

अमृत विचार : किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के ट्रॉमा सेंटर में जूनियर रेजिडेंटों ने मामूली बात पर नर्सिंग ऑफिसर शुभम को पीट दिया। यह घटना ऑर्थो ओटी में हुई, पिटाई से नर्सिंग ऑफिसर गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

हालांकि मौके पर पहुंचे केजीएमयू के अधिकारियों ने हंगामा कर रहे नर्सिंग अधिकारियों को शांत कराया और मामले की जांच शुरू की। ट्रॉमा सेंटर की ऑर्थो ओटी में नर्सिंग ऑफिसर शुभम शनिवार रात ड्यूटी कर रहा था। शुभम का आरोप है कि ओटी में शराब के नशे में मेडिकल स्टूडेंट्स (जेआर वन और टू) ड्यूटी पर थे। मामूली बात पर जूनियर रेजिडेंटों ने अभद्रता शुरू कर दी। शुभम ने विरोध जताया तो लात घूसों से उसकी पिटायी की। इतना ही नहीं जानलेवा हमला करते हुए शुभम को जख्मी कर दिया। नर्सिंग अधिकारी की चीख पुकार सुनकर ओटी में तैनात दूसरे कर्मचारी इकट्ठा हो गए। किसी तरह से उन्होंने शुभम को बचाया।

देर रात ही शुभम का मेडिकल कराया गया। शुभम की ओर से जूनियर रेजिडेंटों के खिलाफ केजीएमयू परिसर में बनी पुलिस चौकी में तहरीर दी गई है। उधर, नर्सिंग ऑफिसर की पिटाई की बात सुनकर दूसरे साथी रविवार सुबह इमजरेंसी कॉम्प्लेक्स और ट्रॉमा सेंटर प्रशासनिक कार्यालय पहुंचे। हंगामा करते हुए कामकाज ठप करने की चेतावनी दी। यह बात सुनकर तुरंत ही केजीएमयू के सीएमएस, पीआरओ मौके पर पहुंचे। नर्सिंग ऑफिसरों को कार्रवाई का भरोसा देकर शांत कराया। सभी ड्यूटी पर वापस चले गए। शुभम के मुताबिक ओटी में ही कुछ काम को लेकर जूनियर रेजिडेंटों से उसकी तीखी बहस हो गई थी। इसी बात से रेजिडेंट नाराज थे। शनिवार देर रात शुभम को अकेला पाकर नशे में धुत जूनियर रेजिडेंटों ने मिलकर उसकी पिटाई कर दी। केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि ट्रॉमा की ऑर्थो ओटी में जूनियर रेजिडेंटों द्वारा नर्सिंग ऑफिसर को पीटने का मामला सामने आया है। मैंने, सीएमएस ने मौके पर पहुंचकर नर्सिंग ऑफिसरों को कामकाज ठप करने से रोका। कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

सिटी ब्रीफ

मेडिकल स्टोर संचालक को पीटा

अमृत विचार, सरोजनीनगर : थाना क्षेत्र के एक मेडिकल स्टोर संचालक ने अपने भाई व उसके साथियों पर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आजाद नगर निवासी धीरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि शनिवार दोपहर भाई आनंद यादव ने तीन अन्य साथियों के साथ दुकान में घुसकर उसे घसीटकर बाहर निकाला। उसके बाद रॉड से पीटा और गला दबाकर मारने का पैर प्रयास किया। आसपास के लोग दौड़े तो आरोपी भाग निकले। यही नहीं आरोपियों ने घर पहुंचकर पत्नी और बच्चों को भी गालियां देते हुए यहां से जाने की धमकी दी।

कर्ज के दबाव में ओला चालक ने की आत्महत्या

अमृत विचार, आलमबाग : कृष्णानगर में ओला चालक ने कर्ज के दबाव में कमरे में दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने कमरे में छानबीन की लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। मूल रूप से शाहपुर नऊ थाना लोनार हरदोई निवासी मनोज सिंह (40) पत्नी रेनू तिवारी, तीन बेटियों और एक बेटा संग सावित्री एनक्लेव नारायण पुरी में किराए पर रहकर खुद की स्विफ्ट डिजायर ओला कैब में चलाता था। शनिवार को मनोज ने फंदा लगा लिया। पुलिस ने लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पत्नी ने बताया कि मनोज शराब और जुए का आदी था। जिसके चलते वह अत्यधिक कर्ज में डूब चुका था।

एटीएम मशीन में जैमर लगा जालसाज ने उड़ाई रकम

अमृत विचार, लखनऊ : प्रयागराज निवासी सरिता मिश्रा बाजारखाला वॉटर वर्क शॉप रोड पर स्थित यूको बैंक की शाखा में वरिष्ठ प्रबंधक हैं। उन्होंने बताया कि ग्राहकों ने एटीएम मशीन से रुपये न निकलने की शिकायत की थी। जांच में पता चला कि जालसाज ने 13 सितंबर को एटीएम मशीन में जैमर लगाया था। जैमर की वजह से ग्राहकों के रुपये मशीन से नहीं निकल रहे थे, जबकि स्क्रीन पर ट्रांजेक्शन पूरा दिख रहा था। ग्राहक के बैंक अकाउंट से रुपये भी कट रहे थे। उन्होंने बताया कि जालसाज ने 14 सितंबर को मशीन से जैमर निकाला। 24 घंटे के एटीएम मशीन में जैमर लगा रहा। इस दौरान मशीन ने रुपये तो निकाले, लेकिन वह जैमर में जाकर फंस गए। जैमर और रुपये लेकर जालसाज भाग निकला है। सीसीटीवी फुटेज में पुष्टि हुई है। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि फुटेज की मदद से आरोपी की तलाश की जा रही है।

एंबुलेंस सेवा देने वाली कंपनी ने हड़पे 1.15 करोड़

अमृत विचार, लखनऊ : स्वास्थ्य के लिए आपातकालीन सेवा प्रदान करने वाली जीवीके ईएमआरआई कंपनी पर करीब 1.15 करोड़ हड़पने का आरोप है। आरोप है कि कंपनी ने ट्रेवेल्स से 25 गाड़ियां एग्रीमेंट कर ली, लेकिन भुगतान नहीं किया। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह के आदेश पर चिनहट पुलिस ने कंपनी के सीईओ, डॉयरेक्टर समेत तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। कमता के शंकरपुरी कॉलोनी निवासी विजय कुमार मिश्रा की तहरीर पर चिनहट पुलिस ने टीवीएसके रेड्डी, कृष्णम राजू और कमल कानन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अपर्णा यादव के भाई पर 14 करोड़ ठगी की रिपोर्ट

पीड़ित बिल्डर का आरोप, जाली दस्तावेज बनाकर दूसरे की जमीन बेची, कोर्ट के आदेश पर गोमतीनगर में एफआईआर दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष और बीजेपी नेता अपर्णा यादव का मां अंबी बिष्ट के बाद उनके भाई के खिलाफ जाली दस्तावेज के आधार पर धोखाधड़ी और धमकी की रिपोर्ट दर्ज की गई है। गोमतीनगर स्थित रियल एस्टेट कंपनी निदेशक का आरोप है कि अपर्णा के भाई ने फर्जीवाड़ा कर दूसरे की जमीन उन्हें रजिस्ट्री कर 14 करोड़ रुपये ऐंठ लिए। रुपये वापस मांगने पर आरोपी ने धमकाया। इंस्पेक्टर गोमतीनगर बृजेश चंद्र तिवारी ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

विकासखंड-5 निवासी ठाकुर सिंह मनराल मरर्चन्टास इंफ्राहाइट्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक हैं। उनकी कंपनी प्लॉट खरीदकर मकान निर्माण कर बेचने का काम करती है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 में गुलिस्ता कॉलोनी में चंद्रशेखर सिंह बिष्ट उर्फ अमन से मुलाकात हुई। उन्होंने खुद को विजयखंड स्थित मोनाल इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक बताया। वहां चंद्रशेखर की मां अंबी बिष्ट भी मौजूद थी। चंद्रशेखर ने बताया कि वह ग्राम सरसवां व अहिमामऊ में अपनी 22 बीघा जमीन बेचना चाहते हैं। सौदा 14 करोड़ रुपये में तय होने पर चंद्रशेखर ने कहा कि रुपये का लेनदेन हिमांशु राय करेंगे।

इसके बाद 13,450 वर्गफीट की रजिस्ट्री की, जबकि जमीन 26,900 वर्गफीट थी। विरोध करने पर गलती मान दो खसरा भूल जाने की बात कहते हुए रजिस्ट्री करने का आश्वासन दिया। ठाकुर सिंह ने जमीन के एवज में कई बार में नकद व चेक से 14 करोड़ रुपये कंपनी के खाते में दिए। इसके बाद भी आरोपियों ने और जमीन की रजिस्ट्री नहीं की। बात में फर्जी दस्तावेज से दूसरे की जमीन की रजिस्ट्री करने की जानकारी हुई। उन्होंने रुपये वापस मांगे तो धमकाया गया। उन्होंने मामले की जानकारी चंद्रशेखर के पिता अरविंद सिंह, मां अंबी और बहन अपर्णा यादव से की। थाने व अधिकारियों के पास गुहार लगाई, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। कोर्ट के आदेश पर गोमतीनगर पुलिस ने चंद्रशेखर सिंह बिष्ट उर्फ अमन और हिमांशु राय के खिलाफ जाली दस्तावेज के आधार पर धोखाधड़ी, धमकी समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

दूसरे के प्लॉट को अपना बता दंपति ने की रजिस्ट्री

- **अमृत विचार, लखनऊ :** कानपुर निवासी बुजुर्ग अवधेश कुमार आशीष कुमार के मुख्तारेआम हैं। अवधेश और उनका बेटा वर्ष 2020 में प्लॉट के सिलसिले में चिनहट के गंगा विहार कॉलोनी निवासी नेहा गुप्ता और उनके पति अंकित से मिले। नेहा के विकल्प खंड-2 स्थित प्लॉट का 53.36 लाख में सौदा होने पर नकद व चुक से भुगतान किया। नवंबर 2020 में उपनिबंधक कार्यालय में विक्रय विलेख पंजीकृत होने के बाद पीड़ित प्लॉट पर जाने पर स्थानीय लोगों ने धोखाधड़ी की जानकारी दी। छानबीन में जाली दस्तावेज से रजिस्ट्री की बात सामने आई। रुपये वापस मांगने पर जान की धमकी दी। कोर्ट के आदेश पर चिनहट पुलिस ने नेहा गुप्ता व अमित के खिलाफ जाली दस्तावेज के आधार पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

प्लॉट के नाम पर हड़पे 16.60 लाख रुपये

- **अमृत विचार, लखनऊ :** गोमतीनगर विस्तार सेक्टर-5 निवासी बुजुर्ग गुरु प्रताप निगम ने वर्ष 2013 में विवेकखंड स्थित स्काईवे इंफ्रा हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक राजेश पांडेय से मिले। कंपनी की गोमतीनगर स्टेट योजना में पत्नी मधु निगम के नाम पर प्लॉट बुक कराकर 6,12,064 रुपये जमा किए। राजेश की राज इंफ्रा हाउसिंग कंपनी के माध्यम से गोमतीनगर व अयोध्या रोड की योजना में तीन प्लॉट बुक कर 10,48,500 रुपये दिए थे। 12 वर्ष तक रजिस्ट्री न करने पर डीसीपी पूर्वी से शिकायत की। शुरुआती जांच में आरोप सही मिलने पर गोमतीनगर पुलिस ने निदेशक राजेश पांडेय, कर्मचारी संजीदा व अन्य अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर बृजेश चंद्र तिवारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

मुनीम ने रिश्तेदार के घर 5 लाख छिपाकर दी लूट की सूचना

अमृत विचार, लखनऊ : बैंक का लोन चुकाने के लिए गल्ला व्यापारी के मुनीम ने लूटकांड की साजिश रची। कलेक्शन के पांच लाख रुपये रिश्तेदार के घर पर छिपाकर डॉयल-112 पर पत्थर से हमला कर लूट की सूचना दी। पीड़ित के चोट नहीं होने पर पुलिस ने आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाले तो मुनीम खुद ही स्कूटी सड़क पर गिराते दिखा। सख्ती पर आरोपी ने गुनाह कबूल कर लिया। रिश्तेदार के घर से नाका पुलिस ने रुपये बरामद और मुनीम को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी इटौंजा के तुर्की निवासी शशि भूषण तिवारी है।

मिशन शक्ति-5 के तहत निकाली गई बाइक रैली में शामिल महिला पुलिसकर्मी। अमृत विचार

मिशन शक्ति-5 का बिगुल फूंका

- **अमृत विचार, लखनऊ :** नवरात्र पर शुरू हो रहे मिशन शक्ति-5 का बिगुल फूंकते हुए पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर ने रविवार को जागरूकता रैली को हरी झंडी देकर रवाना किया। रैली में 294 स्कूटी के अलावा कार और बाइक से महिला पुलिस कर्मी छात्राओं, महिलाओं और किशोरियों को उनके अधिकारों और सुरक्षा की जानकारी देने के निकल पड़ी।

शहर में 294 पुलिस बीट

- कार्यक्रम का आयोजन 1090 चौराहे पर किया गया। पुलिस आयुक्त ने कहा कि शहर के हर थाने में मिशन शक्ति केंद्र हैं। इसके अलावा 99 पिंक बूथ हैं। यहां महिला अपराध के संबंध में कार्रवाई की जाती है। पीड़ित महिला बेहिचक जाकर शिकायत कर सकती है। पीड़ित महिला की काउंसिलिंग कराई जाती है। इसके अलावा पूरे शहर में 294 पुलिस बीट बनाई गई हैं। बीट पर दो महिला सिपाहियों को लगाया गया है।

महिलाओं को करेंगे जागरूक

- महिला सिपाही अपने क्षेत्र में पड़ने वाले स्कूलों, निजी कार्यालय, सरकारी संस्थानों, गांव और अन्य स्थलों पर जाकर महिलाओं व बच्चों को उनके अधिकार के बारे में बताएंगी। जिलाधिकारी विशाख जी ने सोमवार से ब्रहद स्तर पर शहर भर में शुरू हो रहे मिशन शक्ति अभियान के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था बबलू कुमार समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

इंस्पेक्टर अरुण त्रिगुणायत को रहीमाबाद का प्रभार

अमृत विचार, लखनऊ : पुलिस आयुक्त ने रविवार को हसनगंज, रहीमाबाद व मदेयगंज के निरीक्षकों को हटा दिया है। जबकि तीन इंस्पेक्टर और एक दरोगा को थाने की जिम्मेदारी दी है।

पुलिस आयुक्त अमरेंद्र सिंह सेंगर ने गाजीपुर थाने की जिम्मेदारी संभाल रहे प्रमोटी एसीपी विकास राय को एसीपी यातायात बनाया है। इसके अलावा विभूतिखंड थाने के अतिरिक्त निरीक्षक अरुण कुमार त्रिगुणायत को इंस्पेक्टर रहीमाबाद, पुलिस लाइन में तैनात निरीक्षक राजेश मौर्या को इंस्पेक्टर गाजीपुर, चितवन कुमार को इंस्पेक्टर हसनगंज, पुलिस आयुक्त के वाचक उपनिरीक्षक अंजनी सिंह को एसओ मदेयगंज बनाया गया है।

- हसनगंज व मदेयगंज के पुलिस इंस्पेक्टर भी हटाए गए

वहीं, इंस्पेक्टर रहीमाबाद आनंद द्विवेदी को साउथ जोन और इंस्पेक्टर मदेयगंज राजेश सिंह को पश्चिम जोन भेजा गया है।

छात्र ने 100 की स्पीड से दौड़ाई थी कैंट में थार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- हादसे में जान गंवाने वाले दोनों दोस्तों के गांव पहुंचे शव, पसरा मातम
- कैंट में थार की टक्कर से ई-ऑटो सवार दो युवकों की मौत और छह घायल का मामला

अमृत विचार : कैंट में बनिया मोहाल चौराहे के पास शनिवार देर शाम थार की टक्कर से ई-ऑटो के चालक उमेश व उसके दोस्त मोहित की मौत के शव रविवार को पोस्टमार्टम के बाद घर निगोहां पहुंचे तो चींखपुकार मच गई।

दोनों के ही परिवार पर ग्रामीणों व रिश्तेदारों की भीड़ जमा थी। परिजन की हालत बिगड़ती देख शवों को घर पर देर तक नहीं रोका गया। गांव में ही दोनों का अंतिम संस्कार कर दिया गया। वहीं, रफ्तार का कहर बरसाने वाले थार चालक को कैंट पुलिस ने गिरफ्तार कर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

एसीपी कैंट अभय प्रताप मल्ल ने बताया कि निगोहां शेरपुर लवल गांव निवासी उमेश साहू (23), कुर्मिन खेड़ा निवासी मोहित (24), करनपुर गांव के एक ही परिवार के चचेरे भाई भूपेंद्र यादव, अंश यादव, आयुष, करनपुर के सुमित, विशुनपुर के प्रमोद यादव और सलेमपुर गांव के अनुज उर्फ मुन्ना यादव ई-ऑटो से झूलेलाल पार्क स्थित खाटू श्याम मंदिर में दर्शन कर लौट रहे थे।

करीब साढ़े सात बजे बनिया मोहाल के पास थार ने ऑटो सवार सभी को उड़ा दिया था। हादसे में उमेश व मोहित की मौत हो गयी थी, अन्य छह घायल हो गए थे। एसीपी ने बताया कि हादसे में कैंट पुलिस ने रायबरेली निवासी महावीर प्रसाद की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की।

घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों और थार के नंबर को ट्रेस कर पता चला कि पीजीआई निवासी अक्षय प्रताप गाड़ी चला रहा था। इस जानकारी के बाद पुलिस ने अक्षय प्रताप को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मर्चेंट नेवी की तैयारी कर रहा है। उसके पिता जय प्रताप एक निजी फाइनेंस कंपनी में अधिकारी हैं।

अमृत विचार Follow UP

पिता की मौत के बाद उमेश ने संभाली थी घर की जिम्मेदारी

- पिता जगदीश की पांच वर्ष पूर्व बीमारी से मौत के बाद उमेश ने पूरे घर की जिम्मेदारी संभाल ली थी। ई-ऑटो चलाकर घर का खर्च उठाता था। चार बहने नीलू, शिवानी, नीलम व शीलम हैं। सभी का विवाह हो चुका है। उमेश ने दो बहनों की शादी की थी। परिवार में उमेश की पत्नी कीर्ति, बेटा स्वास्तिक, बेटी गौरी, मां श्यामावती और भाई अनुज साहू हैं। बड़े भाई अनुज की की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। वह अधिकतर मुंबई में रहते हैं। उमेश ने महज पांच महीने पहले ही ई-ऑटो किस्तों में खरीदा था।

पति का शव देख बेहोश हुई गर्भवती पत्नी

- हादसे में जान गंवाने वाले मोहित राजपूत की शादी 28 फरवरी 2025 को हुई थी। उसकी पत्नी संध्या चार माह की गर्भवती है। सुबह तक घरवालों ने संध्या से यह बात छिपाए रखी कि उसकी मांग का सिंदूर उजड़ चुका है। दोपहर बाद जब शव घर पहुंचा तो संध्या रोते हुए बेहोश हो गयी। मोहित राजपूत मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। परिवार में पत्नी संध्या, मां शिव देवी, पिता राम सनेही और एक बहन जानकी है।

दो पंसारी व्यापारियों में मारपीट, चली गोली

चेन लूटने वाले किसान पथ तक हुए ट्रेस

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार, आलमबाग : रामनगर नटखेड़ा निवासी पवन कुमार घर के अगले हिस्से में पंसारी की दुकान चलाते हैं। पड़ोसी श्रवण कुमार की दुकान है। जिसे उनका भांजा सीतापुर निवासी टिंकू चलाता है। शुक्रवार देर रात दोनों लोग दुकान के सामने फुटपाथ पर सामान लगा रहे थे। देर रात करीब साढ़े ग्यारह बजे पवन और टिंकू के बीच विवाद हो गया। टिंकू का दोस्त गोल्डी भी गालियां देने लगा। बात बढ़ने पर टिंकू के पक्ष से किसी ने असलहा निकालकर फायर कर दिया। जिसमें पवन कुमार बाल-बाल बच गए। एसीपी कृष्णानगर विकास पांडेय ने बताया कि पवन की तहरीर पर टिंकू और गोल्डी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। मामले की जांच की जा रही है।

अमृत विचार : गुडंबा में चार नंबर चौराहे के पास चेन लुटेरों का पीछा कर स्कूटी पर लात मारने से अतुल जैन की मौत के मामले में डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने रविवार को कार्रवाई की। डीसीपी ने चौकी इंचार्ज छुइया पुरवा राम गोपाल यादव व मुख्य आरक्षी शिवकांत कुमार को निलंबित कर दिया। वहीं, छोटे भाई आशीष ने चेन लूट की नई तहरीर गुडंबा पुलिस को दी है। पुलिस को सीसीटीवी कैमरों की मदद से एक बाइक सवार दो संदिग्ध नजर आए हैं। पुलिस ने कैमरों की मदद से किसान पथ तक भागते हुए बदमाशों को ट्रेस भी किया है। फिलहाल बाइक सवार संदिग्धों की पहचान नहीं हो सकी है। सर्विलांस और क्राइम समेत पुलिस की छह टीमें लगी हैं।

- एडीसीपी पूर्वी व एसीपी गाजीपुर पहुंचे मृतक के घर, भाई ने दी नई तहरीर
- चौकी इंचार्ज और बीट सिपाही निलंबित किए गए

रविवार को एडीसीपी पूर्वी अमित कुमावत, एसीपी गाजीपुर अनिद्य विक्रम सिंह और गुडंबा पुलिस मृतक व्यवसायी अतुल के घर दोपहर में पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों से बातचीत की। उन्होंने आश्वासन दिया कि पुलिस की कई टीमें लगी हैं। जल्द घटना की सच्चाई का पता लगाकर खुलासा किया जाएगा। एसीपी ने बताया कि छोटे भाई आशीष ने चेन लूट के दौरान अतुल की मौत की तहरीर दी है। उक्त तहरीर पर उस केस में जोड़ना है, इस बारे में विधिक राय ली जा रही है।

- 100 से अधिक सीसी कैमरे खंगाले गए, कई कैमरों में दिखे बदमाश
- गुडंबा थाने की पुलिस कर रही मामले की जांच

पुलिस ने 24 घंटे में 100 से अधिक सीसी कैमरों की पड़ताल की। कई कैमरों में बाइक सवार दोनों लुटेरे कैद हुए हैं। एक बदमाश हेल्मेट पहने है, जबकि दूसरा नारंगी रंग का गमछा गले में लपेटे हैं। माना जा रहा है कि बाइक सवार दोनों बदमाशों ने व्यवसायी अतुल कुमार जैन को धक्का दिया था। बाइक का नंबर कैमरे में स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने फुटेज को लैब में साफ कराने के लिए भेजा है। घटनास्थल पर दोनों संदिग्धों की बाइक की रफ्तार भी लगभग 80 से ऊपर की है। पुलिस ने बाइक सवार संदिग्धों को बेहटा किसान पथ तक कैमरों की मदद से ट्रेस भी किया है।

इसके अलावा पुलिस की टीमें जानकीपुरम स्थित जिम जहां से बदमाशों ने व्यवसायी अतुल कुमार का पीछा किया। वहां के भी सीसी कैमरों की पड़ताल कर रही है। क्या अतुल की चेन लूटी गई थी या फिर वह महज एक हादसे का शिकार हुए थे, पुलिस तय नहीं कर सकी है। अतुल के साथ चेन लूट हुई है तो घटनास्थल गुडंबा का न होकर जानकीपुरम का है। फिलहाल मामले की जांच गुडंबा पुलिस कर रही है।

बाइकर्स ने महिलाओं की सरेराह लूटी चेन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : गुडंबा में बाइक सवार लुटेरे लगातार पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। चौराहा नंबर-4 के पास अपाचे सवार लुटेरों ने झपट्टा मारकर महिला की चेन लूट ली। वहीं, गोमतीनगर के विरामखंड में बाइक सवार बदमाशों ने महिला की चेन खींच ली। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

जानकीपुरम के तिवारी चौराहा स्थित ओरो एलीमेंट निवासी प्रमील कुमार पांडेय ने बताया कि 9 सितंबर को वे पत्नी ममता के साथ बाइक से टेढ़ीपुलिया की तरफ जा रहे थे। चौराहा नंबर-4 भाजपा कार्यालय के पासपीछे से आए मोटरसाइकिल सवार लुटेरों ने ममता की चेन लूट ली। झटका लगने से बाइक असंतुलित हुई लेकिन प्रमील ने संभाल ली। दंपति ने शोर मचाया, लेकिन जब तब लोग कुछ समझ पाते बदमाश फरार हो गए। इंस्पेक्टर गुडंबा प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पीड़ित ने शनिवार को तहरीर दी है। रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

वहीं, गोमतीनगर के विरामखंड-5 निवासी शांति लता समांतराय ने बताया कि 8 सितंबर की शाम वह दूध लेने जा रही थी। घर से कुछ दूरी पर बाइक सवार लुटेरों ने झपट्टा मारकर उनकी चेन खींच ली। शोर मचाने पर राहगीर दौड़े लेकिन बदमाश फर्राटा भरते हुए भाग निकले। पीड़िता ने आपबीती परिजन को बतायी। शनिवार को उन्होंने गोमतीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है। इंस्पेक्टर गोमतीनगर बृजेश चंद्र तिवारी ने बताया कि सीसी कैमरों की मदद से जांच की जा रही है।

वारदात

आरोपियों ने पीड़ित व पिता को पीटने के बाद साथियों संग घर पर किया पथराव

छेड़छाड़ के विरोध पर पीटा, शिकायत पर किया हमला

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : पारा इलाके में छेड़छाड़ के विरोध करने पर आरोपितों ने रिटायर्ड स्कूटर इंडिया कर्मी व बेटे को पीटा। यही नहीं घर पर पथराव किया। जिसमें दो महिलाएं घायल हो गयी। वारदात के बाद आरोपी भाग गए। मेडिकल के बाद देर रात थाने में तहरीर देकर लौट रहे परिवार पर सूर्यनगर फाटक के पास एक दर्जन से अधिक युवकों ने हमला कर दिया। रॉड व बेल्चे के हमले से युवक खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस के सामने आरोपी धमकाते हुए फरार हो गए। घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने दो भाइयों समेत 16 आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सूर्यनगर निवासी वीरेंद्र सिंह स्कूटर इंडिया से सेवानिवृत्त हैं।

घायल अमित।

उनके बेटे दीपक व अमित भवन निर्माण सामग्री का व्यापार करते हैं। दीपक ने बताया कि पड़ोसी शनिवार शाम करीब 5 बजे महिला के घर नशे में धुत मर्दनखेड़ा निवासी पद्मन यादव और बब्बन यादव पहुंचे और रुपये छीन लिए। विरोध पर उसकी बेटी से छेड़खानी की। महिला की सूचना पर अमित वहां पहुंचे तो दोनों अमित को पीटने लगे। बचाने आए बुजुर्ग पिता से भी मारपीट की। इसके बाद पद्मन व बब्बन के साथियोंने घर पर पथराव किया। ईंट लगने से मां मंजू और युवती घायल हो गई। रात में थाने पहुंचे। रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल में मेडिकल के बाद तहरीर दी।

- थाने से लौटते समय सूर्यनगर फाटक पर घेर किया रॉड व बेल्चे से हमला
- घायल कोमा में, हालत नाजुक, पारा थाने में 16 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

युवती को छेड़ने का पीड़ित ने किया था विरोध

- व्यवसायी पर हमले के मामले में आरोपियों पर मोहल्ले में रहने वाली महिला की बेटी ने छेड़छाड़ की दर्ज करायी है। मां का आरोप है कि आरोपियों ने पहले महिला से रुपये छीनने का प्रयास किया फिर उसकी बेटी से छेड़छाड़ की थी। बचाने आए अमित ने जब विरोध किया तो उनके घर पर पथराव किया।

इसके बाददीपक, भाई अमित, मां मंजू, बहन रोशनी व दोस्त राजेंद्र कार से घर लौट रहे थे। करीब 11 बजे सूर्यनगर फाटक पर कार रोकी। इसी दौरान कुलदीप यादव उर्फ काला, उसके भाई बब्बन ने साथियों शिवा ठाकुर, वीर यादव, उदय राज, अंशुल भारती, हिमांशु यादव, उदय यादव उर्फ राहुल, कातिया यादव, पद्मन यादव, नागेंद्र यादव उर्फ गब्बर, अंकित सिंह, शुभम सिंह, मोहित जोशी, आदित्य तिवारी और विवेक पाल समेत अन्य ने हमला कर दिया। अमित के सिर पर बेल्चे व रॉड मारे, इससे वह निढाल होकर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों ने डॉयल-112 पर सूचना दी। पुलिस के पहुंचने पर आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। परिजन ने घायल को ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। हालत बिगड़ती देख उसे अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती कराया। पीड़ित ने बताया कि भाई अमित कोमा में है, उसे वेंटीलेटर पर रखा गया है। पीड़ित ने सोलह लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

अमृत विचार

अवध बाज़ार

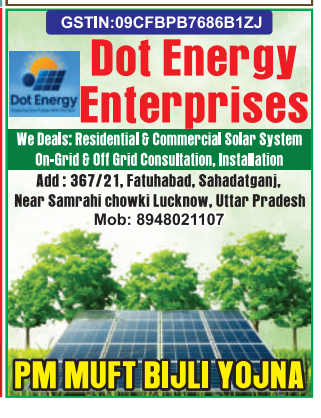

सिटी ब्रीफ

पंजाब एण्ड सिंध बैंक ने शुरू की पीएसबी डिजिटल लोन सुविधा

अमृत विचार, लखनऊ : पंजाब एण्ड सिंध बैंक ने ग्राहकों की सुविधा के लिए पीएसबी डिजिटल लोन सुविधा की शुरुआत की है। यह पहल कागजी झंझटों से मुक्त, सरल और त्वरित ऋण प्रक्रिया उपलब्ध कराती है, जिससे ग्राहक आसानी से घर और वाहन खरीदने जैसे सपनों को साकार कर सकते हैं। आंचलिक प्रबंधक अवधेश नारायण सिंह व मुख्य प्रबंधक जसविंदर सिंह भाटिया ने बताया कि बैंक ने तीन प्रमुख डिजिटल लोन योजनाएं पेश की हैं। इनमें ई-घर लोन 10 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक, ई-एमएसएमई लोन 50 हजार रुपये से 1 करोड़ रुपये तक और ई-वाहन लोन 3 लाख से 50 लाख रुपये तक की सुविधा उपलब्ध है। बैंक ने बताया कि ग्राहक क्यूआर कोड स्कैन कर सीधे इस डिजिटल सेवा का लाभ ले सकते हैं। यह पहल बैंकिंग को डिजिटल और सहज बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आर्य त्रिदंडी महासभा की कार्यकारिणी भंग

अमृत विचार, लखनऊ : अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा उत्तर प्रदेश की कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रमौलि शुक्ला ने बताया कि यह निर्णय संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी की सहमति से लिया गया है। संगठन को मजबूती देने के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें सुनील कुमार शुक्ला, प्रकाश श्रीवास्तव, सुनील कुमार सिंह, दिनेश प्रताप सिंह और आचार्य रामजी अवस्थी शामिल हैं। यह समिति 5 अक्टूबर तक नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन करेगी। प्रदेश अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि इस निर्णय का जिला, नगर और अन्य स्थानीय इकाइयों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। संगठन में नये जोश और दिशा के साथ आगे बढ़ने की योजना तैयार की जा रही है।

पॉलीथीन का उत्पादन सरकार की नाकामी

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान महासचिव पार्षद मुकेश सिंह चौहान ने कहा है कि एक ओर भाजपा सरकार ने 50 माइक्रोन से कम घनत्व वाली प्लास्टिक कैरी बैग पर प्रतिबंध लगाया है, दूसरी ओर प्रदेश की फैक्ट्रियों में इसका उत्पादन जारी है। आरोप लगाया कि प्रतिबंधित प्लास्टिक भाजपा सरकार के संरक्षण में बाजारों में बिक रही है।

सात सूत्री मांगों को लेकर कर्मचारियों का प्रदर्शन कल

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ की राज्य कमेटी की बैठक रविवार को जय हिंद चबूतरा उदयगंज में हुई। इसमें संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर 23 सितंबर को सभी जिला मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को मांग पत्र भेजने का निर्णय लिया गया। प्रदर्शन पुरानी पेंशन बहाली, आठवें वेतन आयोग के गठन समेत 7 सूत्रीय मांगों को लेकर होगा। ये जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष कमल अग्रवाल व महामंत्री अशोक सिंह ने दी।

पेंशनर करेंगे 24 से 26 तक प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : ईपीएस-95 के 78 लाख पेंशनर पिछले 9 वर्षों से न्यूनतम पेंशन में वृद्धि सहित अन्य मांगों को लेकर संघर्षरत हैं। उनकी प्रमुख मांगों में न्यूनतम पेंशन 7,500 रुपये प्रति माह, महंगाई भत्ता, पति-पत्नी को निशुल्क चिकित्सा सुविधा व सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार सभी पेंशनरों को उच्च पेंशन का लाभ शामिल हैं। प्रदेश अध्यक्ष ओम शंकर तिवारी ने बताया कि सरकार की उदासीनता के विरोध में पेंशनर 24 से 26 सितंबर तक जिलाधिकारी और ईपीएफओ कार्यालय पर प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री व श्रम मंत्री को ज्ञापन भेजे जाएंगे।

पितृ अमावस्या पर किया भंडारा

अमृत विचार, लखनऊ : ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवा समिति की सनातन ध्वजवाहिका सपना गोयल के मार्गदर्शन में रविवार को पितृ अमावस्या के अवसर पर लेखराज मेट्रो स्टेशन के पास शिव शक्ति शनि देव मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें देसी घी का हलवा, पूड़ी आलू चना सब्जी, फलाहार का वितरण किया गया। इस अवसर पर परमानंद हरि हर मंदिर की संस्थापिका सपना गोयल ने स्वदेशी अपनाने का संकल्प भी करवाया।

पांच दिवसीय रामकथा का समापन

अमृत विचार, लखनऊ : लेटे हुए हनुमान मंदिर में चल रही 5 दिवसीय रामकथा का रविवार को समापन हो गया। डॉ. अलकेश सोती, प्रमित सिंह, ऋद्धि किशोर गौड़, डॉ. आरकेएस राठौर, जेके सिंह, महंत विशाल गौड़, जगदीश श्रीवास्तव, लवलीन खोसला, आशीष अग्रवाल, सुरेंद्र, अखिलेश कुमार, रजत सक्सेना आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

झालरों से सजाए गए मंदिर, पधार रहीं जगदंबा भवानी

शारदीय नवरात्र आज से, मंदिरों के बाहर पूजा सामग्री की दुकानें सजीं, पुलिस ने किए सुरक्षा के विशेष इंतजाम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: नवरात्र की शुरुआत सोमवार से हो गई है। प्रमुख देवी मंदिरों में सजावट के साथ सभी तैयारियां पूरी कर ली गईं हैं। कालीजी चौक, कालीबाड़ी, संदोहन माता मंदिर, दुर्गा मंदिर शास्त्रीनगर, चंद्रिकादेवी मंदिर कठवारा समेत प्रमुख मंदिरों में प्रात काल से ही भक्तों की कतारें लगने लगेंगी। सुरक्षा व्यवस्था के भी चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं।

नवरात्र एवं दशहरा पर्व को देखते हुए नगर निगम ने रविवार से प्रमुख मंदिरों और आस-पास विशेष सफाई अभियान शुरू किया। महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने हनुमान सेतु मंदिर में सफाई कर अभियान का शुभारंभ किया गया। नगर आयुक्त ने दुर्गा पूजा, दशहरा, रामलीला आदि आयोजनों के दौरान स्वच्छता, नाले और नालियों की सफाई सहित नागरिक सुविधाओं को सुचारु बनाने के निर्देश दिए। सभी अपर नगर आयुक्त, नगर अभियंता, जोनल अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी, महाप्रबंधक (जल), उद्यान अधिकारी और पशु कल्याण अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्यों की नियमित निगरानी के लिए निर्देशित भी किया। महापौर ने नागरिकों से किसी प्रकार की शिकायत के लिए नगर निगम के वॉर रूम अथवा टोल-फ्री नंबर 1533 पर संपर्क करने की अपील की।

अमीनाबाद बाजार में शारदीय नवरात्र के लिए पूजन सामग्री की खरीददारी करती महिलाएं और दूसरी दुकान पर देवी की प्रतिमा को देखती महिलाएं। अमृत विचार

सेब व केला के दाम बढ़े और गेंदा 200 रुपये प्रति किलो पहुंचा

- नवरात्र शुरू होते ही फलों और फूलों के दामों में वृद्धि देखी गई। सामान्य दिनों की तुलना में सेब 100 रुपये किलो से बढ़कर 120 रुपये किलो, जबकि केला 50 रुपये दर्जन से 70 रुपये दर्जन में बिक रहा है। फल विक्रेताओं का कहना है कि नवरात्र में मांग बढ़ने के कारण कीमतों में यह बढ़ोतरी सामान्य है। फूल मंडी में भी गेंदा फूल की मांग सबसे अधिक रही, जो 200 रुपये किलो तक पहुंच गया। दो दिन पहले इसकी कीमत 170 रुपये किलो थी। दुकानदारों के अनुसार नवरात्र के दौरान मंदिरों, पंडालों और घरों में सजावट के लिए गेंदा फूल की अधिक मांग रहती है। गुलाब और कमल जैसे फूलों की मांग तुलनात्मक रूप से कम रही। श्रद्धा और आस्था से परिपूर्ण इस पर्व को लेकर लोगों में भारी उत्साह है और पूरे वातावरण में भक्ति और उल्लास का माहौल दिखाई दे रहा है।

चौक के फूल मण्डी से फूल की खरीददारी करते लोग।

महिलाओं में दिखा खरीदारी का उत्साह

- नवरात्र को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। माता दुर्गा की प्रतिमा की स्थापना के लिए घर-घर में तैयारी की गई। महिलाओं ने पूजा के लिए धूपबत्ती, कपूर, घी, लौंग, हवन सामग्री, नारियल, कलश, आम के पत्ते, माता की चुनरी, चुनिंदा वस्त्र, चूड़ियां और फूलमालाओं की खरीदारी की। पूजा सामग्री की दुकानों पर दिनभर भीड़ लगी रही।

पंडाल, प्रमुख मंदिरों में होगी लाइटिंग

- दुर्गा पंडाल, प्रमुख मंदिरों और रामलीला स्थलों पर नगर निगम का मार्ग प्रकाश विभाग लाइटिंग कराएगा। महापौर सुषमा खर्कवाल ने रविवार को प्रमुख मंदिरों के आस-पास सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करके इस सम्बंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्य अभियंता आरआर मनोज प्रभात ने बताया कि दुर्गा पंडाल, प्रमुख मंदिरों और रामलीला स्थलों को नगर निगम रंगबिरंगी लाइटों से सजाएगा। इसके अलावा इन स्थलों के आस-पास मार्गों पर खराब स्ट्रीट लाइटें सही कराने के साथ नई लगाई जाएंगी। मार्ग प्रकाश विभाग शहर के विभिन्न इलाकों में खराब स्ट्रीट लाइटें सही करा रहा है। प्रतिदिन लगभग 1800 स्ट्रीट लाइटें बदली जा रही हैं।

विशेष अभियान में ये कार्य कराए जाएंगे

- प्रमुख मंदिरों, रामलीला स्थलों, दुर्गा पूजा पंडालों, पार्कों और गोमती नदी घाटों सहित सभी पहुंच मार्गों पर सफाई, नालियों की सफाई, जल निकासी, पानी का छिड़काव, एंटी लार्वा ट्रीटमेंट और फॉगिंग।
- प्रमुख मार्गों पर पैच मरम्मत, गड्ढा भराई, मलबा उठान तथा प्रकाश व्यवस्था।
- मार्ग प्रकाश विभाग दो दिवसीय विशेष अभियान चलाकर प्रकाश संबंधी सभी शिकायतों का निस्तारण करेगा।
- नवरात्रि, दशहरा और दीपावली के दौरान मुख्य मार्गों, बाजारों और घाटों पर सभी प्रकाश बिंदुओं को चालू रखना।
- महाप्रबंधक जलकल द्वारा आयोजन स्थलों पर शुद्ध पेयजल की आपूर्ति और टैंकर उपलब्ध कराना
- आयोजन स्थलों पर निराश्रित पशुओं को पकड़ने के लिए कैटल कैचिंग दस्ता तैनात रहेगा।
- उद्यान विभाग प्रमुख मार्गों पर झाड़ियों और सूखी टहनियों की छंटाई कराएगा।

घट स्थापना मुहूर्त

- ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि प्रात :काल सूर्योदय के समय द्विस्वभाव लग्न कन्या रहेगी, जो कि घट स्थापना व दुर्गा पूजन के लिए श्रेष्ठ मानी जाती है। मध्याह्न में अभिजित् मुहूर्त में भी घटस्थापना किए जाने का विधान है। सोमवार को घट स्थापना मुहूर्त प्रात : 06 :09 से प्रात : 08 :06 व मध्याह्न में अभिजित् मुहूर्त दिन में 11 :49 से 12 :38 श्रेष्ठ है।

पूजा विधि

- सबसे पहले मां शैलपुत्री की तस्वीर स्थापित करें और उसके नीचे लकड़ी की चौकी पर लाल वस्त्र बिछाएं। इसके ऊपर केशर से ' 'शं' ' लिखें और उसके ऊपर मनोकामना पूर्ति गुटिका रखें। तत्पश्चात् हाथ में लाल पुष्प लेकर शैलपुत्री देवी का ध्यान करें। मां शैलपुत्री का प्रसन्न करने के लिए यह ध्यान मंत्र जपना चाहिए। इसके प्रभाव से माता जल्दी ही प्रसन्न होती हैं और भक्त की सभी कामनाएं पूर्ण करती हैं।

पूजा का मंत्र

- सबसे पहले ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डाय विच्चे ॐ शैलपुत्री देव्यै नम : । मंत्र के साथ ही हाथ के पुष्प मनोकामना गुटिका व मां के तस्वीर के ऊपर छोड़ दें। इसके बाद प्रसाद अर्पित करें तथा मां शैलपुत्री के मंत्र का जाप करें। इस मंत्र का जप कम से कम 108 करे। मंत्र संख्या पूर्ण होने के बाद मां दुर्गा के चरणों में अपनी मनोकामना व्यक्त करके मां से प्रार्थना करें तथा आरती एवं कीर्तन करें।

ध्यान मंत्र

वन्दे वांछित लाभाय चंद्रार्धकृतशेखराम् ।
वृषारूढ़ां शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीम् ॥

- अर्थात- देवी वृषभ पर विराजित हैं। शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल है और बाएं हाथ में कमल पुष्प सुशोभित है। यही नवदुर्गाओं में प्रथम दुर्गा है। नवरात्रि के प्रथम दिन देवी उपासना के अंतर्गत शैलपुत्री का पूजन करना चाहिये। मां शैलपुत्री के मुख्य मंत्र हैं "ॐ देवी शैलपुत्र्यै नम : ॥", "वंदे वाञ्छितलाभाय चन्द्रार्धकृतशेखराम्। वृषारुढां शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीम् ॥", और "या देवी सर्वभूतेषु मां शैलपुत्री रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम : ॥" इन मंत्रों के जाप से जीवन में स्थिरता आती है और चंद्रमा से संबंधित दोष दूर होते हैं।

मां शैलपुत्री के प्रमुख मंत्र

ॐ देवी शैलपुत्र्यै नम : ॥

- यह एक बीज मंत्र है जिसका जाप नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा में किया जाता है।

वंदे वाञ्छितलाभाय चन्द्रार्धकृतशेखराम्। वृषारुढां शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीम् ॥

- यह स्तुति मंत्र है, जो मां शैलपुत्री की महिमा का वर्णन करता है।

या देवी सर्वभूतेषु माँ शैलपुत्री रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम : ॥

- यह बीज मंत्र भी है, जो देवी के सभी रूपों में निवास करने का भाव व्यक्त करता है।

मंत्रों के लाभ

- मां शैलपुत्री के मंत्रों के जाप से व्यक्ति के जीवन में स्थिरता आती है। चंद्रमा से संबंधित दोष दूर होते हैं। कुंवारी कन्याओं को सुयोग्य वर की प्राप्ति होती है। मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और भक्त सुख-सौभाग्य प्राप्त करते हैं।

लोक गायिका मालिनी अवस्थी के गीतों पर झूमते विद्यार्थी और अन्य लोग। अमृत विचार

मालिनी की गीतों पर खूब झूमे विद्यार्थी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गोमती पुस्तक महोत्सव में लोक गायिका ने बांधा समां
- बाल चित्रकारी और किस्सों से मस्ती में झूम उठा बाल मंडप

अमृत विचार: गोमती पुस्तक महोत्सव में रविवार को अवध की मौलिक आत्मा जीवंत हो उठी, जब अवधी कहावतों, कथाओं, लोकोक्तियों और लोकगीतों ने समां बांध दिया। लोक गायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने गणेश वंदना से कार्यक्रम शुरू किया और पितृपक्ष की विदाई और नवरात्र के प्रारंभ से पहले महालया की शुभकामनाओं के साथ देवी गीत माई के भावे लाल चुनरिया... की प्रस्तुत दी। विद्यार्थियों का जोश देखकर मालिनी मंच से उतरकर उनके बीच पहुंच गईं, फिर तो छात-छात्राओं का जोश देखने लायक था।

बनारस की स्मरणीय गायिका गौहर जान के प्रेम और विरह की कथा को सेजिया पे लोटे काला नाग हो, कचौड़ी गली सून कैले बलम... सुनाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। कहानीकार रंजीता सचदेवा ने लोकप्रिय भजन ये चमक ये दमक... से सत्र की शुरुआत की।

आंगनबाड़ी पुस्तकालय परियोजना की घोषणा

- 100 सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों में पुस्तकालय स्थापित कर बच्चों में प्रारंभिक पठन-पाठन की आदत विकसित करने वाली परियोजना की औपचारिक घोषणा गोमती पुस्तक महोत्सव में की गई। इस अवसर पर लखनऊ की नौ आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को सम्मानित किया गया।

पुस्तक प्रेमियों की उमड़ी भीड़

- फुटबाल ग्राउंड में 200 से ज्यादा स्टालों पर पुस्तक प्रेमी मनपसंद पुस्तकें तलाशते नजर आए। प्रभात प्रकाशन के स्टाल पर अभिषेक त्रिपाठी की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आर के यादव की पुस्तक मिशन रॉ लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। मंजुल पब्लिशिंग हाउस के स्टाल पर मीर, दाग, मोमिन, जफ़र, जावेद अख्तर, गोपाल दास नीरजा और राहत इन्दौरी जैसे शानदार शायरों की पुस्तकें मौजूद हैं। यहां डॉ. प्रमोद जैन की पुस्तक फेसबुक फ्रेंड्स और बच्चन की मधुशाला भी पसंद की जा रही है। राजपाल एंड संस के स्टाल में घुसते ही एपीजे अब्दुल कलाम की पुस्तकें भारत की आवाज, झोपडी से राष्ट्रपति भवन टाक, आपका भविष्य आपके हाथ में है, टर्निंग पॉइंट्स और अदम्य साहस अपनी ओर आकर्षित कारती हैं। याहन कमलेश्वर की पुस्तक कितने पाकिस्तान भी मोजूद है।

स्थापना दिवस पर बच्चों ने किया नृत्य और नाटक

अमृत विचार, लखनऊ : राष्ट्रवादी संस्था भारत रक्षा दल ट्रस्ट का 29वां स्थापना दिवस समारोह कैसरबाग स्थित गांधी भवन के विनोबा हाल में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता को माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन व ''वंदे मातरम्'' के सामूहिक गान से हुई।

समारोह में बच्चों ने राधा-कृष्ण नृत्य, शिव तांडव के अलावा हाल की आतंकवादी घटना पर आधारित ''ऑपरेशन सिंदूर'' नाट्य प्रस्तुति दी। विशिष्ट कार्यकर्ता सम्मान समारोह में जीवन कुमार राष्ट्रवादी, डीएन सिंह और 'मिशन नारी शक्ति' की सरोज बाला सोनी, सुनीता राय, रूबी श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया। दूसरे सत्र में हुई विचार गोष्ठी व कार्यशाला में भारत प्रताप सिंह, राजेश प्रताप सिंह, केंद्रीय अध्यक्ष भागीरथी राष्ट्रवादी व महामंत्री मनोज कुमार राष्ट्रवादी ने विचार रखे। विभिन्न प्रकोष्ठों व आयोजन समिति के पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। पूर्व अध्यक्ष वेद बहादुर थापा की अध्यक्षता में हुए समारोह में पूर्व मंत्री कौशल किशोर, महापौर सुषमा खर्कवाल, पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया व ट्रेड यूनियन नेता शिव गोपाल मिश्र मुख्य अतिथि रहे। संस्था अध्यक्ष श्रीनिवास राष्ट्रवादी ने देशभक्ति व सनातन संस्कृति के संरक्षण को संगठन का मूल उद्देश्य बताया। संचालन वेद प्रकाश राष्ट्रवादी व मनोज कुमार ने किया।

अभियान | **बाजारों में जगह-जगह किया गया स्वागत और बांटे गए लड्डू वफल**

मोदी के जन्मदिवस पर व्यापारियों ने निकाली जागरण यात्रा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस पर चल रहे सेवा पखवारा कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को नाका हिंडोला चौराहे से एक ''जागरण यात्रा'' का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के वरिष्ठ महामंत्री सचिन कंछल के नेतृत्व में इस यात्रा को निकाला गया।

आयोजक सचिन कंछल ने कहा कि पीएम ने भारत को नई दिशा प्रदान की है। भारत की चमक और धमक पूरे संसार में बढ़ायी है। जीएसटी की दरों में भारी कटौती कर आम जनमानस के जीवन को सरल और सुविधा जनक बनाया है। देश और प्रदेश के 7 करोड़ व्यापारियों को जीएसटी कटौती से अपने व्यापार को संचालित करने में सुविधा प्राप्त हुई है। इस जागरण यात्रा का प्रारंभ नाका हिंडोला से हुआ। एक खुले वाहन में व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बनवारीलाल कंछल, राजू गांधी, गिरीश गुप्ता, राजेन्द्र सिंह दुआ, सुनील कुमार गुप्ता, दिवाकर प्रताप सिंह, आशीष त्रिवेदी, देवेन्द्र कुमार मिश्र, दिनेश कुमार मिश्रा, तुषार मिश्रा, आदि वरिष्ठ नेता चल रहे थे। खुले वाहन के पीछे अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं के वाहन चले रहे थे।

जागरण यात्रा नाका हिण्डोला से प्रारंभ होकर गिरीश गुप्ता पार्षद के कार्यालय पर पहुंची जहां पर बहुत से कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। रानीगंज चौराहे पर पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। पाण्डेयगंज में बड़ी संख्या में व्यापारियों ने स्वागत किया। रकाबगंज चौराहे पर यात्रा का स्वागत रजनीश गुप्ता, संजय रस्तोगी, संजीव श्रीवास्तव, एडवोकेट सौरभ गुप्ता आदि ने जागरण यात्रा पर पुष्पवर्षा की। नेहरूक्रास चौराहे पर जागरण यात्रा का समापन हुआ।

जन जागरण यात्रा में शामिल संचिन कछल, क्षेत्रीय पार्षद गिरीश गुप्ता और अन्य।

सिटी डायरी

दवाएं दान करते दवा विक्रेता संघ के पदाधिकारी।

नि:शुल्क दवाएं दीं

अमृत विचार, लखनऊ : विभिन्न संस्थाओं की ओर से कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों को देखते हुए दवा विक्रेता समिति ने अमीनाबाद दवा बाजार में लाखों रुपये कीमत की दवाओं का नि :शुल्क वितरण किया। पशुओं के बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली 36 से अधिक तरह की औषधियां और जरूरी डोज भेंट की गई। जीव आश्रय संस्था को दान की गई इन दवाओं से बड़ी संख्या में पशुओं को लाभ पहुंचेगा। ये जानकारी संस्था के संस्थापक अमित सहगल, दवा विक्रेता समिति के अध्यक्ष ओपी सिंह, महामंत्री सीएम दुबे ने दी। बताया कि लखनऊ शहर में किसी भी घायल, बीमार और दुर्घटनाग्रस्त निराश्रित जीव के उपचार के लिए आप 8009392222 या www.jeevaashraya.com पर संपर्क कर सकते हैं। वितरण के दौरान सुनीत कपूर, रितेश आनन्द, राजीव रस्तोगी, अमित गुलाटी, राजीव शर्मा, मनोज कटियार, प्रवींद्र कुमार अरोरा, शैलेन्द्र गुप्ता, निखिल अग्रवाल, सिद्धार्थ अग्रवाल मौजूद रहे।

पंजाब बाढ़ पीड़ितों को खाने की सामग्री भेजते रेल कर्मचारी।

बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री भेजी

अमृत विचार, लखनऊ : रेल कर्मचारियों ने आपदा पीड़ित लोगों की मदद करने के लिए एक टीम बनाई है, जिसका नाम नेकी का अकाउंट रखा है। इसी के जरिये कर्मचारियों ने रविवार को पंजाब बाढ़ पीड़ितों की मदद की है। कर्मचारियों ने बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए 1.5 क्विंटल आटा, 1.5 क्विंटल चावल, 1 क्विंटल नमक, 75 लीटर सरसों का तेल, 150 पैकेट ओआरएस के भेजे गये हैं। बाढ़ पीड़ितों के लिए यह सामग्री कर्मचारियों ने इंदिरा नगर के मुंशी पुलिया स्थित पानी गांव पैलेस पहुंच कर दान की है। इतना ही नहीं इस अवसर पर कर्मचारियों ने पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए लखनऊ वासियों से मदद की अपील भी की है। मोहम्मद नसीम, हादी सिद्दीकी, चन्दन यादव, मुर्तज़ा अली उपस्थित रहे।

तर्पण करते सुमगलम सेवा साधना संस्थान के सदस्य।

शहीदों का किया सामूहिक तर्पण

अमृत विचार, लखनऊ : गोमती तट स्थित शहीद स्मारक पर रविवार को स्वतंत्रता संग्राम, विभाजन विभीषिका और राष्ट्ररक्षा में बलिदान देने वाले ज्ञात-अज्ञात शहीदों को सामूहिक तर्पण और श्रद्धार्पण कर शहीद पितृ श्रद्धा नमन अनुष्ठान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सुमंगलम सेवा साधना संस्थान के राष्ट्रभक्ति जागृति अभियान के अंतर्गत कई संगठनों ने किया। मुख्य अतिथि आरएसएस के क्षेत्र प्रचार प्रमुख सुभाषव विशिष्ट अतिथि राज्य ललित कला अकादमी के उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र व भाजपा मुख्यालय प्रभारी भारत दीक्षित रहे। शहीदों को समर्पित गार्ड ऑफ ऑनर एनसीसी कैडेट्स द्वारा दिया गया।

हस्ताक्षर अभियान में मौजूद उपस्थित अजय राय, अमित श्रीवास्तव व अन्य।

हस्ताक्षर अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ उत्तर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत त्रिवेणी नगर वार्ड में वोट चोरी रोको हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। शहर लखनऊ उत्तरी अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय भी उपस्थित रहे। लखनऊ बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र शुक्ला, किश्वर जहां, एडवोकेट आरबी सिंह, आकिल हुसैन सीजू, अखिलेश श्रीवास्तव, नवाब खान, अभिमन्यु भी शामिल हुए।

सिटी ब्रीफ

फार्माकोविजिलेंस सप्ताह में ड्रग सेफ्टी पर हुआ व्याख्यान

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में फार्मेसी संकाय के बी.फार्मा छात्रों के लिए ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह आयोजन 5वें फार्माकोविजिलेंस सप्ताह के अवसर पर किया गया। ओर्गेनान इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के फार्माकोविजिलेंस प्रोसेस सेफ्टी स्पेशलिस्ट, निकेश मछागिरी ने "फार्माकोविजिलेंस एंड ड्रग सेफ्टी एन इंडस्ट्रियल ओवरव्यू" विषय पर व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान फार्मेसी संकाय के छात्रों की ट्रेनिंग तथा प्लेटसमेंट के दृष्टिगत दिया गया।

अशोका छात्रावास में चला सफाई अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत अशोका छात्रावास में विशेष सफाई अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रावास परिसर व आसपास के क्षेत्रों में सफाई कर स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया। सफाई अभियान में प्रभारी सेनीटेशन डॉ. रवि शंकर वर्मा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सभी ने सफाई कार्य में सहभागिता की और संदेश दिया कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान न होकर जीवनशैली का हिस्सा बनना चाहिए।

सीएमएस की शिक्षिका को मिला अवार्ड

अमृत विचार, लखनऊ : सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज प्रथम कैम्पस की शिक्षिका स्वाती दीक्षित को शैक्षिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु 'टॉप एजूकेटर ऑफ द ईयर' अवार्ड से नवाजा गया है। स्वाती को यह प्रतिष्ठित सम्मान 30वें इण्डियन स्कूल अवार्ड के अवसर पर शैक्षिक संस्था 'रोबोचैंप्स' के तत्वावधान में प्रदान किया गया। शैक्षिक क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के फलस्वरूप प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर नवाजा गया। सीएमएस संस्थापिका डा. भारती गांधी ने इस उपलब्धि पर स्वाती दीक्षित को बधाई दी है।

स्वाती दीक्षित।

टीईटी को लेकर बनाई आंदोलन की रणनीति

अमृत विचार, लखनऊ : सर्वोच्च न्यायालय द्वारा शिक्षकों को सेवा बने रहने के लिए टेट उत्तीर्ण बाध्यता को लेकर उक्त आदेश को वापस लिए जाने सरकार द्वारा रिव्यू पिटिशन दाखिल किए जाने आदि मांगों को लेकर शिक्षक संघ ने आंदोलन की रणनीति बनाई है। प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार पांडेय ने कहा कि एकतरफ कानूनी लड़ाई तो लड़ना ही है लेकिन शिक्षकों की सेवा सुरक्षा के लिए सरकार से भी इस बात की पहल करानी पड़ेगी। ऑनलाइन बैठक में समस्त पदाधिकारियों के सुझाव और विचार सुनने के क्रम में अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक के बैनर तले उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा शिक्षकों की सेवा सुरक्षा के लिए तृतीय संघर्ष आंदोलन कार्यक्रम घोषित किया गया है। 22 सितंबर से 15 अक्टूबर तक शिक्षक द्वारा काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य करेंगे। इस दौरान सभी ब्लॉकों व जनपद मुख्यालय पर हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जाएगा।

भाषा विवि में सेवा पखवाड़ा में हुए कार्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ : एकेटीयू से लेकर भाषा विश्वविद्यालय तक सेवा पखवाड़ा के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के रानी लक्ष्मी बाई महिला छात्रावास में स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम प्रावोस्ट डॉ. तह्हीर फ़ातिमा के मार्गदर्शन तथा वार्डन डॉ. श्वेता अग्रवाल और डॉ. ममता शुक्ला के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

मल्टीफंक्शनल मटेरियल पर कार्यशाला शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग में भौतिक शास्त्री मल्टीफंक्शनल मटेरियल के प्रयोग पर मंथन कर रहे हैं। दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर विचार व्यक्त किए। कॉन्फ्रेंस का शीर्षक "मल्टीफंक्शनल मटेरियल फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट" है। प्रो. शीला मिश्रा संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय की उपस्थिति रहीं। मुख्य अतिथि प्रो. एके तनेजा, कुलपति, केएमसी भाषा विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि प्रो एसएस दास, डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय ने बायो डिग्रेडेबल पॉलीमर पर प्रकाश डाला।

इकाना स्टेडियम में भारत-ए व आस्ट्रेलिया-ए में दूसरा टेस्ट कल से

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने स्टेडियम में किया जमकर अभ्यास
- गेंदबाज सिराज और केएल राहुल भी नेट पर उतरे

अमृत विचार : भारत और आस्ट्रेलिया ए की टीमें ने रविवार को अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में अभ्यास किया। भारतीय टेस्ट टीम के अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद सिराज और केएल राहुल भी अभ्यास सत्र में शामिल हुए। दोनों टीमों के बीच 23 सितंबर से चार दिवसीय मैच खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज दौरे की तैयारी को देखते हुए टीम प्रबंधन ने सिराज और राहुल को भारत-ए टीम में शामिल किया है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट दो अक्टूबर से अहमदाबाद और दूसरा 10 अक्टूबर से दिल्ली में खेला जाएगा। राहुल और सिराज के पास आस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ मैच में लय में लौटने का अच्छा मौका है। तेज गेंदबाज सिराज ने इंग्लैंड दौरे पर अपनी उपयोगिता साबित की थी। उन्होंने पांच टेस्ट मैचों में 23 विकेट लेकर सीरीज में 2-2 से बराबर कराने में अहम भूमिका निभाई थी। उनकी तेज और सटीक गेंदबाजी ने विपक्षी बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया था।

इकाना स्टेडियम में सिराज से भी वैसा ही प्रदर्शन करने की उम्मीद की जा रही है। उनकी मौजूदगी से टीम का गेंदबाजी आक्रमण काफी मजबूत हुआ है। सलामी बल्लेबाज केएल राहुल भी इंग्लैंड दौरे पर बेहतरीन फॉर्म में नजर आए थे। उन्होंने पांच टेस्ट मैचों में 53.20 की औसत से 532 रन बनाए थे और अपनी तकनीक और संयम से सभी को प्रभावित किया था। राहुल की मौजूदगी भारत ए के बल्लेबाजी क्रम को मजबूती देगी। युवा खिलाड़ियों को उनका अनुभव से काफी मदद मिलेगी। यह आत्मविश्वास टीम को वेस्टइंडीज सीरीज में भी मजबूती देगा। अभ्यास मैच में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों कैंबल ने लंबा सत्र किया, जबकि पहले मैच में शतक लगाने वाले जॉश ने भी बल्लेबाजी में दम लगाया। भारत ए के युवा खिलाड़ी अभिमन्यु ईश्वरन, श्रेयस अय्यर, हर्ष दुबे ने भी लंबा अभ्यास किया।

इकाना में अभ्यास के दौरान गेंदबाजी में हाथ अजमाते भारत-ए के गेंदबाज मोहम्मद सिराज।

बवाल करने वालों पर कार्यवाही की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आरोप लगाया कि विश्वकर्मा पूजन में वामपंथी विचार से जुड़े छात्रों ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय परिसर का माहौल खराब करने का प्रयास किया है। विश्वविद्यालय में तोड़फोड़ व अराजकता फैलाकर परिसर के सौहार्द को बिगाड़ने का प्रयास निंदनीय है। ऐसे छात्र एसएफआई, एयूडीएसयू और बामसेफ से जुडे हैं। उक्त बातें अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत मंत्री पुष्पेन्द्र वाजपेई ने कहा। प्रांत सहमंत्री पुष्पा गौतम ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा सृष्टि के पहले इंजीनियर हैं जिनकी पूजा हजारों साल पहले से होती आई है।

पॉवरग्रिड वॉलीबॉल में पश्चिमी क्षेत्र प्रथम चैंपियन

केडी सिंह बाबू स्टेडियम में फाइनल मैच में केंद्रीय कार्यालय को 25-13, 25-21, 25-21 से हराया

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: पॉवरग्रिड अंतर क्षेत्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में पश्चिमी क्षेत्र प्रथम की टीम चैंपियन बनी। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में केंद्रीय कार्यालय की टीम को सीधे तीन सेटों में 25-13, 25-21, 25-21 से पराजित किया।

पॉवरग्रिड उत्तरी क्षेत्र-तृतीय क्षेत्रीय मुख्यालय के देखरेख में आयोजित प्रतियोगिता में 11 क्षेत्रों के 88 खिलाड़ियों ने भाग प्रतिभाग किया। संचालन डिस्ट्रिक्ट वॉलीबॉल एसोसिएशन लखनऊ की देखरेख में किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक, उत्तरी क्षेत्र-तृतीय, श्री युगेश कुमार ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र प्रदान किए। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रदर्शन करने की सराहना की। इस अवसर पर पॉवरग्रिड एनआर-3 के चीफ मैनेजर पीआर,एचआर नीजर पाण्डेय ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिताएं न केवल कर्मचारियों के बीच सहयोग और तालमेल को बढ़ावा देती हैं, बल्कि उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को भी मजबूत करती हैं।

विजेता टीम पश्चिमी क्षेत्र प्रथम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी देते मुख्य अतिथि। अमृत विचार

जनता गर्ल्स इंटर कॉलेज ने दो खिताब जीते

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ में आयोजित जनपदीय माध्यमिक विद्यालयीय बालिका कबड्डी प्रतियोगिता में जनता गर्ल्स इंटर कॉलेज, आलमबाग की छात्राओं ने अंडर-14 और अंडर-17 वर्ग के खिताब को अपने नाम किया। यह प्रतियोगिता रविवार को कॉलेज परिसर में आयोजित की गई, जिसमें लखनऊ जनपद के विभिन्न विद्यालयों से लगभग 250 छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधक डॉ. सुरजीत सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। उद्घाटन समारोह में उन्होंने छात्राओं को खेल भावना के साथ खेलने की प्रेरणा दी।

पुनर्वास विवि के शिक्षक टॉप वैज्ञानिकों में शामिल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : डॉ. शकुन्तला मिश्र राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान दर्ज कराई है। विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय व इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संकाय के डीन प्रो. (डॉ.) चन्द्र कुमार दीक्षित को स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी व अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक समुदाय द्वारा जारी विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में शामिल किया गया है। प्रो. दीक्षित का एच इडेक्स 27 है। उन्होंने अब तक 200 से अधिक शोधपत्र, 45 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित की हैं और 30 से अधिक पेटेंट अपने नाम दर्ज कराए हैं। हाल ही में रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री ने उनके शोध क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देते हुए उन्हें फेलो, रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री की उपाधि से सम्मानित किया है।

प्रो. सीके दीक्षित

इन विषयों पर है शोध : प्रो. दीक्षित का शोध कार्य हाई प्रेशर कंडेन्स्ड मैटर फिजिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता रका सहायक तकनीकों के साथ एकीकरण पर केंद्रित है। विशेषकर दिव्यांजन कल्याण के लिए। इस दिशा में उन्होंने डॉ. अंजनी कुमार पांडेय के साथ मिलकर अनेक शोध परियोजनाएं तैयार की हैं। जिन्हें आईसीएमआर नई दिल्ली सहित विभिन्न राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में अनुदान के लिए प्रस्तुत किया गया है।

वैज्ञानिक सूची में एकेटीयू के शिक्षकों ने बनाई जगह

अमृत विचार, लखनऊ : स्टैनफोर्ड और एल्सेवियर ने 2025 में दुनिया के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची जारी कर दिया है। इस सूची में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के घटक संस्थान सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज में मेकाट्रॉनिक्स के एसो. प्रोफेसर डॉ. अनुज कुमार शर्मा एवं इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रो. अरुण तिवारी ने जगह बनायी है। संस्था उच्च स्तरीय शोध, साइटेशन के आधार पर यह सूची जारी करती है।

अभिषेक के शानदार खेल से पीएनबी जीता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सर्विसेज स्पोर्ट्स ने सीटीसी मुंबई को 3-1 से दी शिकस्त
- इनकम टैक्स अहमदाबाद को 6-1 से हराया

अमृत विचार : 43वें अखिल भारतीय केडी सिंह बाबू आमंत्रण प्राइजमनी हॉकी टूर्नामेंट में रविवार को खेले गए लीग मुकाबलों में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड ने अपने अपने मैच जीतकर पूरे अंक बटोरे।

गोमती नगर स्थित विजयंत खंड के पद्मश्री मोहम्मद शाहिद हॉकी स्टेडियम में खेले गए मुकाबलों में पीएनबी ने इनकम टैक्स अहमदाबाद को 6-1 से और सर्विसेज स्पोर्ट्स ने सीटीसी मुंबई को 3-1 से शिकस्त दी। पीएनबी की ओर से स्टार खिलाड़ी अभिषेक ने शानदार स्टिक वर्क दिखाते हुए हैट्रिक बनाई। उन्होंने 13वें मिनट में पहला, 20वें मिनट में दूसरा गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। पीएनबी के गुरसिमरन सिंह ने 24वां और 36वां मिनट और सतेंद्र कुमार ने 42वां मिनट में गोल किया। चौथे क्वार्टर में अभिषेक ने अपना तीसरा गोल किया। इनकम टैक्स की ओर से एकमात्र गोल अंतिम क्वार्टर में आया। पीएनबी ने 6-1 की विशाल जीत दर्ज कर लीग में अंक जुटाए।

दूसरे मुकाबले में सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड और सीटीसी मुंबई के बीच खेल गया मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। मुंबई की ओर से प्रथमेश ने 9वें मिनट में गोल कर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। सर्विसेज ने दूसरे क्वार्टर में वापसी करते हुए निजाम के पेनाल्टी कॉर्नर गोल के जरिए स्कोर को 1-1 से बराबर कर लिया। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने एक दूसरे को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। अंतिम क्वार्टर में सर्विसेज ने आक्रामक खेल दिखाते हुए जोगिंदर सिंह 51वां मिनट और भीम बाटला 53वां मिनट के गोलों से 3-1 की निर्णायक बढ़त बना ली। इस जीत के साथ सर्विसेज स्पोर्ट्स ने भी पूरे अंक हासिल कर टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी मजबूत की।

आर्थर प्रोटेक्टर बना रिसर्चर प्रीमियर लीग का चैंपियन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सीडीआरआई की प्लेटिनम जुबली पर आयोजित हुआ टी-10 क्रिकेट टूर्नामेंट

अमृत विचार : केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान सीएसआईआर-सीडीआरआई लखनऊ की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने पर रिसर्चर प्रीमियर लीग आरपीएल-25 का आयोजन किया गया। टी-10 टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल रविवार को खेला गया। इसमें आर्थर प्रोटेक्टर ने जॉइंट फ्रेश फाइटर्स को चार विकेट पराजित किया।

फाइनल मैच में टॉस जीतकर जॉइंट फ्रेश फाइटर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 57 रन का लक्ष्य रखा। टीम की शुरुआत अच्छी रही, लेकिन मध्यमक्रम में विकेट जल्दी-जल्दी गिरने से बड़ा स्कोर खड़ा नहीं हो सका। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आर्थर प्रोटेक्टर की शुरुआत बेहद खराब रही। महज 7 रन के स्कोर पर टीम ने अपने तीन अहम विकेट गंवा दिए। इसके बाद अभिजीत देब चौधरी (22 रन) और गौरव झा (11 रन) ने संभल कर बल्लेबाजी करते हुए टीम मजबूत साझेदारी कर रन गति को बनाए रखा। अंत में शोवन घोष ने 12 रनों की उपयोगी पारी खेलकर टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। आर्थर प्रोटेक्टर ने 9.2 ओवर में 58 रन बनाए। सुधीर कुमार को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. प्रदीप कुमार ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और पुरस्कार दिए। टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सभी छह टीमों के मालिकों पंकज प्रसून, डॉ. सीबी त्रिपाठी, अरबिंद कुमार, डॉ. वीरेंद्र प्रजापति, डॉ. ऋषिकेश और डॉ. अर्नब दास गुप्ता को भी सम्मानित किया गया।

गौतमबुद्धनगर ने जीती एक्वाथलॉन चैंपियनशिप

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ के चार खिलाड़ियों ने भी जीते पदक

अमृत विचार : साई सेंटर लखनऊ में आयोजित राज्यस्तरीय एक्वाथलॉन चैंपियनशिप पर गौतमबुद्ध नगर की टीम ने कब्जा जमाया। उत्तर प्रदेश स्विमिंग के निदेशक रविन कपूर ने विजेता टीम को पुरस्कृत किया।

उत्तर प्रदेश ट्रायथलॉन एसोसिएशन की देखरेख में आयोजित प्रतियोगिता में प्रदेश भर के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। यूपी ट्रायथलॉन एसोसिएशन के सचिव संदीप मिश्रा ने जूनियर बालक वर्ग में गौतमबुद्धनगर के हरीथ ओब्राय ने स्वर्ण, लखनऊ के समीर सिंह ने रजत और बरेली के प्रियांशु करकोटी ने कांस्य पदक जीता। जूनियर बालिका वर्ग में बरेली के रोजल खान ने स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। इसी तरह सब-जूनियर बालक वर्ग में लखनऊ के अंश खोराना ने स्वर्ण, अर्गदीप बिस्वास ने रजत और देवरिया के शिशुपाल प्रजापति ने कांस्य पदकजीता। सब-जूनियर बालिका वर्ग में गौतमबुद्ध नगर की गीतिका चौहान ने स्वर्ण, आन्या सांगवान ने रजत और लखनऊ की सृष्टि तिवारी ने कांस्य पदक जीता।चैंपियनशिप में दमदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन 10 से 12 अक्टूबर तक भोपाल में होने वाली राष्ट्रीय एक्वाथलॉन चैंपियनशिप के लिए किया गया है। पुरस्कार वितरण समारोह में जितेंद्र सोनकर, सचिन त्रिपाठी, अशुतोष त्रिपाठी, रविंद्र सोनकर और नीरज मिश्र भी मौजूद रहे।

आयोजन | सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज निराला नगर में आयोजित तीन दिवसीय का महोत्सव

वैदिक गणित महोत्सव में लखीमपुर खीरी संकुल विजयी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज निराला नगर में आयोजित तीन दिवसीय वैदिक गणित व संस्कृति महोत्सव का रविवार को रंगारंग कार्यक्रम के साथ समापन हो गया। महोत्सव में लखीमपुर संकुल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति इलाहाबाद उच्च न्यायालय सुभाष विद्यार्थी और अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल अनिल पुरी उपस्थित रहे। प्रबंधक डॉ. शैलेंद्र शर्मा ने सभी का परिचय कराया। तिथियों ने विजेताओं को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में 12 जिलों के 288 छात्रों, 166 छात्राओं सात आचार्य समेत 461 लोगों ने प्रतिभाग किया। इसमें 56 संरक्षक आचार्य आए तथा 35 निर्णायक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भारतीय शिक्षा समिति उत्तर प्रदेश के प्रदेश निरीक्षक रामजी सिंह विद्यालय के निदेशक राम तीर्थ वर्मा, संभाग निरीक्षक अवरीश, सुरेश तथा वैदिक गणित के संयोजक, सहसंयोजक संस्कृति कार्यक्रम के संयोजक तथा सहसंयोजक एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता सुभाष विद्यार्थी ने बताया कि हम लोग किस तरह से उपमन्यु, वारुणि और दधीचि जैसे महापुरुषों से कुछ सीख सकते हैं। अनिल पुरी ने भी विद्यार्थियों को बहुत ही ज्ञानवर्धक और प्रेरणादाई बातें बताईं। संचालन प्रधानाचार्य दुर्गेश चंद्र पांडेय ने किया।

सांस्कृति प्रस्तुति देने वाले छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

सिटी डायरी

छात्रा को पुरस्कृत करते बैंक अधिकारी व अन्य।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने मनाया सतर्कता जागरूकता अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की ओर से सतर्कता जागरूकता अभियान के अंतर्गत बाल निकुंज गर्ल्स एकेडमी में चित्रकला व क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं ने सतर्कता, ईमानदारी व जागरूकता के संदेशों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। बाल निकुंज कॉलेज के एमडी एचएन जायसवाल, बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख मनोज सक्सेना, आंचलिक सतर्कता अधिकारी सपन गोयल, अनुराग अवस्थी व शाखा प्रबंधक संगीता पांडेय उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि मनोज सक्सेना ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की और जीवन में नैतिक मूल्यों को अपनाने पर बल दिया। कार्यक्रम ने छात्रों में न केवल प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा दिया, बल्कि उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा भी दी।

साईकिल चलाते कुलपति प्रो. जेपी पांडेय और अन्य।

एकेटीयू से निकाली गई साइकिल यात्रा

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में सेवा पखवाड़ा के तहत रविवार को अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी सिंह के नेतृत्व में साइकिल यात्रा निकाली गई। कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय ने साइकिल चलाकर यात्रा को रवाना किया। यात्रा विश्वविद्यालय से बख्शी का तालाब होते हुए मां चंद्रिका देवी मंदिर पहुंची। वहां दर्शन-पूजन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। समापन पर विवि में यात्रा का कार्यवाहक कुलसचिव एवं वित्त अधिकारी केशव सिंह ने स्वागत किया। मंदिर में सरोज पाण्डेय, पूजा नगरिया ने छात्रों उत्साह बढ़ाया। संयोजन सहायक कुलसचिव सुनील पाण्डेय एवं सहा कुलसचिव डॉ. आयुष श्रीवास्तव ने किया। उपकुलसचिव डॉ. आरके सिंह, सहा कुलसचिव रंजीत सिंह मौजूद रहे।

शिविर में स्वास्थ्य की जांच कराते लोग।

सेवा पर्व पर चलाया सफई अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : सेवा पर्व पर रविवार को राजधानी के कुड़िया घाट पर अवध वन प्रभाग की ओर से कार्यक्रम किया गया। डीएफओ सितांशु पांडे की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में योगाभ्यास, प्लॉग रन सफाई अभियान और स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। शुरुआत योग गुरु कुलदीप के देखरेख में सामूहिक योगाभ्यास से हुई। घाट के आसपास प्लॉग रन सफाई अभियान चला प्लास्टिक और अन्य कचरा इकट्ठा किया।सिटी रेंज स्टाफ, जिला परियोजना अधिकारी शिवांग वर्मा, डिप्टी रेंजर अंकित शुक्ला समेत अधिकारी, पर्यावरण कार्यकर्ता और अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने समाज में स्वास्थ्य, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

एकता पार्क में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में जांच कराते कालोनी के निवासी।

विवेक खंड के एकता पार्क में लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

अमृत विचार, लखनऊ : गोमती नगर स्थित विवेक खंड 3 के एकता पार्क में रविवार को डॉ. लाल पैथ लैब्स के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर लगाया गया।इसका शुभारंभ समिति के अध्यक्ष बीडी मिश्रा ने ब्लड की जांच कराके किया। कॉलोनी के सैकड़ों लोगों ने जांचें कराकर लाभ उठाया। समिति के प्रयास से जांचें बेहद रियायती दरों पर कराई गईं। सचिव आरपी मिश्रा और मीडिया प्रभारी अभिषेक खन्ना सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शरीर के किसी भी अंग में गांठ, दर्द का एहसास नहीं तो कैंसर विशेषज्ञ की लें सलाह

बरेली। देशभर में अन्य कैंसर की तुलना में ओरल (मुंह) का कैंसर तेजी से बढ़ रहा है। जिसका मुख्य कारण युवावस्था से तंबाकू का सेवन करना है। एक मात्र ओरल कैंसर ऐसा है, जिसमें तीसरी स्टेज के बाद मरीज कैंसर सर्जन के संपर्क में आ जाता है तो उसकी जान बच सकती है। शरीर के किसी भी अंग में गांठ है

साक्षात्कार

और लंबा समय गुजरने के बाद भी उसका आकार स्थिर है तो यह कैंसर की गांठ नहीं, लेकिन गांठ है और दर्द का एहसास नहीं हो रहा है और आकार में बदलाव हो रहा है तो तुरंत कैंसर विशेषज्ञ की सलाह लें। यह कहना है कि अपोलो हॉस्पिटल्स के ऑन्कोलॉजी के निदेशक डॉ. अनिल के. डी क्रूज का। शनिवार को रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के ईएनटी विभाग की ओर से आयोजित तीन दिवसीय कांफ्रेंस में शामिल होने पहुंचे डॉ. अनिल के. डी क्रूज से अमृत विचार के रिपोर्टर अंकित चौहान की विशेष बातचीत के अंश...

● अपोलो हॉस्पिटल्स के ऑन्कोलॉजी के निदेशक डॉ. अनिल के. डी क्रूज से विशेष बातचीत

जानकारी देते डॉ. अनिल के. डी क्रूज, साथ में डॉ. अर्जुन अग्रवाल।

मुंह का रंग होता है गुलाबी, अगर हो रहा सफेद तो कैंसर का लक्षण ...

डॉ. अनिल ने बताया कि सामान्य तौर पर हमारे मुंह के अंदर की त्वचा गुलाबी होती है, लेकिन तंबाकू का सेवन करने वालों की त्वचा के रंग में बदलाव होने लगता है। मुंह के अंदर सफेदी आने लगती है, ऐसे में 50 फीसदी तक ओरल कैंसर का खतरा होता है। वहीं विशेषज्ञ की सलाह न लेना जानलेवा भी साबित हो सकता है। इसके साथ ही अगर मुंह में छाला है जो कि भर नहीं रहा हो या फिर दांत ढीले पड़ रहे हैं तो ये भी कैंसर का कारण हो सकता है।

घंटों ईयर बड्स लगाने से बढ़ा हियरिंग लॉस का खतरा

कांफ्रेंस में गोरखपुर से वरिष्ठ ईएनटी सर्जन डॉ. राजेश यादव ने बताया कि किशोरों में हियरिंग लॉस का खतरा बढ़ा है। इसका मुख्य कारण है घंटों तक कान में ईयर फोन और ईयर बड्स लगाना। इसका चलन करीब पांच साल पहले तक काफी कम था लेकिन कोविड काल में ऑनलाइन पढ़ाई और सोशल मीडिया के बढ़ते क्रेज ने इसका चलन और भी चरम पर कर दिया। ओपीडी में आने वाले मरीजों में अधिकांश किशोर ऐसे हैं, जिनमें ईयर बड और ईयर फोन का घंटों उपयोग करने से हियरिंग लॉस के लक्षण मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षित आवाज का स्तर 60 से 70 डेसिबल होता है।

हर चौथे बच्चे को जन्मजात मिल रहा दोष

शासन सुरक्षित मातृत्व को लेकर तमाम योजनाएं चला रहा है, लेकिन अभी कुछ ऐसे लोग हैं, जिनमें जागरूकता का अभाव होने के कारण गर्भकाल के दौरान महिला को उचित देखभाल, पोषण के साथ ही जरूरी जांचें न होने के चलते नवजात जन्मजात बीमारियों के साथ जन्म ले रहे हैं। हर दिन 1000 में चार ऐसे बच्चे शामिल होते हैं, जो कि जन्म से ही उनके अंदर सुनने बोलने की असमर्थता होती है। ये बातें चंडीगढ़ से आए वरिष्ठ ईएनटी सर्जन डॉ. अशोक गुप्ता ने कहीं। उन्होंने बताया कि शुरुआत में ही अगर परिजन बच्चे की इस असमर्थता की पहचान कर विशेषज्ञ से संपर्क कर लें तो जांच व इलाज से बच्चे को जन्मजात दोष से निजात मिल सकती है।

गामा तकनीक का जल्द आरंभ, डॉ. अर्जुन की टीम को दी बधाई

डॉ. अनिल ने बताया कि जल्द ही बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट में गामा कैमरा हाई डोज थैरेपी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट सेंटर का आरंभ हो जाएगा। आधुनिक तकनीक से गंभीर कैंसर रोगियों को बेहतर इलाज मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि अभी तक पैट स्कैन, गामा कैमरा थैरेपी के लिए मुंबई, दिल्ली जैसे बड़े शहरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। इन शहरों में पहुंचने के बाद भी विशेषज्ञ से संपर्क करने में काफी समय व्यर्थ होता था लेकिन बरेली मंडल में पैट स्कैन और गामा थैरेपी का आरंभ होना किसी गौरव से कम नहीं है। उन्होंने इस सुविधा के आरंभ के लिए रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के निदेशक व वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ डॉ. अर्जुन अग्रवाल व उनकी टीम को बधाई दी। इस एडवांस तकनीक के बारे में बताया कि गामा कैमरा तकनीक ट्यूमर की शीघ्र पहचान और कैंसर की अवस्था का सटीक निर्धारण करके उपचार को निर्देशित करने में उपयोगी है, इसका उपयोग कैंसर का पता लगाने के लिए होता है। जिससे सटीक जांच होने पर फौरन मरीज का इलाज आरंभ हो जाता है।

डॉ. एके डी क्रूज का संक्षिप्त परिचय

डॉ. अनिल के. डी क्रूज अपोलो हॉस्पिटल्स के ऑन्कोलॉजी के निदेशक हैं, जिन्होंने मुंबई के टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल में भी उच्च पदों पर सेवाएं दी हैं। इसके साथ ही वह इंडियन एसोसिएट ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट के प्रमुख और यूनियन इंटरनेशनल फॉर कैंसर कंट्रोल (यूआईसीसी) के पहले भारतीय अध्यक्ष भी रहे हैं। सिर और गर्दन के कैंसर के उपचार में विशेषज्ञता रखने वाले डॉ. डी क्रूज ने लंदन के रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स लंदन से मानद एफआरसीएस की उपाधि प्राप्त की है और ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में एक प्रमुख शोधकर्ता, शिक्षक और चिकित्सक हैं।

सिटी ब्रीफ

स्कूल बस की टक्कर से छात्रा जख्मी

सूरतगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना रामनगर के ततेहरा मजरे पिपरी महार के राममुनीद ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी सरोज साइकिल से सूरतगंज स्थित जीआईसी स्कूल जा रही थी। जैसे ही वह सूरतगंज चौराहे के पास पहुंची सामने से आ रही एक निजी स्कूल की बस ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि छात्रा की साइकिल क्षतिग्रस्त हो गई और वह घायल हो गयी। छात्रा को सूरतगंज के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि परिजनों का आरोप है कि बिना किसी उचित चिकित्सकीय जांच के ही बच्ची को घर भेज दिया गया। सूरतगंज चौकी प्रभारी उमेश कुमार वर्मा ने बताया कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सपा विधायक ने भाजपा सरकार को घेरा

बाराबंकी : अमृत विचार : सदर विधानसभा क्षेत्र के बंकी ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पिपरथा में रविवार को पीडीए जन चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सदर विधायक धर्मराज सिंह उर्फ सुरेश यादव का स्वागत किया गया। अध्यक्षता अमृत लाल यादव और संचालन प्रदेश सचिव हुमायूं नईम खान ने किया। विधायक धर्मराज सिंह ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा और अधिकारियों की मिलीभगत से लोकतंत्र कमजोर हुआ है। भाजपा ने सत्ता में आते ही सब कुछ बर्बाद कर दिया। कार्यक्रम में विनोद यादव, हरिकरन यादव, पूर्व प्रधान बालकराम यादव, दीपक गुप्ता, विश्राम यादव, मोहम्मद उबैद, बाबुल मिश्रा, पप्पू यादव, शुशील यादव, एडवोकेट राम प्रताप यादव, राकेश यादव कोटेदार, जगजीवन राम, रामपाल यादव आदि थे।

धर्म परिवर्तन के आरोप में 7 लोग गिरफ्तार

हरदोई, अमृत विचार। हाथ में बाईबिल ले कर कैंडल मार्च निकाल पर धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी गई। एक्शन में आई पुलिस ने फौरी कार्रवाई करते हुए जांच में सामने आए 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर जांच शुरु कर दी है। बताया गया है कि साण्डी थाने के आदमपुर निवासी आदेश ने रविवार को पुलिस को दी तहरीर में कहा कि उसी थाने के भाऊपुरवा निवासी लाल सिंह उर्फ लालू ने लोगों को इकट्ठा किया, उसके बाद हाथ में बाईबिल लेकर कैंडल मार्च निकाला। आदेश ने धर्मांतरण का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट दर्ज होते ही एक्शन में आई साण्डी पुलिस ने जांच में सामने को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

शिक्षिका की हत्या का मुख्य आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

मसौली क्षेत्र में नहर के किनारे मिला था शव, दूसरा आरोपी भी दबोचा गया

कार्रवाई

संवाददाता, मसौली, बाराबंकी

मुठभेड़ में घायल मुख्य आरोपी को लाते पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मसौली थाना क्षेत्र में शिक्षिका की हत्या कर नहर किनारे शव फेंकने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। दूसरा आरोपी पुलिस के कब्जे में है। परिजन पहले ही आरोप लगा चुके कि दुष्कर्म के बाद महिला की हत्या की गई। वहीं पुलिस भी कह रही कि दुष्कर्म की बात सही है।

बताते चलें कि गत 20 सितंबर को थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला जो निजी स्कूल में शिक्षिका भी थी का शव गदवापुर व बेरिया गांव के बीच शारदा सहायक डबल नहर के किनारे मिला था। मृतका के सिर पर चोट के निशान मिले वहीं गला दबाकर हत्या की आशंका बलवती हो गई। परिजनों की तहरीर पर थाना मसौली में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर स्वाट, सर्विलांस और मसौली पुलिस की संयुक्त टीम ने मामले की तहकीकात की। सूचना के आधार पर शनिवार को पुलिस ने त्रिलोकपुर नहर पुलिया के पास घेराबंदी की। खुद को फंसता देख आरोपी राजू पुत्र मोल्हे राम निवासी अछैछा जहांगीराबाद ने पुलिस पर फायरिंग की। आत्मरक्षा में पुलिस की गोली लगने से वह घायल होकर पकड़ा गया। उसके कब्जे से एक तमंचा, कारतूस और मोटरसाइकिल बरामद हुई। घटना में शामिल दूसरा आरोपी विपेंद्र कुमार रावत पुत्र मनीराम रावत निवासी भटपुरवा थाना फतेहपुर को भी परिजनों की मदद से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी शिक्षिक के गांव के ही रहने वाले थे और पहले से परिचित थे। पुलिस के अनुसार आरोपी राजू 19 सितंबर की शाम को शिक्षिका को दवा दिलाने के बाद बिंदौरा चौराहे से अपनी बाइक पर बैठाकर घर लाने का बहाना कर ले गया था। बाद में उसकी हत्या कर शव नहर में फेंक दिया गया। राजू पर पूर्व में भी जघन्य अपराधों के मुकदमे दर्ज हैं और वह जेल जा चुका है। पुलिस भी मान रही कि दुष्कर्म के फेर में ही हत्या की गई है।

बेटे की मौत के सदमे में मां ने की आत्महत्या

संवाददाता, हरदोई, अमृत विचार। बीमार चल रहे बेटे की मौत से उसकी मां को ऐसा सदमा पहुंचा कि उसने खाना-पीना सब छोड़ दिया, उसी बीच शनिवार की शाम उसने कमरें का दरवाज़ा बंद कर साड़ी से फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। इसका पता होने पर पहुंची पुलिस ने दरवाज़ा तोड़ कर शव को बाहर निकाल कर उसे कब्जे में लिया। मझिला थाने के गुरथनिया मजरा सेमरावां निवासी सतीश चन्द्र की पत्नी विद्यावती ने शनिवार की शाम को कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने दरवाज़ा तोड़ कर शव को बाहर निकाला।

जुलूस रोकने गई पुलिस टीम पर पथराव

संवाददाता, शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के मनोहर नगर में रविवार रात पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच जमकर झड़प हुई। आई लव मोहम्मद के समर्थन में निकाले जा रहे जुलूस को रोकने पहुंची पुलिस पर लोगों ने पथराव कर दिया। इस दौरान इंस्पेक्टर की वर्दी के स्टार तक नोच लिए गए। हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ा और करीब आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया।

जानकारी के अनुसार, रविवार देर रात मनोहर नगर के सैकड़ों लोग आई लव मोहम्मद के समर्थन में जुलूस निकाल रहे थे। इसकी सूचना मिलते ही गंगाघाट कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन आक्रोशित भीड़ ने पुलिस से नोकझोंक शुरू कर दी और देखते ही देखते धक्का-मुक्की होने लगी। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए लाठीचार्ज किया। इसी बीच लोगो ने पुलिस दल पर पथराव शुरू कर दिया, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। भीड़ ने इंस्पेक्टर की वर्दी के स्टार तक नोच डाले। किसी तरह पुलिस टीम सुरक्षित बाहर निकली और आला अधिकारियों को घटनाक्रम की जानकारी दी। सूचना मिलते ही गंगाघाट, सदर कोतवाली, अचलगंज, बीघापुर समेत कई थानों की पुलिस फोर्स, दंगा नियंत्रण वाहन और पीएसी के जवान मौके पर पहुंचे। सीओ बीघापुर मधुपनाथ मिश्र और सीओ सफीपुर सोनम सिंह ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। देर रात तक पुलिस बल तैनात रहा और स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया। पुलिस ने बवाल के दौरान शामिल करीब आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया है। फिलहाल माहौल तनावपूर्ण है लेकिन स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हमारी पार्टी की सरकार बनी तो सभी खुशहाल होंगे: चंद्रशेखर

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार: भीम आर्मी, आजाद समाज पार्टी व काशीराम अस्तित्व बचाओ द्वारा सहादतगंज स्थित एक लॉन में प्रबुद्ध जन सम्मेलन का आयोजन किया गया। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि यदि हमारी पार्टी की सरकार बनती है तो शिक्षा, चिकित्सा, किसान व मजदूर सभी लोग खुशहाल होंगे। सभी से अपेक्षा की है कि वह आने वाले त्रिस्तरीय चुनाव में प्रधानी, बीडीसी, जिला पंचायत सदस्य और 2027 में विधानसभा चुनाव भारी बहुमत से जीत हासिल करें। इस कार्यक्रम में लगभग 5000 लोगों का जन सैलाब उमड़ा हुआ था। राष्ट्रीय हिस्सेदारी पार्टी के अध्यक्ष हेमंत मौर्य ने अपनी पूरी पार्टी को आजाद समाज पार्टी में विलय करने का ऐलान किया।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

मो0-9696715133

सूचना

मेरे शैक्षिक प्रमाण पत्रों एवं आई0डी0 में मेरा नाम इब्राहीम लिखा है परन्तु मैने वर्ष 2023 से अपना नाम मो0 इब्राहीम कर लिया है अब मैं मो0 इब्राहीम नाम का ही उपयोग करता हूँ और करूंगा अतः मुझे मो0 इब्राहीम नाम से ही जाना, पहचाना व सम्बोधित किया जाये। इब्राहीम व मो0 इब्राहीम एक ही व्यक्ति यानि मेरे नाम है। **मो0 इब्राहीम पुत्र स्व0 सोहराब अली नि0 616/92 अजीज नगर, मुर्गी फार्म रोड, लखनऊ**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं ने अपना नाम Adil Khan Mohammad से बदलकर Mohammad Adil Khan रख लिया है। भविष्य में मुझे Mohammad Adil Khan के नाम से जाना व पहचाना जाए। **Mohammad Adil Khan S/O Mohammad Tahir Khan ग्राम–शाहपरी, नरौली जिला–अयोध्या**

सूचना

सूचित किया जाता है कि पूर्व में सामाजिक एवं सरकारी अभिलेखों में मेरे पिता को मो. सगीर के नाम से जाना जाता था। अब मैं अपने पिता का नाम बदलकर मो. सईद करना चाहती हूँ। भविष्य में सभी कार्यों एवं दस्तावेजों में मेरे पिता का नाम मो. सईद ही मान्य होगा। **तरन्नुम बानो पुत्री मो.सईद, ग्राम – गुलरा, पोस्ट – मिर्जापुर चौहारी, थाना – रानीगंज, जिला – प्रतापगढ़** (उ.प्र.)

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं ABDUL RAB S/O ABDUL RAUF निवासी S/177/39-S पीर बाग कॉलोनी सक्ति नगर इंदिरा नगर कॉलोनी लखनऊ का रहने वाला हूं अब मैं अपना नाम बदलकर MOHD ABDUL RAB KHAN रख लिया है अब मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना हुआ पहचाना जाए।

अखिलेश दुबे के खिलाफ 4500 पन्नों की चार्जशीट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर , अमृत विचार। भाजपा नेता रवि सतीजा पर झूठा दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट का मुकदमा दर्ज कराकर 50 लाख की रंगदारी मांगने के मामले में अधिवक्ता अखिलेश दुबे, सहयोगी लवी मिश्रा के खिलाफ 4500 पन्नों की चार्जशीट तैयार हो गई है। गवाहों के बयान और कॉल डिटेल को आधार बनाकर चार्जशीट तैयार हुई है। बर्रा के जूही कला निवासी भाजपा नेता रवि सतीजा ने पुलिस कमिश्नर से खुद को झूठे मुकदमे में फंसाने की शिकायत की थी। इसके बाद मामले की जांच हुई और रवि सतीजा ने अखिलेश दुबे के खिलाफ दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट के आरोप में फंसाकर 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज कराया। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि अखिलेश ने सहयोगी लवी मिश्रा, विमल यादव, अभिषेक बाजपेई, शैलेंद्र यादव उर्फ टोनू और उनकी करीबी दो बहनों के माध्यम से झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई गई। जब मामले की जांच हुई तो झूठा मिलने पर पुलिस ने भाजपा नेता के पक्ष में फाइनल रिपोर्ट लगा दी। इसके बाद पुलिस कमिश्नर ने जांच एसआईटी को सौंपी, जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ बर्रा थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई और अखिलेश दुबे व लवी मिश्रा को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। वहीं भाजपा नेता ने बर्रा पुलिस पर अखिलेश के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया तो जांच नौबस्ता पुलिस को सौंप गई। पुलिस ने जांच के दौरान आरोपियों, आरोप लगाने वाली किशोरी व रिपोर्ट दर्ज कराने वाली उसकी बहन के बयान दर्ज किए गए।

रामलला और रामदरबार के दर्शन कर मन को मिला सुकून : नीरा

अयोध्या कार्यालय।

हनुमानगढ़ी में दर्शन करने पहुंचे भारत गौरव यात्रा ट्रेन से आए नीरा ह्रदेश, ह्रदेश नारायण व कौशांबी, दिल्ली, जयपुर से आए भक्तगण साथ में पुजारी सरोज दास।

अमृत विचार : राममंदिर में रामलला और रामदरबार के साथ-साथ हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन करने से जो सुकून प्राप्त हुआ वह अलौकिक और अद्वितीय है। इतना भव्य राममंदिर देख बहुत अच्छा लगा। मन को शांति मिली। ये बातें कौशांभी से रविवार को आये भक्त नीरा ह्रदेश और उनके पति ह्रदेश नारायण ने राममंदिर परिसर में कहीं। दोनों भारत गौरव यात्रा स्पेशल ट्रेन से अयोध्या आए थे।

● रामलला के दर्शन कर अभिभूत हुए भारत गौरव यात्रा स्पेशल ट्रेन से आए श्रद्धालु

आगरा से विभिन्न धार्मिक स्थलों से होते हुए भारत गौरव यात्रा स्पेशल ट्रेन रविवार सुबह अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पहुंची। ट्रेन से लगभग 800 भक्त आए थे। जहाँ सभी ने सिद्ध पीठ हनुमान गढ़ी, राम मंदिर, गुप्तारघाट समेत अन्य धार्मिक स्थलों पर दर्शन-पूजन किया। श्रद्धालु नीरा ह्रदेश और उनके पति ह्रदेश नारायण, पवन कुमार शर्मा, शकुंतला शर्मा, प्रभात गुप्ता, संध्या गुप्ता शामिल रहीं। भारतीय रेल और आईआरसीटीसी के द्वारा रामायण सर्किट धार्मिक यात्रा के तहत भारत गौरव यात्रा स्पेशल ट्रेन 13 सितम्बर को आगरा से चली थी। इस 10 दिवशीय यात्रा में गया (बिहार) में दर्शन-पूजन करने के बाद कोलकत्ता गंगासागर, काली मंदिर के बाद झारखण्ड के बैजनाथ धाम, जगन्नाथपूरी, काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन करने और गंगा आरती में शामिल होने के बाद अंतिम धार्मिक स्थल अयोध्या पहुंची। जहां राम जन्मभूमि मंदिर, हनुमानगढ़ी, सरयू घाट, नंदीग्राम भरत कुंड समेत अन्य मंदिर में दर्शन-पूजन किया। वहीं इस यात्रा में शामिल भक्तों ने सरकार की इस योजना का स्वागत किया। यात्रा में शामिल शकुंतला शर्मा ने बताया कि इस यात्रा के माध्यम से विभिन्न धार्मिक स्थलों पर दर्शन-पूजन करने का अवसर प्राप्त हुआ है। वहीं आईआरसीटीसी और भारतीय रेल की सुविधाओं पर आपत्ति जताई और कहा कि दोनों के बीच आपसी तालमेल सही न होने के कारण यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ट्रेन में एसी कोच और शयन कोच दो अलग-अलग श्रेणी के तहत यात्री सवार रहे।

चूहे ने रोकी फ्लाइट, तीन घंटे बाद मार गिराया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

(प्रतीकात्मक फोटो)

● यात्रियों को नीचे उतारकर हुई सर्चिंग, केमिकल डालकर मारा गया चूहा

● 2.55 बजे विमान को दिल्ली की भरनी थी उड़ान, तीन घंटे लेट गई फ्लाइट

अमृत विचार। शहर के चकेरी एयरपोर्ट पर उस समय हड़कंप मच गया जब रविवार दोपहर दिल्ली की उड़ान भरने से पहले जहाज में चूहा घुस गया। शोर मचने के बाद यात्रियों को नीचे उतारकर सर्चिंग शुरू की गई। तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद चूहे को केमिकल डालकर मारा गया और बाहर निकाला गया। इसके बाद फ्लाइट दिल्ली के लिए रवाना हो सकी। इस घटना के दौरान कई यात्री वापस हो गए।

कानपुर एयरपोर्ट पर इंडिगो की फ्लाइट रविवार को अपने तय समय पर दोपहर 2:10 बजे आई। यहां से दोपहर 2:55 बजे यह फ्लाइट दिल्ली के लिए उड़ान भरती है। उड़ान की तैयारी पूरी हो चुकी थी। यात्रियों को भी बैठाया जा चुका था। सभी यात्रियों के सवार होने के बाद पता चला कि विमान में एक चूहा घुस आया है।

क्रू मेंबर की नजर केबिन में घूमते एक चूहे पर पड़ी। चूहे की सूचना मिलते ही सभी यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फ्लाइट को रोक दिया गया। सभी यात्री विमान से नीचे उतारे गए। इसके बाद पूरे विमान में चूहे की तलाश में एयरपोर्ट स्टाफ को लगाया गया। टेक्निकल स्टाफ और ग्राउंड क्रू मेंबर ने मिलकर विमान के हर कोने की जांच की। तीन घंटे तक चूहे की तलाश की गई।

सभी यात्रियों को लाउंज में सुरक्षित भेजा

- इस पूरी घटना के बीच सभी यात्रियों को एयरपोर्ट लाउंज में भेज दिया गया था। देरी होने पर कुछ यात्रियों ने नाराजगी भी जताई। इस दौरान कई यात्रियों ने टिकट कैंसल करा दी और वापस चले गए।

दिल्ली जा रही फ्लाइट में चूहा देखा गया। जिसके बाद यात्रियों को उतारकर सर्च करने पर चूहे को केमिकल डाल मारकर बाहर निकाला गया। चूहा अंदर कैसे पहुंच यह जांच का विषय है। सभी यात्री सुरक्षित हैं। फ्लाइट तीन घंटे बाद रवाना की गई है।
– संजय कुमार, एयरपोर्ट डॉयरेक्टर

रेलवे ने शुरू की कार्गो सेवाएं बढ़ाई माल परिवहन की गति

नई दिल्ली, अमृत विचार : भारतीय रेलवे ने माल परिवहन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब समय-सारणी आधारित, वस्तु-विशेष कार्गो सेवाएं शुरू की गई हैं, जो उत्तर भारत के प्रमुख उत्पादन और खपत केंद्रों को जोड़ती हैं। इन सेवाओं का उद्देश्य ग्राहकों की संतुष्टि बढ़ाना, भरोसेमंद ट्रांज़िट समय सुनिश्चित करना और उद्योग-आधारित लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान करना है। नई सेवाओं में शामिल हैं। अन्नपूर्णा सेवा में लुधियाना से वाराणसी तक, 704 किमी, खाद्य अनाज का 17 घंटे में परिवहन। गति-वाहन सेवा : फर्रुख नगर हरियाणा से लखनऊ तक, 557 किमी, ऑटोमोबाइल्स का 28 घंटे में परिवहन, पहले 70 घंटे लगते थे। निर्यात कार्गो सेवा में गढ़ी से मुन्द्रा पोर्ट तक, 1061 किमी, कंटेनर का 32 घंटे में परिवहन अनंतनाग सीमेंट कार्गो सेवा में रूपनगर से अनंतनाग, 586 किमी, सीमेंट का 31 घंटे में परिवहन से इन सेवाओं की योजना बनाने में एफसीआई ऑटोमोबाइल ऑपरेटर, कंटेनर ट्रेन ऑपरेटर और पड़ोसी रेलवे जोन सहित सभी फ्रेट स्टेकहोल्डर्स के साथ व्यापक समन्वय किया गया।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता

षष्टम मण्डल सिंचाई कार्य लखनऊ

पत्रांक– 8846 /षष्टम/टी0एस0/टी–1–2/3/6 दिनांक: 16.09.2025

अल्पकालीन ई– प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना संख्या–02/एस0ई0–6/2025–26

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु आनलाईन http://etender.up.nic.in के माध्यम से टेक्निकल बिड/फाइनेंशियल बिड सिंचाई विभाग में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत सिविल कार्यो में दक्ष एवं अनुभव रखने वाले ठेकेदारों/प्रतिष्ठानों से दिनांक 30.09.2025 को अपरान्ह 13.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जिसकी टेक्निकल बिड दिनांक 30.09.2025 को अपरान्ह 15.00 बजे समिति द्वारा आनलाइन खोली जायेगी। तत्पश्चात अग्रिम तिथि एवं समय निर्धारित कर वित्तीय बिड उक्त समिति द्वारा खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनॉक 23.09.2025 को 11:00 बजे पूर्वान्ह से डाउनलोड/अपलोड/सबमिट किया जा सकता है। कार्यालय बन्द होने या छुट्टी होने की दशा में यह ई–निविदा अगले कार्यदिवस में उसी समय खोली जायेगी।

लाट सं0	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत जी0एस0टी0 रहित (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 ,स्टेशनरी एवं निविदा शुल्क सहित रू0 में)	पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	कासिमपुर राजबहा के कि0मी0 0.500 से कि0मी0 3.500 (बायीं पटरी) तक रोड नवीनीकरण का कार्य।	48.40	0.96	45	300+54+2000+484=2838	"बी" एवं उच्च
2	सण्डीला शाखा के कि0मी0 0.000 से कि0मी0 3.500, कि0मी0 9.464 से कि0मी0 10.664, कि0मी0 27.700 से कि0मी0 28.300, कि0मी0 48.250 से कि0मी0 49.900 के मध्य बायीं पटरी एवं कि0मी0 36.400 से कि0मी0 37.300 के मध्य दायीं पटरी सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य।	118.24	2.36	60	300+54+2000+1182=3536	"ए" एवं उच्च
3	हरदोई राजबहा के कि0मी0 29.650 से कि0मी0 30.650, कि0मी0 33.565 से कि0मी0 35.580 तथा कि0मी0 41.290 से कि0मी0 45.300 तक बायीं पटरी के नवीनीकरण का कार्य।	102.64	2.05	60	300+54+2000+1027=3381	"ए" एवं उच्च
4	सिहौना राजबहा के कि0मी0 9.315 से कि0मी0 10.220, कि0मी0 13.800 से कि0मी0 15.900 तथा कि0मी0 17.400 से कि0मी0 18.177 बायीं पटरी के नवीनीकरण का कार्य।	59.15	1.18	45	300+54+2000+592=2946	"बी" एवं उच्च
5	भदैचा राजबहा के कि0मी0 20.068 से कि0मी0 20.468, कि0मी0 22.700 से कि0मी0 23.700 व कि0मी0 25.000 से कि0मी0 29.335 तक बायीं पटरी के नवीनीकरण का कार्य।	76.72	1.53	45	300+54+2000+768=3122	"बी" एवं उच्च
6	हरदोई शाखा के कि0मी0 130.550 से कि0मी0 136.950, कि0मी0 138.050 से कि0मी0 143.000 तथा कि0मी0 146.500 से कि0मी0 148.635 तक बायीं पटरी के नवीनीकरण का कार्य।	194.88	3.89	60	300+54+2000+1949=4303	"ए" एवं उच्च
7	खजुरहरा अल्पिका के कि0मी0 3.000 से कि0मी0 6.250 तक बायीं पटरी के नवीनीकरण का कार्य।	38.71	0.77	45	300+54+2000+388=2741	"बी" एवं उच्च
8	सरेहरी राजबहा के कि0मी0 3.150 से कि0मी0 6.200 तक बायीं पटरी पर रोड के नवीनीकरण का कार्य।	46.21	0.92	45	300+54+2000+462=2817	"बी" एवं उच्च

नोट– निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्तें तथा विवरण वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

UP – 237953 **दिनांक:** 19/09/2025

विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

अधीक्षण अभियन्ता
षष्टम मण्डल सिंचाई कार्य लखनऊ

अमृत विचार

सोमवार, 22 सितंबर 2025

जीवन एक आकांक्षा है। इसका लक्ष्य पूर्णता की प्राप्ति के लिए प्रयास करना है। यही आत्म-साक्षात्कार है। अपनी कमजोरियों या अपूर्णताओं के कारण आदर्श को कम नहीं करना चाहिए।

-महात्मा गांधी

अब ट्रंप का वीजा वार

अमेरिका ने एच-1बी वीजा शुल्क को सालाना एक लाख डॉलर तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस कदम ने वैश्विक स्तर पर हलचल पैदा कर दी है। इस वीजा पर काम करने वाले भारतीय पेशेवरों की संख्या सर्वाधिक है, इसलिए इस निर्णय का सीधा असर भारतीय समुदाय पर पड़ेगा। यह कदम न केवल भारतीय आईटी कंपनियों को प्रभावित करेगा, बल्कि अमेरिका और भारत के बीच आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संबंधों पर भी नई चुनौती खड़ी करेगा। एच-1बी वीजा भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए अमेरिका की अर्थव्यवस्था में योगदान का सबसे अहम माध्यम रहा है। हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक और प्रबंधक हर वर्ष इस वीजा के जरिए अमेरिका पहुंचते हैं और वहां की कंपनियों के लिए अपनी विशेषज्ञता उपलब्ध कराते हैं। भारतीय कंपनियां जैसे इंफोसिस, टीसीएस और विप्रो अमेरिका में अपनी सेवाएं संचालित करती हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देती हैं। शुल्क वृद्धि से इन कंपनियों की लागत बढ़ेगी, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति कमजोर हो सकती है। परिणामस्वरूप वे या तो अमेरिकी बाजार से दूरी बना सकती हैं या अपने कर्मचारियों की संख्या घटा सकती हैं।

इस कदम से भारत की युवा पीढ़ी के सपनों पर भी गहरी चोट पहुंचेगी। अमेरिका लंबे समय से प्रतिभाशाली भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। महंगी फीस और कठिन वीजा प्रक्रिया के बावजूद वे अमेरिका जाते हैं, ताकि बेहतर अवसर पा सकें, लेकिन यदि वीजा शुल्क इतना अधिक होगा, तो यह अवसर केवल धनी वर्ग तक सीमित रह जाएगा। मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए यह सपना टूटने जैसा होगा। इससे प्रतिभा पलायन की दिशा बदल सकती है और भारतीय युवाओं का ध्यान यूरोप, ऑस्ट्रेलिया या एशियाई देशों की ओर मुड़ सकता है। इस घोषणा का समय भी उल्लेखनीय है। आदेश 21 सितंबर 2025 से लागू होगा। कई भारतीय परिवार दिवाली की यात्रा पर थे। कई शादियां और पारिवारिक समारोह तय थे, जो अब प्रभावित होंगे। भारत सरकार ने सही कदम उठाते हुए इस विषय पर अमेरिका से उपयुक्त समाधान की मांग की है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय पेशेवरों का योगदान अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इस नीति से दोनों देशों के रिश्तों पर नकारात्मक असर पड़ेगा।

ट्रंप प्रशासन का तर्क है कि वे अमेरिकी नागरिकों के लिए रोजगार सुरक्षित करना चाहते हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि भारतीय पेशेवर अमेरिकी कंपनियों के लिए केवल सस्ती श्रमशक्ति नहीं हैं, बल्कि वे नवाचार, शोध और प्रतिस्पर्धा में भी अहम भूमिका निभाते हैं। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी जैसी बड़ी कंपनियों के नेतृत्व में भारतीय मूल के लोग शामिल हैं। ऐसे में प्रतिभा को हतोत्साहित करना अमेरिका के दीर्घकालिक हितों के खिलाफ होगा। भारत को भी इस अवसर का उपयोग करना चाहिए। यदि अमेरिका में राह कठिन होती है, तो सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर भारतीय युवाओं के लिए अपने देश में ही उपयुक्त अवसर पैदा करें।

चुनाव सुधार व 'हम भारत के लोग'

अनिल त्रिगुणायत

लखनऊ

विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक व बहुदलीय प्रणाली वाले देश भारत में चुनाव सुधार पर चर्चा-ए-खास जोरों पर है। जिस देश में विभिन्न जाति, धर्म व संप्रदाय के लोग रहते हों। जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाई-भतीजावाद का भाव रच-बस गया हो, वहां सभी को एका के सूत्र में पिरो पाना खासा दुरूह है। 'कोस-कोस पर बदले पानी-चार कोस पर बानी' वाले देश में प्रक्रियागत, पारदर्शी चुनाव करा लेना व आधिकारिक महत्ता पा लेना चुनाव आयोग के लिए 'पत्थर पर दूब उगाने' की ही भांति है। इधर, राष्ट्रीय दलों के अलावा क्षेत्रीय दलों के कुछ बड़े नेताओं के अतिरिक्त सुप्रीम कोर्ट भी केंद्रीय चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा करते दिख रहा है।

दोनों संवैधानिक संस्थाओं के मध्य प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से आरोप-प्रत्यारोप व अहम का टकराव भी परिलक्षित हो रहा है। किंतु, दोनों संस्थाएं देश में चुनाव सुधार व सशक्त लोकतंत्र को सतत् प्रयत्नशील भी हैं, लेकिन देश के जागरूक नागरिक अपनी सुधारात्मक भूमिका से कब तक आंखे फेरे रहेंगे? राष्ट्रीय कर्तव्य बोध, जिम्मेदारी, उत्तरदायित्व व योगदान से कब तक विमुख रहेंगे? मतदाता सूची में वास्तविक नाम डलवाने, फाल्स वोट देने वालों को चिन्हित करने, सिस्टम का साथ देने के अलावा भ्रामक/गलत गतिविधियों को रोकने को क्या उन्हें भी आगे नहीं आना चाहिए? आखिर हम 'सिस्टम' को कब तक और क्यों कोसते रहेंगे?

भारत में चुनाव आयोग (वर्ष 1950 में स्थापना) एक संवैधानिक संस्था है। इस स्वायत्तशासी संस्था का उल्लेख भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 में तार्किकता के साथ वर्णित है। राज्य विधानसभाओं, राज्यसभा व लोकसभा के लिए चुनाव कराने के अलावा मतदाता सूची तैयार करवाने को यह संस्था पूर्णरूपेण जिम्मेदार होती है। उक्त चुनावों के समय सभी प्रकार की शक्तियां इसमें निहित होती हैं। अर्थात केंद्र/राज्यों के सरकारी तंत्र इसके द्वारा ही संचालित होते हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग सुव्यवस्था के लिए राज्यों के निर्वाचन आयोगों का भी 'वाच डाग' होता है, जिस देश में मतदाताओं की संख्या करीब 99.1 करोड़ (वर्तमान) हो। वहां संतुलन बनाए रखना व सभी को पूरी तरह संतुष्ट करना आसान तो नहीं।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में 25 अक्टूबर 1951 से 21 फरवरी 1952 के बीच पहला आम चुनाव कराया गया था। वर्ष 1951 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल आबादी करीब 36 करोड़ 11 लाख थी। इनमें से आयोग ने 17,32,12,343 मतदाताओं का पंजीकरण किया था। आज भारत की कुल जनसंख्या करीब 140 करोड़ अनुमानित है। वर्ष 2024 में 18वीं लोकसभा चुनाव में करीब 65 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया व विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसमें पुरुषों का मतदान प्रतिशत 65.8 व महिलाओं का करीब 65.78 प्रतिशत था। आश्चर्य यह है कि चुनाव आयोग 65 करोड़ मतदाताओं को सहेजते हुए बिना राग-द्वेष के स्वतंत्र, निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव कैसे करा लेता है? बावजूद इसके उस पर सवालिया निशान लगते ही रहते हैं। हमारे लिए यह अत्यंत विचारणीय है।

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम-1950 व 1951, निर्वाचक पंजीकरण नियम-1960, परिसीमन अधिनियम-2002 में चुनाव सुधार की बात तो है ही, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के माध्यम से चुनाव कराने की व्यवस्था दूर दृष्टि का परिणाम भी। जहां विधि आयोग की रिपोर्ट (2015) ने सुधार के अनेकानेक उपाय बता रखे हैं, वहीं एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के आंकड़े देश की राजनीति में बढ़ते अपराधीकरण की बानगी पेश करते हैं। उदाहरणार्थ, वर्ष 2024 में निर्वाचित सांसदों में से 46 प्रतिशत के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन सांसदों में से 31 प्रतिशत तो ऐसे हैं, जिन पर अपहरण, दुष्कर्म व हत्या के संगीन आरोप हैं। सुधार की कड़ी में चुनाव आयोग ने यूं तो पिछले दो माह में 808 पंजीकृत, किंतु गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को अपनी सूची से हटाकर सुधार के लिए सकारात्मक संदेश दिया है। इनमें से यूपी में 121, महाराष्ट्र में 44, तमिलनाडु में 42 व दिल्ली में 40 राजनीतिक दल प्रमुख हैं।

भारत में वर्ष 1967 में क्षेत्रीय दलों का उदय हुआ, जो आज बहुदलीय प्रणाली को अवलंब दे रही हैं। राष्ट्र भाव से ओतप्रोत स्पष्ट विचारधारा तो कुछ दलों के लिए 'दूर की कौड़ी'। ऐसे दल या तो सत्ता में भागीदारी चाहते हैं या सत्ता पर कब्जा। कुछ राजनीतिक दल धर्म, जाति, भाषा, संस्कृति आदि के आधार पर बनाए जाते हैं, जो एक निश्चित समुदाय व वर्ग के हितों को बढ़ावा देते हैं या केंद्र में किसी राष्ट्रीय दल को समर्थन दे अपना हित साधते हैं। यूपी, उड़ीसा, तमिलनाडु, पंजाब, आंध्र प्रदेश, केरल, बिहार व झारखंड के कुछ राजनीतिक दलों को उदाहरण के रूप में देखा/समझा जा सकता है। आयोग चुनावी प्रदर्शन के आधार पर ही राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय दलों के रूप में मान्यता प्रदान करता है। राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय दल की मान्यता के लिए वोट प्रतिशत व सीटों के मानक का निर्धारण करता है। राजनीतिक दलों के नेताओं को संसद या विधानसभाओं में जनता ही चुनकर भेजती है।

यह समीचीन है कि चुनाव सुधार को लेकर आयोग से मानवीय/तकनीकी चूक हुई हो, या हो रही हो! उक्त मुद्दों पर मौलिक अधिकारों की संरक्षक सुप्रीम कोर्ट हमारे साथ खड़ी हो, लेकिन हम भारत के लोगों को भी तो संदर्भित सुधारात्मक प्रक्रिया में रचनात्मक/सकारात्मक योगदान देना चाहिए। जान लें, सरकारी सिस्टम हमारी सुविधा के लिए ही है। इसके सशक्तिकरण में ही प्रजातंत्र और हमारा हित सुरक्षित है।

'कोस-कोस पर बदले पानी-चार कोस पर बानी' वाले देश में प्रक्रियागत, पारदर्शी चुनाव करा लेना और आधिकारिक महत्ता पा लेना चुनाव आयोग के लिए 'पत्थर पर दूब उगाने' की तरह है।

आमने

आरजेडी के युवराज तेजस्वी यादव के मंच से प्रधानमंत्री की मां को गाली दी गई है। लगता है कि 1990 के दशक में जो जंगलराज था उसका संस्कार अभी भी तेजस्वी यादव से हटा नहीं है। वही संस्कार लिए तेजस्वी यादव के मंचों से गाली दी गई।

-गिरिराज सिंह
केंद्रीय मंत्री

सामने

बीजेपी के लोग जो वीडियो डाल रहे हैं, उसमें नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के भाषण की आवाज नहीं है। वीडियो में ऑडियो को तोड़-मरोड़ कर बदनाम करने की साजिश रची गई है। ओरिजनल वीडियो मेरे फेसबुक पेज पर है, सुन सकते हैं।

-मुकेश रोशन
आरजेडी नेता

जैव विविधता बनाए रखने के लिए जरूरी है गैंडा

डॉ. जितेंद्र शुक्ला

वन्यजीव विशेषज्ञ

गैंडा विशेष रूप से एक सींग वाला एशियाई गैंडा, न केवल आकार में विशाल होता है, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र में इसकी भूमिका भी अत्यंत विशाल और महत्त्वपूर्ण होती है। यह शाकाहारी जीव अपने प्राकृतिक आवास में जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में निर्णायक भूमिका निभाता है। भारत में मुख्य रूप से असम, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में पाए जाने वाले गैंडे, अपने व्यवहार और आहार की प्रकृति के कारण पारिस्थितिक तंत्र के लिए एक 'कीस्टोन प्रजाति' माने जाते हैं। इसका अर्थ यह है कि यदि गैंडा पारिस्थितिकी तंत्र से समाप्त हो जाए, तो उससे पूरे जैविक संतुलन पर गहरा असर पड़ सकता है। इसके संरक्षण को प्रोत्साहन देने के लिए 22 सितंबर को विश्व गैंडा दिवस मनाया जाता है।

गैंडे मुख्य रूप से घास, झाड़ियां, जल पौधे और पत्तियां खाते हैं। इनके इस आहार-व्यवहार के कारण घास के मैदानों का प्राकृतिक प्रबंधन होता है। जब गैंडा घास को आहार के रूप में लेता है, तो वह कुछ खास प्रकार की घासों को नियंत्रित करता है, जिससे जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है। इससे अन्य शाकाहारी प्रजातियों जैसे हिरन, बारहसिंगा और नीलगाय को भी बेहतर भोजन और आवास मिल पाता है।

गैंडे के मल-मूत्र में बीज होते हैं, जो उनके भ्रमण के दौरान इधर-उधर फैलते हैं। इससे पौधों का प्राकृतिक प्रसार होता है और भूमि की उर्वरता में वृद्धि होती है। इस प्रकार गैंडा एक प्रकार से बीज फैलाने वाला और पर्यावरणीय संरचना को बनाए रखने वाला जीव भी बन जाता है।

गैंडों के कारण जंगलों और घास के मैदानों में खुले रास्ते और प्राकृतिक गलियां बनती हैं, जिससे छोटे जानवरों की आवाजाही आसान हो जाती है। उनके पैरों से बनी मिट्टी की पगडंडियां जल निकासी में मदद करती हैं, जिससे वर्षा के मौसम में दलदली क्षेत्रों में जल जमाव नहीं होता। यह जल प्रवाह पारिस्थितिकीय स्थिरता बनाए रखने में सहायक होता है। साथ ही, गैंडे द्वारा बनाए गए छोटे जल गड्ढे, पक्षियों और छोटे जीवों के लिए जल स्रोत के रूप में कार्य करते हैं।

गैंडे का अस्तित्व जैव विविधता को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। जब कोई शीर्ष प्रजाति, जो खाद्य श्रृंखला में महत्त्वपूर्ण स्थान रखती है, पारिस्थितिकी तंत्र से गायब हो जाती है, तो उसके प्रभाव से अनेक अन्य प्रजातियों का जीवन भी खतरे में पड़ जाता है। उदाहरण के लिए, यदि गैंडे नहीं होंगे, तो घास की कुछ प्रजातियां अत्यधिक फैल जाएंगी, जिससे जैव विविधता घटेगी और छोटे जानवरों का आवास प्रभावित होगा। यह वनस्पतियों और जीवों के बीच प्राकृतिक प्रतिस्पर्धा के संतुलन को बिगाड़ सकता है। पारिस्थितिकी तंत्र में गैंडे की उपस्थिति जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध एक अप्रत्यक्ष रक्षा कवच भी है। उनके कारण घास के मैदान सुरक्षित रहते हैं, जिससे कार्बन अवशोषण की प्रक्रिया तेज होती है। इससे वैश्विक तापमान वृद्धि की दर को नियंत्रित करने में भी सहायता मिलती है।

वर्तमान समय में गैंडे की प्रजाति संकटग्रस्त स्थिति में है। अवैध शिकार, आवास का नाश, जलवायु परिवर्तन और मानव-वन्यजीव संघर्ष के कारण गैंडों की संख्या सीमित हो गई है। गैंडा के सींग की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारी मांग के कारण यह शिकारियों के निशाने पर रहता है। यदि गैंडों को संरक्षित नहीं किया गया, तो पारिस्थितिकीय असंतुलन की स्थिति और भी गंभीर हो सकती है, इसलिए गैंडों का संरक्षण न केवल एक प्रजाति को बचाने का कार्य है, बल्कि यह संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित रखने का प्रयास भी है।

भारत सरकार और विभिन्न राज्यों ने गैंडों के संरक्षण के लिए कई योजनाएं चलाई हैं, जैसे गैंडा पुनर्वास कार्यक्रम, विशेष निगरानी क्षेत्र और वन्यजीव अपराध नियंत्रण प्रयास। उत्तर प्रदेश का दुधवा टाइगर रिजर्व इस दिशा में एक शानदार उदाहरण है, जहां गैंडों को फिर से बसाकर उनका सफल संरक्षण किया गया है। ऐसे प्रयास न केवल जैव विविधता की रक्षा करते हैं, बल्कि पारिस्थितिकीय चेतना को भी जन-जन तक पहुंचाते हैं।

दुधवा नेशनल पार्क, उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में स्थित है और यह भारत के महत्वपूर्ण वन्यजीव अभयारण्यों में से एक माना जाता है। यहां की जैव विविधता, हरियाली और शांत वातावरण इसे विशेष बनाते हैं। भारत में एक सींग वाला गैंडा कभी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों में व्यापक रूप से पाया जाता था। परंतु शिकार, प्राकृतिक आवास की कमी और मानव हस्तक्षेप के कारण इसकी संख्या तेजी से घटने लगी। 20वीं सदी के मध्य तक उत्तर भारत से यह लगभग विलुप्त हो चुका था। ऐसी स्थिति में एक स्थायी समाधान की आवश्यकता थी, ताकि इस अद्भुत जीव को फिर से प्राकृतिक परिवेश में बसाया जा सके।

दुधवा में गेंडे का पुनर्वास इसी सोच का परिणाम है। यह आवश्यक है कि हम गैंडों के महत्व को केवल एक आकर्षक जीव के रूप में न देखें, बल्कि उन्हें पारिस्थितिकी तंत्र के एक अनिवार्य अंग के रूप में समझें। उनके संरक्षण में ही हमारे वनों, जलवायु, जैव विविधता और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित है।

अतीत में दुश्मन की तलवार से रक्षा के लिए इस्तेमाल होने वाली ढाल गैंडे की खाल से बनाई जाती थी। युद्ध के मैदान में ढाल बना गैंडा आज स्वयं के अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है।

प्रसंगवश

नौदिवसीय अंतर्मन की यात्रा है नवरात्रि पर्व

शारदीय नवरात्रि आज 22 सितंबर से आरंभ हो रहे हैं। मां दुर्गा की उपासना का यह पर्व देश भर में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। मातृशक्ति को समर्पित इस पर्व में जनजीवन में ऊर्जा की स्थापना होती है। मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा के द्वारा शक्ति की याचना की जाती है। समाज में फैले विकारों के उन्मूलन के लिए पवित्र विचारों की सृष्टि का निर्माण इस पर्व पर होता है। आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि का पावन पर्व शुरू हो जाएगा। माँ दुर्गा के एक एक स्वरूप की हर दिन पूजा अर्चना का विधान है। 'यं यं चिन्तयति कामं तं तं प्राप्नोति निश्चितम्' ऐसा श्लोक दुर्गा सप्तशती में आता है, जिसका अर्थ है कि मां की उपासना उनके भक्तों की सभी इच्छाएं पूरी कर देती हैं। देवी भागवत में एक प्रसंग आता है, जिसमें मां भगवती भगवान श्रीकृष्ण के ऊपर आए संकट को टालती हैं।

रमा निवास तिवारी

लेखक

बात उस समय की है जब भगवान श्रीकृष्ण द्वारिकाधीश हुए। उनके राज्य में सतराजीत नाम का एक व्यक्ति था, जो सूर्य जी का उपासक था। सूर्य देव ने उसकी पूजा से प्रसन्न होकर उसे स्यामंतक नाम की मणि भेंट की, जो रोज स्वर्ण मुद्राओं को देने वाली थी। जब श्रीकृष्ण को इस बात की खबर लगी तो उन्होंने सतराजीत से वह मणि यह कहकर मांगी कि इस मणि की उसे क्या आवश्यकता है। यह मणि राजा के पास रहेगी तो राजकोष समृद्ध होगा, लेकिन सतराजीत ने भगवान श्रीकृष्ण को स्यामंतक मणि देने से इंकार कर दिया। कथा आती है कि उसी के बाद एक दिन अचानक सतराजीत का मृत शरीर जंगल में प्राप्त हुआ और स्यामंतक मणि का कोई अता-पता नही लग रहा था।

लोगों में यह बात फैल गई कि मणि को जबरन प्राप्त करने के लिए कृष्ण जी ने सतराजीत को मार दिया होगा और मणि स्वयं रख ली होगी। सच्चाई का पता लगाने के लिए श्रीकृष्ण जंगल की ओर प्रस्थान कर गए। कुछ दिन जब वापस नहीं लौटे, तो वसुदेव ने मां भगवती की विशेष पूजा की और भगवान श्रीकृष्ण जंगल से सकुशल मां भवानी की कृपा से आ गए और मणि चोरी का लांछन भी उनके ऊपर से हट गया।

हम जीवों की कोई क्या कहे, मां की करुणा तो देवताओं का भी उद्धार करती रही हैं। महिषासुर और शुंभ निशुंभ जैसे दुर्दांत दैत्यों का विनाश करने वाली भगवती की कृपा उनके भक्तों के सभी आदिदैविक, आदिभौतिक और आदिदैविक कष्टों का निवारण कर देती हैं। मां की कृपा, करुणा अपरंपार है। नवरात्रि के पावन अवसर पर माता के चरणों में अपना सुख दुःख निवेदित करने को माता के भक्त तैयार हैं। गांव-गांव शहर-शहर माता की सुंदर झांकियों के पंडाल सजाए जा रहे हैं, जहां नवरात्रि भर मां की ममता भरी छांव में भजन कीर्तन और स्तवन का क्रम चलता रहेगा।

बालिकाओं को माता के रूपों में देखने की दृष्टि भी नवरात्रि के पर्व पर समाज को मिलती है। दुर्गा पूजा के बहाने ही सही नारी सम्मान की अवधारणा की एक लकीर भी स्वतः खिंचती दिखाई देती है। दुर्गा पूजा समाज को नारी शक्ति का एहसास भी कराती है। नवरात्रि पर्व केवल आध्यात्मिक अर्थों में ही सीमित नहीं रह जाता, बल्कि सामाजिक स्तर पर वह व्यक्ति-व्यक्ति के अंतर्मन की नौदिवसीय यात्रा है, जिसमें उसके जीवन की मलिनता का परिष्करण एक-एक दिन करके होती है और नौदिवसीय इस मानसिक विकारों के शोधन के उपरांत जब अंतस में सद्गुणों का प्रादुर्भाव हो जाता है, तो विजयादशमी के दिन अज्ञानता और अवगुणों का रावण मारा जाता है।

सोशल फोरम

यूरोपः सांस्कृतिक उत्सव है यहां फुटबाल का खेल

यूरोप में फुटबॉल केवल एक खेल नहीं है। यह एक धर्म, एक संस्कृति और एक जीवन शैली है। यह एक ऐसा जुनून है जो उम्र, लिंग और सामाजिक सीमाओं को पार करता है, जो लोगों को एकजुट करता है और उन्हें भावनाओं के रोलरकोस्टर पर ले जाता है। यूरोप में फुटबॉल की दीवानगी को समझने के लिए हमें इसके ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व को देखना होगा।

अभिजीत 'जनार्दन'

ब्लॉगर

फुटबॉल की जड़ें यूरोप में गहरी हैं। 19वीं सदी में इंग्लैंड में आधुनिक फुटबॉल का जन्म हुआ और जल्द ही यह पूरे महाद्वीप में फैल गया। फीफा (Fdration Internationale de Football Association) की स्थापना 1904 में पेरिस में हुई और तब से यूरोप फुटबॉल का वैश्विक केंद्र बना हुआ है। यूईएफए चैंपियंस लीग, प्रीमियर लीग, ला लीगा और बुंडेसलीगा जैसे टूर्नामेंट और लीग ने फुटबॉल को एक वैश्विक विषय बना दिया है।

यूरोप में फुटबॉल केवल 90 मिनट का खेल नहीं है, यह एक सामाजिक घटना है जो समुदायों को एकजुट करती है। स्टेडियम में हजारों प्रशंसकों का एक साथ नारे लगाना, अपने क्लब के रंगों में सजना और हर गोल पर उन्मादपूर्ण उत्सव मनाना- यह सब फुटबॉल की दीवानगी का हिस्सा है।

क्लब- जैसे मैनचेस्टर यूनाइटेड, बार्सिलोना, रियल मैड्रिड और बायर्न म्यूनिख न केवल खेल की संस्थाएं हैं, बल्कि स्थानीय और राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक भी हैं। प्रशंसकों के बीच यह जुनून पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होता है। एक बच्चा अपने परिवार के साथ पहला मैच देखता है और उसका पसंदीदा क्लब उसके दिल में हमेशा के लिए बस जाता है। यह दीवानगी केवल स्टेडियम तक सीमित नहीं है। पब, कैफे और घरों में लोग टीवी स्क्रीन के सामने इकट्ठा होते हैंय हर पास, हर टैकल और हर गोल पर भावनाओं का ज्वार उमड़ता है। यूरोप में फुटबॉल एक विशाल उद्योग है। प्रीमियर लीग जैसे टूर्नामेंट अरबों डॉलर की कमाई करते हैं और खिलाड़ी जैसे लियोनेल मेसी, क्रिस्टियानो रोनाल्डो और ब्रूनो फर्नांडीस वैश्विक सुपरस्टार हैं। प्रशंसक पसंदीदा खिलाड़ियों की जर्सी, स्कार्फ और अन्य मर्चेंडाइज खरीदने के लिए लाखों खर्च करते हैं।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

ऐसा तो कभी भी नहीं था हमारा पहाड़!

उत्तराखंड में 15 सितंबर को देहरादून और उसके बाद 18 सितंबर को गोपेश्वर चमोली में मानसूनी बारिश के कारण हुई जबरदस्त तबाही ने धराली और थराली के साथ ही कुमाऊं क्षेत्र में आई आपदा से मिले जख्मों को फिर से ताजा कर दिया है। 15 सितंबर की बारिश के बाद आपदा के कारण जहां दो दर्जन से अधिक लोगों की जान चली गई। कई लोग लापता और घायल हो गए। अभी यहां राहत और बचाव कार्य चल ही रहा है कि चमोली के गोपेश्वर में आपदा का पहाड़ टूट पड़ा। इसमें सात लोगों की मौत होने की खबर है और 45 घर तबाह हो चुके हैं।

पहाड़ों में लगातार हो रही इन आपदाओं ने एक बार फिर हमें सोचने पर मजबूर कर दिया है कि दिन-प्रतिदिन विकराल होती और एक के बाद एक हो रही इन आपदाओं का मूल कारण क्या हैं? या यूं भी कह सकते हैं कि सब कुछ जानने-समझने के बाद भी समय रहते ठोस उपाय नहीं हुए और हालात अब एक तरह से बेकाबू हो चुके हैं। पहाड़ों में आपदाएं तो आती रही हैं, लेकिन उनका स्वरूप इतना विस्तृत क्षेत्र तक नहीं था और न ही वह इतनी विकराल थीं। आधुनिक विकास के नाम पर जहां-जहां भूखनन और वन माफिया पहुंचा वहां-वहां पीछे से आपदा भी पहुंच गई।

हरीश उप्रेती करन

लेखक

गौर करें तो हमारे बचपन का पहाड़ आज की तरह कष्टकारी और जीवन लीलने वाला नहीं था। मेरा पहाड़ बहुत खूबसूरत, शांत और सुखदाई था, लेकिन न जाने किसकी नजर लग गई पहाड़ को! अब तो जिधर देखो उधर मौतों का, तबाही का खौफनाक मंजर नजर आता है। हां, बारिश तो तब भी होती थी, लगातार सात दिन तक मूसलाधार बारिश, जिसको हम सतझड़ कहते थे। मेरे गांव के चारों तरफ के गधेरे पानी से लबालब किसी गुस्सैल सांप की तरह सरसराते हुए निकल जाते और सामने की पहाड़ियों पर भी कुछ ऐसा ही नजारा होता, गधेरे ही गधेरे और पानी ही पानी।

पहाड़ी का नजारा ऐसा होता, मानो एक पहाड़ी से दर्जनों झरने फूट पड़े हों, लेकिन तब तो कभी ऐसी भीषण तबाही नहीं हुई। तब तो किसी का जीवन नहीं लीला और न ही किसी का घर जमींदोज हुआ, लेकिन आज पहाड़ को माफियाओं की नजर लग गई। खनन माफियाओं की नजर नदी-नालों तो वन माफियाओं की पेड़ों पर है। भू माफिया खेत खलिहानों और पहाड़ों को काट-काटकर बड़ी-बड़ी अट्टालिकाएं बनाकर प्रकृति से मिला सुख चैन लूटकर पैसा कमा रहे हैं। उन्हें किसी के मर जाने, मिट जाने की परवाह नहीं है और न किसी के तबाह हो जाने की। वे तो पैसों से अपना घर भरकर मौज काट रहे हैं और पहाड़ों का सीना चीरने के बाद प्रकृति के रौद्र रूप का शिकार स्थानीय लोग ही बनते हैं। कौन जाने उन स्थानीय लोगों का दर्द। मंदिरों को भी पर्यटक स्थल बनाकर देवी-देवताओं की शांति और एकांत में खलल डाला जा रहा है।

धन की चाह में माफिया, पहाड़ों की शांति, सुख, चैन, हरियाली और प्राकृतिक संपदा को नष्ट करने पर तुले हैं, लेकिन कोई भी उसे रोकने वाला नहीं है, क्योंकि बहती गंगा में सभी हाथ धो लेना चाहते हैं और भर लेना चाहते हैं नोटों से अपना घर। देश-विदेश के सैलानी शीतकालीन पर्यटन और साहसिक खेलों के लिए उत्तराखंड आते हैं। हमें पहाड़ के विकास के लिए विनाशकारी फैसलों से बचना होगा, क्योंकि उत्तराखंड के लिए राजस्व का एक बड़ा हिस्सा पर्यटन से ही आता है, लेकिन जब पहाड़ ही सुरक्षित नहीं होंगे तो सुखद पर्यटन की कल्पना बेमानी होगी।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***

0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

हाइड्रोजन बदलेगा परिवहन का भविष्य

दुनिया आज ऊर्जा संकट और जलवायु परिवर्तन के दबाव में घिरी हुई है। प्रदूषण, बढ़ता कार्बन उत्सर्जन और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता ने मानवता को वैकल्पिक और टिकाऊ ऊर्जा साधनों की ओर मोड़ दिया है। बैटरी आधारित इलेक्ट्रिक वाहनों ने परिवहन क्षेत्र में नई क्रांति की शुरुआत की है, लेकिन अब हाइड्रोजन आधारित गाड़ियां-फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक व्हीकल या एफसीईवी-धीरे-धीरे इस क्षेत्र में अपनी जगह बना रही हैं। इन वाहनों से न केवल परिवहन का स्वरूप बदल सकता है, बल्कि यह पूरी ऊर्जा व्यवस्था को भी नई दिशा दे सकते हैं। भारत भी इस दिशा में तेज़ी से कदम बढ़ा रहा है और आने वाले वर्षों में वैश्विक परिदृश्य में अहम भूमिका निभा सकता है। भारत का परिवहन पारंपरिक ईंधन से स्वच्छ, टिकाऊ और बहु-ऊर्जा समाधानों की दिशा में बढ़ रहा है। भारत की सड़कों पर लंबे समय से पेट्रोल और डीज़ल वाहनों का राज रहा है। ये वाहन देश की गतिशीलता का आधार रहे हैं, लेकिन बढ़ते प्रदूषण और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता ने धीरे-धीरे चिंता बढ़ा दी। हाल ही में E20 पेट्रोल को लेकर सार्वजनिक और तकनीकी चर्चाएं तेज़ हो गईं।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

आम लोगों और विशेषज्ञों ने इसके इंजन संगतता, प्रदर्शन और दीर्घकालिक भरोसे को लेकर सवाल उठाए। ऐसे में यह स्पष्ट हो गया कि केवल पारंपरिक ईंधन में बदलाव-चाहे वह E20 ही क्यों न हो-दीर्घकालीन समाधान नहीं दे सकता।

हाइड्रोजन वाहनों का संचालन सरल

हाइड्रोजन वाहनों का संचालन सरल दिखता है, लेकिन तकनीक बेहद दिलचस्प है। कार में एक विशेष टैंक में हाइड्रोजन गैस भरी जाती है। जब यह फ्यूल सेल में हवा से आने वाले ऑक्सीजन के संपर्क में आती है, तो रासायनिक प्रतिक्रिया होती है और बिजली उत्पन्न होती है। यही बिजली मोटर को चलाती है। उप-उत्पाद केवल जल वाष्प है-कोई धुआं, कोई कार्बन नहीं। यही कारण है कि हाइड्रोजन वाहनों को भविष्य का वाहक कहा जाता है।

दुनिया का अधिकांश हाइड्रोजन प्राकृतिक गैस से तैयार होता है, जिसे ग्रे हाइड्रोजन कहा जाता है। इसमें भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन होता है। अगर प्राकृतिक गैस से हाइड्रोजन बनाते समय कार्बन कैप्चर तकनीक का इस्तेमाल किया जाए तो यह ब्लू हाइड्रोजन कहलाता है। सबसे टिकाऊ विकल्प है ग्रीन हाइड्रोजन, जो सौर या पवन ऊर्जा जैसी नवीकरणीय ऊर्जा से इलेक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया द्वारा बनता है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की "ग्लोबल हाइड्रोजन रिव्यू 2024" के अनुसार, 2023 में वैश्विक उत्पादन लगभग 97 मिलियन टन रहा, लेकिन ग्रीन हाइड्रोजन का हिस्सा अभी भी 1 प्रतिशत से भी कम है। यही कारण है कि लागत कम करना और बड़े पैमाने पर ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन आज की सबसे बड़ी चुनौती है।

चुनौतीपूर्ण है भंडारण और परिवहन

भंडारण और परिवहन भी चुनौतीपूर्ण हैं। हाइड्रोजन हल्की और सक्रिय गैस है, जिसे उच्च दाब वाले टैंकों या अत्यधिक कम तापमान पर तरल रूप में रखना पड़ता है। इसलिए हाइड्रोजन स्टेशनों का निर्माण पेट्रोल पंप की तुलना में महंगा और जटिल है। 2024 तक दुनिया में लगभग 1,000 हाइड्रोजन स्टेशन सक्रिय या निर्माणाधीन थे। जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी और चीन प्रमुख केंद्र हैं, जबकि अमेरिका में कैलिफ़ोर्निया इसका केंद्र बना हुआ है।

हाइड्रोजन उत्पादन में भारत की स्थिति

भारत में स्थिति अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन गति पकड़ रही है। जनवरी 2023 में राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन शुरू किया गया, बजट 19,744 करोड़ रुपये। इसका लक्ष्य 2030 तक भारत को ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और उपयोग में अग्रणी बनाना है। इसी के अंतर्गत 2024 में परिवहन क्षेत्र में पांच पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए गए, जिनमें 37 वाहन और नौ हाइड्रोजन स्टेशन शामिल हैं। ये बसें और ट्रक देशभर के अलग-अलग मार्गों पर चलकर तकनीकी और आर्थिक संभावनाओं का परीक्षण करेंगे। इस पहल में टाटा मोटर्स, एनटीपीसी, रिलायंस, अशोक लेलैंड और कई तेल कंपनियां शामिल हैं।

रेलवे में भी है बड़ी भूमिका

भारत का हाइड्रोजन सफ़र केवल सड़क परिवहन तक सीमित नहीं है। रेलवे ने भी इसमें बड़ा कदम उठाया है। भारतीय रेलवे ने 2025 में जींद-सोनीपत मार्ग पर देश का पहला हाइड्रोजन चालित कोच परीक्षण के दौर से सफलतापूर्वक गुजारा। यह 1,200 हॉर्सपावर इंजन वाला कोच 35 हाइड्रोजन-चालित ट्रेनों के "हाइड्रोजन फॉर हेरिटेज" मिशन का हिस्सा बनेगा। प्रत्येक ट्रेन का निर्माण अनुमानित 80 करोड़ रुपये है और आधारभूत संरचना के लिए 70 करोड़ रुपये अतिरिक्त। रेलवे ने मौजूदा डीज़ल-इलेक्ट्रिक यूनिट को हाइड्रोजन फ्यूल सेल में बदलने के लिए 111.83 करोड़ रुपये का पायलट प्रोजेक्ट भी शुरू किया है। यह पहल भारत को उन चुनिंदा देशों की कतार में खड़ा कर देती है जो रेल परिवहन को पूरी तरह हरित बनाने के लिए प्रयोग कर रहे हैं।

कॉरपोरेट क्षेत्र में भी सक्रिय

कॉरपोरेट क्षेत्र भी इस दिशा में सक्रिय है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने 2022 में मिराई कार का पायलट प्रोजेक्ट भारत में शुरू किया था। इसके बाद 2025 में टोयोटा और बेंगलुरु स्थित ओहिमयम इंटरनेशनल ने एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य ग्रीन हाइड्रोजन आधारित पावर सॉल्यूशंस विकसित करना है। इसका मतलब है कि भविष्य में हाइड्रोजन का उपयोग न केवल गाड़ियों में बल्कि डेटा सेंटर, दूरस्थ इलाक़ों और उद्योगों में भी बिजली आपूर्ति के लिए किया जा सकेगा। यह सहयोग 'मेक इन इंडिया' की भावना को मज़बूत करता है और दिखाता है कि भारत स्थानीय तकनीक और वैश्विक विशेषज्ञता को जोड़कर आत्मनिर्भर हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है।

पेट्रोल-डीजल की तुलना में कम प्रदूषण

हाइड्रोजन गाड़ियों के लाभ स्पष्ट हैं। पेट्रोल-डीज़ल के विपरीत, इनमें से कोई प्रदूषण नहीं निकलता। बैटरी गाड़ियों की तुलना में इन्हें चार्ज करने की बजाय हाइड्रोजन भरने में सिर्फ़ कुछ ही मिनट लगते हैं। इनकी रेंज भी लंबी होती है, जिससे यह लंबी दूरी की यात्रा और भारी वाहनों के लिए आदर्श विकल्प साबित हो सकती हैं। यही कारण है कि विशेषज्ञ मानते हैं कि निजी कारों से कहीं अधिक हाइड्रोजन का उपयोग बसों, ट्रकों, ट्रेनों और जहाज़ों जैसे बड़े वाहनों में होगा।

चुनौतियां भी उतनी ही गंभीर हैं। ग्रीन हाइड्रोजन अभी महंगी है, उत्पादन सीमित है और इन्फ्रास्ट्रक्चर अधूरा है। इसके अलावा बैटरी गाड़ियां पहले से ही बाज़ार में मज़बूत पकड़ बना चुकी हैं। इसलिए नीति और उद्योग जगत को मिलकर हाइड्रोजन तकनीक को किफ़ायती और व्यवहार्य बनाना होगा। हालांकि, भारतीय नीति निर्माता और उद्योगपति इस दिशा में जिस तरह पहल कर रहे हैं, उससे साफ है कि आने वाले दशक में भारत हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था का अहम केंद्र बन सकता है। आज जब दुनिया स्वच्छ ऊर्जा की तलाश में है, भारत ने हाइड्रोजन को अपनी प्राथमिकता में शामिल कर यह संदेश दिया है कि हम केवल उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि नवाचार और नेतृत्व करने वाले राष्ट्र भी बन सकते हैं। चाहे वह सड़कों पर दौड़ती बसें हों, माल ढोते ट्रक, रेल की पटरियों पर दौड़ती ट्रेनें या फिर उद्योगों के लिए ऊर्जा समाधान-हर जगह भारत हाइड्रोजन तकनीक को अपनाने की तैयारी कर रहा है। यह यात्रा अभी लंबी है, लेकिन दिशा स्पष्ट है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में आई तेजी

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। शहरों में निजी कारें, सार्वजनिक परिवहन की बसें, ऑटो-रिक्शा और बाइकें इलेक्ट्रिक होने लगी हैं। चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार और सब्सिडी नीतियों ने इसे प्रोत्साहित किया है। लेकिन इन वाहनों की कुछ सीमाएं भी हैं, जैसे लंबी दूरी की यात्रा, चार्जिंग समय और भारी वाहन जैसे ट्रक और बसों में बैटरी की भारी लागत। इन्हीं सबके बीच नीति निर्माताओं और उद्योग जगत ने भविष्य के परिवहन के लिए और अधिक स्वच्छ, टिकाऊ और शक्तिशाली विकल्प तलाशने की प्रक्रिया में हाइड्रोजन वाहनों के लिए खाका तैयार करना शुरू कर दिया। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक लंबी दूरी तय करने में सक्षम है, रिफ्यूलिंग पेट्रोल-डीज़ल जितनी तेज़ होती है और भारी वाहन चलाने में बैटरी की तुलना में अधिक कुशल है।

हाइड्रोजन की कहानी कोई आज की नहीं है। इसकी नींव लगभग दो सौ साल पहले रखी जा चुकी थी। उन्नीसवीं सदी के मध्य में ब्रिटिश वैज्ञानिक सर विलियम ग्रोव ने यह दिखाया कि हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के संयोजन से बिजली उत्पन्न की जा सकती है। यही सिद्धांत आज की फ्यूल सेल तकनीक की बुनियाद है। 1966 में जनरल मोटर्स ने पहली बार "इलेक्ट्रोवैन" नामक फ्यूल सेल वैन बनाकर इतिहास रचा। यह प्रयोगात्मक वाहन था, लेकिन संभावनाओं का द्वार खोल गया।

1990 के दशक में कनाडा की बैलार्ड पावर सिस्टम्स और जापान की होंडा जैसी कंपनियों ने अनुसंधान को तेज़ किया और 2008 में होंडा ने सीमित स्तर पर एफसीएक्स क्लैरिटी कार बाज़ार में उतारी। असली बदलाव तब आया जब 2014 में टोयोटा ने "मिराई" कार को व्यावसायिक स्तर पर लॉन्च किया। इसके बाद ह्युंडई ने 2018 में नेक्सो पेश की और होंडा ने भी अपने प्रयोग आगे बढ़ाए। आज दुनियाभर में हज़ारों हाइड्रोजन कारें सड़कों पर दौड़ रही हैं।

समझें टायरों का मिजाज और अंदाज

कारों में लगे टायर अपने रंग-रूप में एक जैसे नजर आते हैं, लेकिन इनके भी अपने मिजाज और अंदाज होते हैं। आप कार में नया टायर डलवाने वाले हैं तो आपको अपनी जरूरत के हिसाब से ही टायर चुनना चाहिए। अहम बात यह है कि आपको समझना होगा कि आप कार कहां चला रहे हैं और वहां का मौसम कैसा है? जी हां, इलाकों के मौसम के मिजाज के हिसाब से ही टायर का इस्तेमाल करना चाहिए, ताकि आप लॉन्ग ड्राइव पर जाएं तो आपको कोई दिक्कत न हो। आइए आपको बताते हैं कि इनकी खास बात...-*फीचर डेस्क*

- **समर टायरः** इसे स्टैंडर्ड टायर भी कहते हैं। ये टायर गर्म इलाकों के लिए डिजाइन किए गए हैं। यह सूखी और गीली दोनों तरह की सड़कों पर अच्छी पकड़ के साथ चलते हैं। इसमें खास तरह का नरम रबर यूज होता है। ठंडे मौसम में इनका प्रदर्शन ठीक नहीं रहता।
- **विंटर टायरः** बर्फीले इलाकों में इस टायर की परफार्मेंस अच्छी रहती है। इसमें बड़ी संख्या में खांचे होते हैं। तापमान गिरने पर यह लचीले बने रहते हैं और अनुकूलित रहते हैं। इन टायरों का इस्तेमाल उन्हीं जगहों पर किया जाता है, जहां बर्फबारी होती है या फिर तापमान काफी नीचे चला जाता है।
- **ऑल सीजन टायरः** यह टायर सामान्य मौसम के लिए फिट होता है। हालांकि, ये सीजनल टायरों की तरह बहुत गर्मी या बहुत सर्दी के लिए अनुकूलित नहीं होते। इन्हे सामान्य स्थिति में ही उपयोग किया जा सकता है।
- **हाई परफॉरमेंस टायरः** यह ऐसे टायर होते हैं, जो तेज गति से चलने वाली कारों में यूज किया जाता है। यह बेहतर पकड़ और उच्च गति से निपटने में माहिर होते हैं। मूल रूप से यह स्पोर्ट्स कारों में ही यूज होते हैं। नार्मल कारों के लिए यह टायर नहीं हैं।
- **ऑल टेरेन टायरः** इसे एटी टायर भी कहते हैं। यह विभिन्न रास्तों के लिए बेहतरीन होते हैं। हाईवे, बजरी या कच्ची सड़कों पर यह बेहतर प्रदर्शन करते हैं।
- **ऑफरोडिंग टायरः** इसे मड टेरेन या एमटी टायर भी कहते हैं। यह कीचड़ और ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर अच्छी परफॉर्मेंस देते हैं। इन टायरों को कठिन परिस्थितियों में अधिकतम घर्षण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।
- **रन-फ्लैट टायरः** पंक्चर होने या हवा निकल जाने के बाद भी इन टायरों को कुछ दूर तक चलाया जा सकता है। यह पंचर हालत में चलाए जाने पर भी सुरक्षित रहते हैं।
- **ट्यूबलेस टायरः** जैसा कि नाम से ही जाहिर है कि इन टायरों में ट्यूब नहीं होती। पंक्चर होने पर यह कम नुकसान पहुंचाते हैं।
- **टूरिंग टायरः** इन्हें बेहतर हैंडलिंग और स्मूथ राइड के लिए जाना जाता है। इनका यूज सेडान और मिनीवैन जैसी गाड़ियों में किया जाता है।

ऑटो टिप्स

बाइक को कैसे रखें फिट

नियमित सर्विस कराएं
- समय-समय पर अधिकृत सर्विस सेंटर या अच्छे मैकेनिक से सर्विस करवाएं।
- इंजन ऑयल समय पर बदलना सबसे जरूरी है।

इंजन ऑयल चेक करें
- हर 2000-2500 किमी पर इंजन ऑयल की स्थिति देखें।
- गंदा या कम ऑयल बाइक के इंजन को नुकसान पहुंचा सकता है।

टायर और हवा का दबाव
- टायर में हवा का दबाव हमेशा कंपनी की सलाह के अनुसार रखें।
- टायर की ग्रिप और घिसाव पर ध्यान दें।

ब्रेक की देखभाल
- ब्रेक ऑयल और ब्रेक शूज/पैड की जांच करें।
- समय पर बदलें ताकि सड़क पर फिसलन या हादसे से बचा जा सके।

बैटरी का ध्यान रखें
- समय-समय पर बैटरी का पानी (अगर नॉन-सील्ड बैटरी है) देखें।
- बाइक को लंबे समय तक स्टार्ट किए बिना खड़ा न रखें।

चेन की सफाई और ग्रीसिंग
- हर 500-700 किमी पर चेन को साफ करके ग्रीस या ल्यूब्रिकेंट लगाएं।
- इससे रगड़ कम होगी और चलाने में स्मूथनेस आएगी।

फ्यूल की क्वालिटी
- हमेशा अच्छी और भरोसेमंद पेट्रोल पंप से फ्यूल भरवाएं।
- गंदा फ्यूल कार्बोरेटर/इंजेक्टर को नुकसान पहुंचाता है।

सही तरीके से चलाएं
- अचानक एक्सेलेरेशन या ब्रेक लगाने से बचें।
- लंबी दूरी पर समान स्पीड में चलाना इंजन के लिए अच्छा है।

कवर करके रखें
- बाइक को धूप, बारिश और धूल से बचाने के लिए कवर का इस्तेमाल करें। इससे पेंट और प्लास्टिक पार्ट्स लंबे समय तक अच्छे रहते हैं।
- नियमित सफाई
- बाइक को साफ-सुथरा रखें।
- धूल और गंदगी बाइक की परफॉर्मेंस और लुक दोनों खराब करती है।

शानदार परफॉर्मेंस के साथ खास बनी टाटा हैरियर ईवी

टाटा हैरियर ईवी अपने बेहतर फीचर के साथ लोगों को काफी आकर्षित कर रही है। इसके चलते टाटा हैरियर की बुकिंग तीन माह से साढ़े तीन माह तक पहुंच चुकी है। वहीं नवरात्रि और दीपावली के दौरान यह बुकिंग छह माह तक पहुंच सकती है।

टाटा मोटर्स के सेल्स एग्ज्यूकेटिव समीर राय ने बताया कि टाटा हैरियर ईवी अपनी शानदार परफॉर्मेंस के लिए लोगों के बीच खास बनी हुई है। उन्होंने बताया कि टाटा हैरियर 6.3 सेकेंड में 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलती है। इसके अलावा एडवांस लेवल-2 अडास, रिमोट से ऑपरेट होने वाला समन मोड, व्हीकल-टू-लोड व व्हीकल-टू-व्हीकल चार्जिंग सपोर्ट जैसे कई खास फीचर्स शामिल हैं।

टाटा हैरियर एक बार चार्जिंग होने के बाद साढ़े 600 किलोमीटर तक रन करती है। टाटा हैरियर ईवी में इको, सिटी, स्पोर्ट और बूस्ट जैसे 7 से 8 ड्राइविंग मोड हैं। इसके अलावा ऑटो पार्किंग की सुविधा भी मौजूद है। इसके अलावा 360 डिग्री कैमरा लगा हुआ है। बैटरी में अनलिमिटेड समय की गारंटी है। उन्होंने बताया कि सनरूफ वाइस के साथ खुलता ओर बंद होता है। सबसे खास बात यह है कि टाटा हैरियर की गाड़ी को अलग-अलक तरीके से ऑटो पार्क कर सकते हैं। सुरक्षा की दृष्टि से टाटा हैरियर में फाइव स्टार की ग्रेडिंग है और कार में छह एयरबैग लगे हुए हैं। इसके अलावा, कोहरे में फॉगलैंप के माध्यम से गाड़ी को चलाने में कोई दिक्कत नहीं होती है। उन्होंने बताया कि टाटा हैरियर की शुरूआती कीमत 21 लाख 75 हजार रुपये है।

भारत का ऑनलाइन घरेलू सेवा बाजार होगा 88 अरब रुपये

नई दिल्ली। भारत का ऑनलाइन घरेलू सेवा बाजार 18-22% की दर से बढ़कर वित्त वर्ष 2029-30 तक 85-88 अरब तक पहुंचने का अनुमान है। इस बाजार को सुविधा, विश्वसनीयता और गति की बढ़ती शहरी मांग से समर्थन मिल रहा है। परामर्श फर्म रेडसीर ने कहा कि 'क्विक कॉमर्स' को व्यापक रूप से अपनाने के बाद, तत्काल घरेलू सेवा भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में अगले क्षेत्र के रूप में उभर रही है। समय की कमी से जूझ रहे शहरी उपभोक्ताओं के बीच यह लोकप्रिय हो रही है।

अमृत विचार

लखनऊ, सोमवार, 22 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

वीजा शुल्क बढ़ाने से अमेरिका को ज्यादा नुकसान: जीटीआरआई

नई दिल्ली। आर्थिक थिंक टैंक जीटीआरआई ने रविवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा एच-1बी वीजा शुल्क बढ़ाकर प्रति कर्मचारी 100,000 डॉलर करने के फैसले से भारत से ज्यादा अमेरिका को नुकसान होने की संभावना है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने बताया कि भारतीय आईटी कंपनियां पहले से ही अमेरिका में 50-80% स्थानीय कर्मचारियों को रोजगार दे रही हैं, जो कि 1,00,000 अमेरिकी नागरिक हैं। जीटीआरआई ने कहा कि इसलिए यह कदम अधिक नए रोजगार नहीं पैदा करेगा। इसके बजाय, यह ऑन-साइट भारतीयों को नियुक्त करना स्थानीय लोगों की तुलना में अधिक महंगा बना देगा। अमेरिका में पांच वर्षों के अनुभव वाले आईटी मैनेजर को 1,20,000 से 1,50,000 डॉलर तक वेतन मिलता है, जबकि एच-1बी वीजा पर आने वाले 40% कम और भारत में काम करने वाले को 80% कम वेतन मिलता है।

लौह अयस्क के निर्यात शुल्क को लेकर चेताया

नई दिल्ली। उद्योग संगठन यूसीसीआईएल ने चेताया कि निम्न ग्रेड वाले लौह अयस्क पर निर्यात शुल्क लगाने से उत्पादन, घरेलू कीमतें कम होंगी, क्षमता में दीर्घकालिक नुकसान होगा और भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा कम होगी। सरकार इस साल अक्टूबर से निचले ग्रेड वाले लौह अयस्क पर 30% निर्यात शुल्क लगाने की योजना बना रही है। उत्कल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री लिमिटेड (यूसीसीआईएल) ने कहा कि निर्यात शुल्क से इस क्षेत्र में अस्थिरता पैदा होगी, उत्पादन में गिरावट, घरेलू कीमतों में भारी गिरावट, भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा क्षमता में कमी और दीर्घकालिक क्षमता का नुकसान होगा।

रेडिसन होटल समूह पूर्वी भारत में करेगा विस्तार

बेंगलुरु। रेडिसन होटल ग्रुप अब देश के पूर्वी हिस्से में भी अपनी पहुंच बढ़ाना चाहता है। दिग्गज कंपनी का ध्यान बड़े और छोटे दोनों शहरों में संपत्तियों की संख्या को संतुलित करने पर है। समूह के दक्षिण एशिया परिचालन के चेयरमैन केबी कचरू ने कहा कि पुरानी को तोड़कर आधुनिक इमारतें बनाने के बजाय, उन्हें पुनर्स्थापित और संरक्षित किया जाना चाहिए।

जीएसटी 2.0 : वस्तुएं होंगी आज से सस्ती, कंपनियों को होगा लाभ

नवरात्र से त्योहारी सत्र शुरू, खपत में वृद्धि व बिक्री में उछाल की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

रोजमर्रा की जरूरतों का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली प्रमुख कंपनियों ने जीएसटी कटौती करते हुए कीमतें कम की है। ऐसे में सोमवार से साबुन, पाउडर, कॉफी, डायपर, बिस्कुट, घी और तेल जैसी वस्तुएं सस्ती होंगी। आगामी त्योहारी सत्र, जो नवरात्रि के साथ शुरू होता है, के दौरान खपत में वृद्धि और बिक्री में उछाल की उम्मीद है।

एफएमसीजी कंपनियों ने जीएसटी 2.0 के लाभों को बिना किसी देरी के उपभोक्ताओं तक पहुंचाया है। इन कंपनियों ने 22 सितंबर से साबुन, शैम्पू, बेबी डायपर, मंजन, रेजर और आफ्टर-शेव लोशन सहित अपने उत्पादों की अधिकतम खुदरा मूल्य की संशोधित सूची जारी की है। इसका मकसद उपभोक्ताओं को जीएसटी दर में कटौती का लाभ देना है। प्रॉक्टर एंड गैंबल, इमामी और एचयूएल जैसी कंपनियों ने नई मूल्य सूची जारी की हैं। इसके बारे में कंपनियों की वेबसाइट के माध्यम से उनके संबंधित वितरकों और उपभोक्ताओं को सूचित किया गया है।

प्रॉक्टर एंड गैंबल ने अपने उत्पादों की एक संशोधित सूची जारी की है। इसमें उसने विक्स, हेड एंड शोल्डर्स, पैंटीन, पैम्पर्स (डायपर), जिलेट, ओल्ड स्पाइस और ओरल-बी आदि ब्रांड के उत्पादों की कीमतों में कमी की है। पीएंडजी इंडिया ने बच्चों के देखभाल से जुड़े उत्पादों के दाम भी कम किए हैं। इन उत्पादों में डायपर पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटकर पांच प्रतिशत और बेबी वाइप्स पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटकर पांच प्रतिशत हो जाएगा। नई दरें 22 सितंबर, 2025 से प्रभावी होंगी। कंपनी जिलेट और ओल्ड स्पाइस की कीमतों में भी कमी करने जा रही है। इमामी बोरोप्लस एंटीसेप्टिक क्रीम, नवरत्न आयुर्वेदिक तेल और झंडू बाम आदि की कीमतें भी कम हो रही हैं।

एचयूएल भी घटाएगा उत्पादों की कीमत

एचयूएल ने भी जीएसटी सुधारों के बाद 22 सितंबर से डव शैम्पू, हॉर्लिक्स, किसान जैम, ब्रू कॉफी, लक्स और लाइफबॉय साबुन सहित अपने उपभोक्ता उत्पाद रेंज की कीमतों में कमी करने की घोषणा की है। जीएसटी परिषद ने इस महीने की शुरुआत में माल एवं सेवा कर के चार स्लैब की जगह दो स्लैब करने का फैसला किया है। अब कर की दरें पांच और 18 प्रतिशत होंगी जबकि विलासिता वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर लागू होगी। सिगरेट, तंबाकू और अन्य संबंधित वस्तुओं को छोड़कर नई कर दरें 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएंगी।

होटल में 7,500 तक वाले कमरे होंगे 525 रुपये तक सस्ते

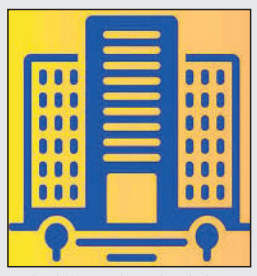

नई दिल्ली। नई जीएसटी दरें लागू होने के साथ होटल में 7,500 रुपये या उससे कम किराये वाले कमरे सोमवार से 525 रुपये तक सस्ते हो जाएंगे। आतिथ्य क्षेत्र के दिग्गजों ने कहा कि होटल उद्योग के लिए, इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के बिना जीएसटी की दरों को 12 से घटाकर 5% करने से वृद्धि को समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे राजस्व में वृद्धि होगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और होटल देश भर में मेहमानों को बेहतर सेवाएं दे सकेंगे। इस समय 7,500 रुपये तक के दैनिक किराये वाले होटल के कमरों पर आईटीसी के साथ 12% कर लगता है। होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार, इस कटौती से कमरे का किराया 7% सस्ता होगा। इसी प्रकार यात्रियों को भोजन पर जीएसटी का लाभ भी मिलेगा। रेडिसन होटल समूह के दक्षिण एशिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) और सीओओ निखिल शर्मा ने बताया कि सरलीकृत कर संरचना होटल संचालकों और यात्रियों के लिए स्पष्टता लाएगी। रमाडा जैसे ब्रांड के मालिक, विन्धम होटल्स एंड रिजॉर्ट्स के यूरेशिया बाजार के प्रबंध निदेशक राहुल मैकरियस ने कहा कि भारत का यात्रा और आतिथ्य क्षेत्र मजबूती से बढ़ रहा है और जीएसटी सुधार बिल्कुल सही समय पर आया है।

किस पर जीएसटी दरों में कितनी आई कमी

नंबर	आइटम	पुरानी दर	नई दर
	भोजन और रसोई		
1	पनीर/छेना (पैक)	5%	0%
2	यूएचटी दूध (टेट्रा-पैक दूध)	5%	0%
3	पराठे और भारतीय रोटियां (सभी नाम)	18%	0%
4	खाखरा, पिज़्ज़ा ब्रेड	5%	0%
5	बटर/ घी/ डेयरी स्प्रेड	12%	5%
6	चीज/पनीर	12%	5%
7	सूखे मेवे	12%	5%
8	चॉकलेट, पेस्ट्री, केक, बिस्कुट, जैम	18%	5%
9	नमकीन/भुजिया/मिक्सचर/चबेना (पैक्ड)	12%	5%
10	पास्ता/स्पेगेटी/मैकरोनी/नूडल्स	12%	5%
11	कॉर्न फ्लेक्स और अन्य अनाज के फ्लेक्स	18%	5%
12	अचार, फल और सब्जी के रस, नारियल पानी (पैक)	12%	5%
13	परिष्कृत चीनी और चीनी क्यूब्स	12%	5%
14	कॉफी	18%	5%
15	करी पेस्ट, मेयोनेज़, सलाद ड्रेसिंग	12%	5%
16	सूप और शोरबा (तैयार/प्री-मिक्स)	18%	5%
17.	खमीर और बेकिंग पाउडर	12%	5%
18.	संरक्षित मछली/मांस (डिब्बाबंद/तैयार)	12%	5%
	पेय पदार्थ (गैर-मादक)		
19	20 लीटर पीने के पानी के जार	12%	5%
20	वनस्पति-आधारित दूध पेय	18%	5%
21	फल-गूदा/रस आधारित पेय (गैर-कार्बोनेटेड)	12%	5%
22	दूध युक्त पेय पदार्थ (दूध आधारित पेय)	12%	5%
	व्यक्तिगत देखभाल (दैनिक उपयोग)		
23	टॉयलेट साबुन, टूथपेस्ट, डेंटल फ़्लॉस, टूथब्रश	18%	5%
24	टूथ पाउडर, कंघी, हेयरपिन, कर्लर (गैर-विद्युत)	12%	5%
25	हेयर ऑयल और शैम्पू, टैल्कम/फेस पाउडर, शेविंग क्रीम/अफ़रशेव/लोगॉन	18%	5%
	घरेलू सामान		
26	दूध की बोतलें-निप्पल, बेबी नैपकिन-डायपर	12%	5%
27	सेफ्टी माचिस, मोमबत्तियां/हस्तनिर्मित मोमबत्तियां	12%	5%
28	रसोई के बर्तन	12%	5%
29	मिट्टी के तेल/लकड़ी के स्टोव (गैर-विद्युत)	12%	5%
30	सिलाई मशीनें और पुर्जे, रबर बैंड	12%	5%
	छात्र एवं शिक्षा		
31	व्यायाम/ग्राफ़/प्रयोगशाला नोटबुक	12%	0%
32	मिटाने वाले या इरेजर	5%	0%
33	पाठ्यपुस्तक/नोटबुक का कागज़ (बिना लेपित)	12%	0%
34	मानचित्र/एटलस/ग्लोब (प्रिंटेड)	12%	0%
35	पेंसिल, क्रेयॉन, पेस्टल, चारकोल, पेंसिल शार्पनर	12%	0%
36	जियोमेट्री/रंग बॉक्स, कागज़ के डिब्बे, कागज़ की ट्रे	12%	5%
	दवाएं और चिकित्सा उपकरण		
37	कई दुर्लभ बीमारियों और कैंसर की दवाएं	5–12%	0%
38	औषधियां (आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी)	12%	5%
39	मेडिकल ऑक्सीजन	12%	5%
40	डायग्नोसजीसी किट और डायग्नोसजीसी अभिकर्मक (रसायन), ग्लूकोमीटर और परीक्षण स्ट्रिप्स	12%	5%
41	थर्मामीटर (चिकित्सा)	18%	5%
42	चिकित्सा/शल्य उपकरण, रबर के दस्ताने	12%	5%

नई दरें लागू होने से स्वास्थ्य सेवा और होगी सस्ती : फार्मा उद्योग

नई दिल्ली। सोमवार से नई जीएसटी दरों के लागू होने के साथ कुछ जीवन रक्षक दवाएं और चिकित्सा उपकरण सस्ते हो जाएंगे, जिससे हर नागरिक के लिए स्वास्थ्य सेवा अधिक किफायती और सुलभ हो जाएगी। फार्मा उद्योग से जुड़े लोगों ने यह जानकारी दी। भारतीय फार्मास्युटिकल अलायंस के महासचिव सुदर्शन जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा घोषित माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार 22 सितंबर से लागू हो रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं हर नागरिक के लिए और अधिक किफायती और सुलभ बन जाएंगी। ज्यादातर दवाओं पर पहले 12% जीएसटी लगता था, लेकिन अब इन पर 5% कर लगेगा। इसके अलावा, कैंसर, आनुवंशिक और दुर्लभ बीमारियों तथा हृदय रोगों से जुड़ी 36 महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाओं को कर मुक्त कर दिया गया है। जैन ने बताया कि जीएसटी परिषद ने स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम, ग्लूकोमीटर और सुधारात्मक चश्मों पर लगने वाली कर की दरों को भी तर्कसंगत बनाया है। उन्होंने कहा कि ये कदम भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था में एक बड़ा बदलाव दर्शाते हैं। इससे मरीजों को सीधी बचत होगी, परिवारों पर खर्च का बोझ कम होगा, जरूरी इलाज तक पहुंच आसान होगी और देश की स्वास्थ्य सुरक्षा मजबूत होगी।

नवरात्रि से सस्ती हो जाएंगी कारें, दोपहिया के दाम भी घटेंगे

देश की प्रमुख वाहन कंपनियों...मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और हुंदै मोटर इंडिया अपनी कारों की कीमतें कम करने जा रही हैं। लक्जरी कार विनिर्माता मर्सिडीज-बेंज और बीएमडब्ल्यू के साथ-साथ दोपहिया वाहन कंपनियां भी नए जीएसटी के साथ कीमतें कम करने जा रही हैं। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने अपनी कारों की कीमतों में 1.29 लाख तक की कटौती की है। टाटा मोटर्स की यात्री गाड़ियों की कीमतें 75,000 से 1.45 लाख रुपये तक कम हो जाएंगी। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने पहले ही अपनी यात्री वाहनों की कीमतों में 1.56 लाख तक की कटौती कर दी है। हुंदै कारों की कीमतों में 60,640 रुपये से लेकर 2.4 लाख रुपये व होंडा ने 95,500 रुपये तक की कटौती की है।

टीवी के दाम 2,500 से 85,000 रुपये तक घटेंगे

जीएसटी कटौती के बाद टेलीविजन (टीवी) विनिर्माता कीमतों में 2,500 से 85,000 रुपये तक की कमी करने जा रहे हैं। टीवी विनिर्माताओं को सोमवार से शुरू होने वाले त्योहारी सीजन में अच्छी बिक्री की उम्मीद है। खपत को बढ़ाने के प्रयास में, जीएसटी परिषद ने 22 सितंबर (नवरात्रि के पहले दिन) से माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती करने का फैसला किया था, जिससे टेलीविजन और एसी, वॉशिंग मशीन जैसे कई उत्पादों की कीमतें कम हो गई हैं। 32 इंच से अधिक स्क्रीन साइज वाले टीवी सेट पर मौजूदा शुल्क 28 से घटकर 18% होगा। टीवी विनिर्माताओं ने स्क्रीन साइज और खूबियों के आधार पर कीमतों में 2,500 रुपये से 85,000 रुपये के बीच कटौती की घोषणा की है, ताकि जीएसटी में 10% की कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा सके। टीवी उद्योग, जिसने इस वित्त वर्ष के पहले छह महीनों (अप्रैल से सितंबर) में लगभग स्थिर बिक्री दर्ज की है।

पतंजलि फूड्स ने घटाई उत्पादों की कीमत

पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने सोयाबीन बड़ी सहित विभिन्न उत्पादों की अधिकतम खुदरा कीमतों (एमआरपी) में कमी की है। पतंजलि फूड्स ने कहा गया कि संशोधित कीमतें खाद्य और गैर-खाद्य श्रेणियों की पूरी शृंखला पर लागू होंगी। पतंजलि फूड्स ने सोयाबीन बड़ी की कीमतें भी घटाई हैं। न्यूट्रेला चंक्स, मिनी चंक्स और ग्रैन्यूल्स (एक किलो पैक) सोमवार से 190 रुपये में बिकेंगे, जो 210 रुपये हैं। वहीं, 200 ग्राम पैक में 3 रुपये की छूट मिलेगी। बिस्कुट और कुकीज श्रेणी में दूध बिस्कुट (35 ग्राम) 4.5, नूडल्स (50 ग्राम) 9.35 रुपये में बेचे जाएंगे। दांतों और बालों के उत्पादों में दंत कांति 200 ग्राम 106 और केश कांति आंवला हेयर ऑयल (100 मिली) 42 रुपये में बिकेंगे। स्वास्थ्य एवं आरोग्य उत्पादों में आंवला जूस (एक लीटर) 140 रुपये, स्पेशल च्यवनप्राश के एक किग्रा पैक अब 337 रुपये होगी। डेयरी उत्पादों में गाय के घी (900 मिली) की कीमत 732 रुपये कर दी है।

भारत संग सीईपीए पर जल्द हस्ताक्षर की उम्मीद : ओमान

नई दिल्ली, एजेंसी

- ओमान के राजदूत ने कहा- व्यापार में विविधता व सेवाओं के आदान-प्रदान के लिए करेंगे समझौता

भारत-ओमान जल्द व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर करने वाले हैं। भारत में ओमान के राजदूत इसा सालेह अब्दुल्ला अलशिबानी ने कहा कि दोनों देश अपने व्यापार में विविधता लाने और अधिक वस्तुओं तथा सेवाओं के आदान-प्रदान के लिए यह समझौता कर रहे हैं।

अलशिबानी ने कहा कि बातचीत पूरी हो चुकी है और अभी कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाएं चल रही हैं। समझौते पर हस्ताक्षर की संभावित समयसीमा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, उम्मीद है... हम जल्द ही समझौते पर हस्ताक्षर करने के चरण पर पहुंच जाएंगे। सीईपीए कहे जाने वाले इस समझौते पर औपचारिक रूप से बातचीत नवंबर, 2023 में शुरू हुई थी। ऐसे समझौतों में, दो व्यापार भागीदार अपने बीच व्यापार की जाने वाली अधिकांश वस्तुओं पर सीमा शुल्क में काफी कमी करते हैं या उसे समाप्त कर देते हैं। वे सेवाओं के व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश को आकर्षित करने के लिए नियमों को भी आसान बनाते हैं।

सीईपीए पर हस्ताक्षर होने के बाद द्विपक्षीय व्यापार पर प्रभाव के बारे में, भारत में ओमान के राजदूत ने कहा कि हमने देखा है कि भारत ने अन्य देशों के साथ किए गए विभिन्न सीईपीए समझौतों का क्या असर हुआ है। अलशिबानी ने कहा कि प्रस्तावित समझौता ऊर्जा के अलावा अन्य वस्तुओं तक व्यापार के दायरे को सरल करेगा और उसे बढ़ाएगा।

समुद्री खाद्य प्रदर्शनी में 15 से अधिक देशों की कंपनियां लेंगी भाग

नई दिल्ली। अमेरिका, यूरोपीय संघ, वियतनाम, संयुक्त अरब अमीरात, जर्मनी, बेल्जियम, जापान और चीन जैसे प्रमुख बाजारों सहित 15 से अधिक देशों के प्रतिभागी गुरुवार से शुरू होने वाली समुद्री खाद्य प्रदर्शनी 'इंडिया इंटरनेशनल सीफूड शो' में भाग लेंगे।

बयान के अनुसार वैश्विक आयोजन का 24वां संस्करण वर्ल्ड फूड इंडिया-2025 का हिस्सा होगा, जो भारत सरकार का प्रमुख वैश्विक खाद्य नवाचार कार्यक्रम है। एशिया का प्रमुख समुद्री खाद्य व्यापार मेला, इंडिया इंटरनेशनल सीफूड शो (आईआईएसएस-2025), 25 से 28 सितंबर तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। आयोजन सीफूड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीईएआई) द्वारा किया जा रहा है। इसमें 260 से अधिक स्टॉल, तकनीकी सत्र और गोलमेज परिचर्चाएं शामिल होंगी।

हेटेरो हेल्थकेयर ने पर्टुजुमैब दवा पर्जिया को किया लांच

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- एनजीन बायोसाइंसेज के साथ साझेदारी कर भारतीय मरीजों के लिए किफायती दवा बनाई

अमृत विचार। देश की अग्रणी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं में शुमार हेटेरो हेल्थकेयर लिमिटेड ने उन्नत कैंसर उपचारों के लिए रणनीतिक कदम उठाया है। हेटेरो हेल्थकेयर ने एनजीन बायोसाइंसेज से साझेदारी कर स्तन कैंसर रोगियों के लिए सबसे सस्ती पर्टुजुमैब दवा पर्जिया को लांच किया है। पर्टुजुमैब एक ऐसा उत्पाद है जो HER2-पॉजिटिव स्तन कैंसर के लिए लक्षित चिकित्सा है, जिसे एनजीन बायोसाइंसेज लिमिटेड के साथ एक अर्ध-अनन्य सहयोग के माध्यम से पेश किया गया है।

यह साझेदारी देशभर में मरीजों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली ऑन्कोलॉजी थेरेपी को सुलभ और सस्ती बनाने के लिए हेटेरो हेल्थकेयर की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। हेटेरो हेल्थकेयर ने लागत को कम करने के साथ देश में हजारों मरीजों को उन्नत उपचार विकल्पों तक पहुंच प्रदान करने और समग्र परिणामों में सुधार लाने का प्रयास किया है। हेटेरो हेल्थकेयर के प्रबंध निदेशक एम. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि हमारा ध्यान हमेशा नवाचार और सामर्थ्य पर रहा है। एनजीन बायोसाइंसेज के सहयोग से पर्जिया का लॉन्च, रोगियों की पहुंच में विश्वस्तरीय कैंसर उपचार लाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एनजीन बायोसाइंसेज के सीईओ डॉ. हिमांशु गाडगिल ने कहा कि हमें इस प्रयास में हेटेरो हेल्थकेयर से साझेदारी करने पर गर्व है। एनजीन में हमारा मिशन अत्याधुनिक तकनीकी प्लेटफार्म का लाभ उठाकर किफायती दामों पर उच्च-गुणवत्ता वाली बायोलॉजिक्स उपलब्ध कराना है। यह सहयोग बदलाव लाने के हमारे साझा दृष्टिकोण का प्रतिबिंब है।

फेड की दरों में कटौती, वैश्विक चिंताओं और त्योहारी मांग से सोने में रहेगी तेजी

- अमेरिका-भारत वार्ता के बीच, वाशिंगटन-बीजिंग की बातचीत पर निवेशकों की रहेगी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक मौद्रिक नीतियों में ढील, एशिया में त्योहारी मांग, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और बने भू-राजनीतिक जोखिमों से आगामी सप्ताह में सोने की कीमतों में तेजी बनी रह सकती है।

विश्लेषकों ने कहा कि व्यापारी अमेरिका और भारत के बीच होने वाली व्यापार वार्ताओं, साथ ही वाशिंगटन और बीजिंग के बीच बातचीत पर बारीकी से नजर बनाए रखेंगे। इसके अलावा, आवास संबंधी आंकड़े, व्यक्तिगत उपभोग व्यय और उपभोक्ता धारणा जैसे महत्वपूर्ण अमेरिकी वृहद आर्थिक आंकड़े बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज में जिंस एवं मुद्रा शोध के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा कि एशिया में त्योहारी मांग में मजबूती से सर्राफा को समर्थन मिलने की उम्मीद है, जबकि ईटीएफ और केंद्रीय बैंक शुद्ध खरीदार बने रहेंगे।

मौजूदा उच्च कीमतों पर सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी मिली-जुली बनी हुई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अक्टूबर डिलीवरी वाले सोने का वायदा भाव पिछले सप्ताह 1,616 रुपये यानी 1.5% बढ़कर शुक्रवार को 1,09,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। सोने की कीमतों में सप्ताह के मध्य में आई गिरावट के बाद सुधार हुआ और सप्ताह के अंत में इसमें तेजी दर्ज की गई।

चांदी ने दिया 49 प्रतिशत का रिटर्न

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी और सौर तथा इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्रों में मजबूत औद्योगिक मांग से चांदी ने इस साल 49 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। इस मामले में सोने और शेयर बाजार को भी पीछे छोड़ दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता और जोखिम के बीच स्वच्छ ऊर्जा/सौर/ईवी क्षेत्र में मांग मजबूत बनी हुई है। ऐसे में कुछ सावधानियों के साथ जोखिम क्षमता के आधार पर चांदी अब भी निवेश के लिहाज से अच्छी स्थिति में है। एमसीएक्स (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज) में चांदी बीते वर्ष 87,233 रुपये प्रति किग्रा थी जो 19 सितंबर, 2025 तक 49.14 प्रतिशत उछलकर 1,30,099 रुपये प्रति किग्रा हो गई। मेहता इक्विटीज लि. के उपाध्यक्ष (जिंस) राहुल कलंत्री ने कहा कि इस साल चांदी की कीमतों में तेज वृद्धि हुई, जिसका कारण अमेरिकी डॉलर में कमजोर रुख और फेडरल रिजर्व (अमेरिकी केंद्रीय बैंक) द्वारा ब्याज दर में कटौती को लेकर बढ़ती उम्मीदें थीं।

विश्लेषकों की राय | वैश्विक स्तर पर निवेशक फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दर में कटौती के बाद अमेरिकी बाजार के प्रदर्शन पर बारीकी से रखेंगे नजर

वीजा शुल्क वृद्धि, व्यापार वार्ता, जीएसटी कटौती तय करेंगे बाजार की दिशा

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के एच-1बी वीजा के शुल्क को बढ़ाकर 1,00,000 डॉलर करने, व्यापार वार्ता और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से इस सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा, निवेशक वैश्विक बाजारों के रुझान पर भी नजर रखेंगे।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा कि बाजार शुक्रवार देर रात घोषित एच-1बी वीजा पर 100,000 डॉलर का वार्षिक शुल्क लगाने के अमेरिकी फैसले पर प्रतिक्रिया देंगे। जबकि निर्यात पर निर्भर क्षेत्र पहले से ही शुल्क से संबंधित दबाव का सामना कर रहे हैं। व्यापार वार्ता चल रही है। वैश्विक स्तर पर निवेशक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती के बाद अमेरिकी बाजार के प्रदर्शन पर बारीकी से नजर रखेंगे। भारत के 285 अरब डॉलर के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र के लिए अपने सबसे बड़े आउटसोर्सिंग बाजार में मुश्किलें बढ़ गई हैं, क्योंकि अमेरिका ने एच-1बी वीजा आवेदन शुल्क को 100,000 डॉलर (88 लाख रुपये) तक बढ़ाने का फैसला किया है। आईटी कंपनियों के शीर्ष निकाय नासकॉम ने चेतावनी दी कि इससे 'ऑनशोर' परियोजना के लिए कारोबार की निरंतरता बाधित होगी।

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौड़ ने कहा कि एच-1बी वीजा आवेदन शुल्क अमेरिकी ग्राहकों की लागत में वृद्धि कर सकता है और भारतीय प्रौद्योगिकी प्रतिभा की मांग कम कर सकता है, जिससे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस और विप्रो जैसे बड़े आईटी निर्यातकों की आय पर सीधा असर पड़ेगा। घरेलू मोर्चे पर कारोबारी रुपये की चाल और कच्चे तेल की कीमतों पर भी नजर रखेंगे, जो भारतीय शेयर बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण है।

शीर्ष सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.18 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली। स्थानीय शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,18,328.29 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्यादा लाभ भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और भारती एयरटेल को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, एसबीआई, इन्फोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत घट गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

एफपीआई ने सितंबर में बाजार से 7,945 करोड़ रुपये निकाले

नई दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनाव से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर में भारतीय शेयर बाजार से 7,945 करोड़ रुपये निकाले हैं। डिपॉजिटरी के अनुसार, अगस्त में 34,990 करोड़ और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये की निकासी के बाद, एफपीआई द्वारा 2025 में शेयरों से अबतक कुल 1.38 लाख करोड़ की निकासी की गई है। आगे की संभावनाओं पर, बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि भारत और अमेरिका से आने वाले वृहद आर्थिक आंकड़े और शुल्क वार्ता में प्रगति, अगले सप्ताह एफपीआई प्रवाह को प्रभावित करेगी। एफपीआई सितंबर में भी बिकवाल बने हुए हैं। 19 सितंबर तक उन्होंने शेयरों से कुल 7,945 करोड़ की निकासी की है। उनकी कुल बिकवाली कम हुई है। पिछले सप्ताह में, वे कुछ समय के लिए शुद्ध खरीदार बन गए, जब अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दर में 0.25% की कटौती की, तो उन्होंने 900 करोड़ की खरीदारी की।

निजी कंपनियों के पास पूंजी है, उन्हें निवेश करना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

- ईएसी-पीएम के चेयरमैन बोले- निवेश और निर्यात देश की आर्थिक वृद्धि को गति देंगे

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने रविवार को कहा कि निजी कंपनियों के पास बहुत पूंजी है और अब उन्हें भारत की वृद्धि यात्रा में निवेश करना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि निवेश और निर्यात देश की आर्थिक वृद्धि को गति देंगे।

देव ने कहा कि रोजगार की गुणवत्ता एक मुद्दा है, इसलिए सरकार औपचारिक क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने एवरीथिंग ऑल एट वन्स नामक किताब के विमोचन पर कहा कि निवेश और निर्यात वृद्धि को गति देंगे, निजी क्षेत्र के पास बहुत पूंजी है। अब उन्हें भारत की वृद्धि यात्रा में निवेश करना चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक के हालिया लेख के अनुसार, मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियाद और नीतिगत दरों में एक प्रतिशत की कटौती के कारण, निजी क्षेत्र का पूंजी निवेश 2025-26 में 21.5 प्रतिशत बढ़कर 2.67 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। देव ने कहा कि भारत का युवा कार्यबल और डिजिटल तकनीक इसकी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का अर्थ समावेशी विकास है, और भारत में अत्यधिक गरीबी में उल्लेखनीय कमी आई है।

वर्ल्ड ब्रीफ

पाकिस्तान: स्कूल की छत गिरी, आठ की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक शिक्षण संस्थान की छत गिर जाने के कारण छह बच्चों समेत आठ लोग जिंदा दफन हो गए तथा तीन घायल हो गए। यह घटना शनिवार शाम लाहौर के उत्तर-पश्चिम से लगभग 120 किमी दूर हाफिजाबाद शहर में हुई। पंजाब आपातकालीन विभाग के बचाव दल 1122 के अनुसार, जब संस्थान की छत गिरी, उस वक्त कक्षा में दो शिक्षक और नौ छात्र मौजूद थे। रेस्क्यू 1122 ने एक बयान में कहा, वे मलबे में दब गए थे। बचाव दल ने चार छात्रों को जीवित निकाला और उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां उनमें से एक की मौत हो गई। छह से दस साल की उम्र के पांच छात्रों और उनके दो शिक्षकों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

नेपाल से चीन के ग्वांगझू के लिए सीधी उड़ान

काठमांडू। नेपाल की राष्ट्रीय विमानन कंपनी ने राजधानी काठमांडू से चीन के ग्वांगझू के लिए बृहस्पतिवार से सीधी उड़ानें शुरू करने की घोषणा की। नेपाल एयरलाइंस कॉर्पोरेशन के प्रवक्ता मनोज कुमार शाह ने बताया कि पहली बार काठमांडू से गुआंगझू के बीच उड़ान सेवा शुरू करने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। एनएसी इस मार्ग पर सप्ताह में तीन उड़ानें संचालित करेगा। पहली उड़ान बृहस्पतिवार और दूसरी 28 सितंबर को निर्धारित है। एनएसी ने बताया कि इसके बाद हर रविवार, मंगलवार और शनिवार को ग्वांगझू के लिए सीधी उड़ानें होंगी।

हेग में दंगों के सिलसिले में 30 लोग गिरफ्तार

द हेग। नीदरलैंड के शहर द हेग में दंगे के दौरान घायल हुये दो पुलिसकर्मियों के मामले में 30 लोग हिरासत में लिए गए हैं। हेग के मेयर जान वैन जेनन ने अलगेमीन डागब्लाड अखबार के हवाले से कहा कि हमें एक अभूतपूर्व हिंसा का सामना करना पड़ा। इसके कारण शांतिपूर्ण प्रदर्शन को तितर-बितर करना पड़ा क्योंकि वहां मौजूद लोगों की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं थी। मेयर के मुताबिक नीदरलैंड के सभी असामाजिक तत्व प्रदर्शन में शामिल हो गए। उन्होंने पुलिस, उनके घोड़ों और पत्रकारों पर हमला किया।

युगांडा: झील में पलटी नाव, सात की मौत

कंपाला। उत्तरी युगांडा के अमोलतार ज़िले में क्योगा झील में शुक्रवार को शोक मनाने वालों से भरी एक नाव पलट गई, जिसमें सात लोग डूब गए और 29 अन्य बच गए। पुलिस ने एक बयान में कहा कि लकड़ी की नाव मुचोरा अबिनो ए गाँव से एक धर्मोपदेशक को अंतिम संस्कार समारोह में ले जाने के लिए जा रही थी, जब स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 11:00 बजे अची उप-काउंटी के किरयांगा गांव के पास पलट गई। बयान में कहा गया है, इसमें कुल 36 लोग सवार थे और 29 लोग बच गए।

साइबर हमले: यूरोपीय देशों के कई हवाई अड्डे दूसरे दिन भी प्रभावित

ब्रसेल्स, एजेंसी

- कई उड़ानें की गईं रद्द, तमाम हो पाईं घंटों की देरी से रवाना

कई यूरोपीय हवाई अड्डों पर चेक-इन प्रणालियों को प्रभावित करने वाले साइबर हमले का असर रविवार को भी पूरे दिन जारी रहा। कई यात्री उड़ान रद्द या विलंबित करनी पड़ीं और हवाई अड्डों को यात्रा योजनाओं को होने वाले नुकसान से बचने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

शुक्रवार देर रात से ब्रसेल्स, लंदन और बर्लिन के प्रमुख हवाई अड्डों पर इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम में व्यवधान शुरू हो गया था, जिससे 'चेक-इन' में बाधा आई और कर्मचारियों को हाथ से बोर्डिंग पास बनाने या बैकअप लैपटॉप का इस्तेमाल करने पड़ा। कई अन्य यूरोपीय हवाई अड्डों पर प्रभाव नहीं पड़ा। अभी साफ नहीं है कि साइबर हमले में किसका हाथ है, हालांकि विशेषज्ञों ने हैकर्स और आपराधिक संगठनों पर शक जताया है।

साइबर हमले ने कॉलिन्स एयरोस्पेस के सॉफ्टवेयर को प्रभावित किया, जिससे चेक-इन, बोर्डिंग पास और बैग टैग प्रिंटिंग और सामान भेजने में मदद मिलती है। अमेरिकी कंपनी ने शनिवार को यूरोप के कुछ हवाई अड्डों पर अपने सॉफ्टवेयर में व्यवधान की बात कही। रविवार को लंदन के हीथ्रो और बर्लिन के ब्रांडेनबर्ग हवाई अड्डों के प्रस्थान बोर्ड पर आगमन-प्रस्थान के सुचारू होने के संकेत दिख रहे थे, लेकिन ब्रुसेल्स हवाई अड्डे पर काफी समस्याएं थीं।

हवाई अड्डों पर साइबर हमले

पूरी दुनिया परेशान

यूरोपीय देशों के कई हवाई अड्डों पर हुए साइबर हमले की वजह से पिछले दो दिनों में सैकड़ों उड़ानें प्रभावित हुई हैं। दरअसल, दुनिया भर में हवाई अड्डों पर साइबर हमले बेहद आम हो गए हैं। सुरक्षा एजेंसियां लगातार इनसे निपटने के लिए जूझ रही हैं। हवाई अड्डों पर साइबर हमलों के पीछे बड़ा कारण यह है कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक गतिविधियों और लोगों के जीवन से सीधे जुड़े होते हैं। हैकर्स इन्हें पैसे, डेटा या राजनीतिक फायदे के लिए निशाना बनाते हैं। हवाई अड्डों पर साइबर हमले पिछले कुछ सालों में काफी बढ़े हैं। ईयू एविएशन सेफ्टी एजेंसी के आंकड़ों के मुताबिक 2020 से 2022 के दौरान दो सालों में एयरलाइंस और हवाई अड्डों पर रैनसमवेयर और फिशिंग अटैक में 530 प्रतिशत की अप्रत्याशित वृद्धि हुई है जिसने कई देशों की सरकारों के नाक में दम कर दिया है।

ताबड़तोड़ साइबर हमले

- वर्ष 2023 में अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, भारत सहित कई देशों के हवाई अड्डों पर साइबर हमले हुए। रिपोर्ट हुए हमलों की संख्या दो सौ से ज्यादा थी।
- वर्ष 2024 में यूरोप और अमेरिका के करीब 30 हवाई अड्डों पर एक साथ साइबर हमले हुए। इनसे कई देशों में सैकड़ों उड़ानों पर बड़ा असर पड़ा।
- भारत में 2022 में दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट की वेबसाइट डाउन हुई। 2023 में बेंगलुरु व हैदराबाद हवाई अड्डे को हैकर्स ने अपना निशाना बनाया।

कमजोरियां

- पुराने आईटी सिस्टम, साइबर सिक्योरिटी की कमी, थर्ड पार्टी वेंडर्स पर निर्भरता प्रमुख कमजोरी।
- कई बार कैफे वाई फाई और बैगेज हैंडलिंग सिस्टम जरिए से हैकर्स घुसपैठ शुरू करते हैं। इसके बाद बड़ा साइबर हमला किया जाता है।

हवाई अड्डे क्यों बनते हैं निशाना

- हवाई अड्डे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और जनसुरक्षा से जुड़े होते हैं। यहां हमले से तुरंत बड़े पैमाने पर असर पड़ता है।
- हवाई अड्डों पर यात्रियों का पासपोर्ट ब्योरा, बायोमेट्रिक, बैंक कार्ड डेटा मौजूद रहता है जिसे डार्क वेब पर बेचा जा सकता है।
- अपराधी एयरलाइंस या एयरपोर्ट अथॉरिटी से रैनसमवेयर के जरिए फिरौती मांगते हैं। पैसा देने तक सिस्टम लॉक कर देते हैं।
- कई बार दुश्मन ताकतें देश की छवि खराब करने, अंतरराष्ट्रीय यात्रा बाधित करने या सुरक्षा खतरे पैदा करने के लिए हमले करती हैं।

यूक्रेन युद्ध के बाद भारत पर हमले

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद किलनेट जैसे कई प्रोपेगेंडा समूहों ने भारत को पश्चिमी देशों के सहयोगी मानकर निशाना बनाया। इस दौरान एयर इंडिया पर हुआ डेटा ब्रीच हमला अब तक का सबसे बड़ा हमला माना जाता है।

प्रमुख घटनाएं

- स्वीडन के कुछ हवाई अड्डों पर 2016 में साइबर हमला कर एयरक्राफ्ट के जीपीएस सिग्नल जाम कर दिए गए।
- कीव एयरपोर्ट पर 2015 में ब्लैक एनर्जी मालवेयर हमला कर आईटी सिस्टम, एटीसी टावर को निशाना बनाया।
- हीथ्रो एयरपोर्ट पर 2017 में गोपनीय दस्तावेज लीक हुए जिनमें रानी एलिजाबेथ की सुरक्षा की योजना तक थी।
- अमेरिका के अटलांटा एयरपोर्ट पर 2018 में रैनसमवेयर अटैक हुआ और कई ऑनलाइन सेवाएं ठप हो गईं।

यात्रियों के अधिकार

- अगर फ्लाइट घंटों या दिनों तक रुकी रहती है तो कई देशों में यात्रियों को मुआवजा या वैकल्पिक टिकट दिया जाता है।
- अगर पासपोर्ट, बैंक कार्ड या पर्सनल डेटा चोरी हो तो एयरपोर्ट अथॉरिटी या एयरलाइन को जिम्मेदार ठहरा सकते हैं।
- कई देशों में ऐसे मामलों में यात्री क्लास एक्शन केस करके मुआवजा पा सकते हैं। हालांकि भारत में ऐसे कानून नहीं हैं।

फलस्तीनी राष्ट्र को ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया कनाडा ने दी मान्यता, भड़के नेतन्याहू

इजराइली पीएम ने लगाया हमास को इनाम देने का आरोप, कहा- फलस्तीनी राष्ट्र नहीं बनेगा

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा ने अमेरिका और इजराइल के विरोध को दरकिनार करते हुए फलस्तीनी राष्ट्र को औपचारिक रूप से मान्यता देने की रविवार को पुष्टि की। राष्ट्रमंडल में शामिल और इजराइल के लंबे समय से सहयोगी इन देशों की यह पहल गाजा में जारी युद्ध में उसकी हरकतों के प्रति बढ़ते आक्रोश को दर्शाती है। इस बीच, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना नहीं होगी।

नेतन्याहू ने विदेशी नेताओं पर हमास को इनाम देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं होगा। जॉर्डन नदी के पश्चिम में फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना नहीं होगी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर इजराइल के खिलाफ कड़ा रुख नहीं अपनाने के लिए अपनी सत्तारूढ़ लेबर पार्टी में भारी दबाव का सामना कर रहे थे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य फलस्तीनियों और इजराइलियों के बीच शांति की उम्मीदों को जिंदा रखना है। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह हमास के लिए कोई तोहफा नहीं है।

स्टार्मर ने एक वीडियो संदेश में कहा, मैं शांति और द्वि-राष्ट्र समाधान की आशा को पुनर्जीवित करने के लिए इस महान देश के प्रधानमंत्री के रूप में स्पष्ट रूप से कहता हूं कि ब्रिटेन औपचारिक रूप से फलस्तीन राष्ट्र को मान्यता देता है। उन्होंने कहा, हमने 75 साल से भी पहले इजराइल राष्ट्र को यहूदी लोगों की मातृभूमि के रूप में मान्यता दी थी। आज हम उन 150 से अधिक देशों में शामिल हो गए हैं, जो फलस्तीनी राष्ट्र को भी मान्यता देते हैं। यह फलस्तीनी और इजराइली लोगों के लिए एक बेहतर भविष्य की प्रतिज्ञा है। जुलाई में स्टॉर्मर ने कहा था कि अगर इजराइल गाजा पट्टी में संघर्ष-विराम के लिए सहमत नहीं होता है, तो ब्रिटेन फलस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देगा।

इस सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा में फ्रांस समेत और अधिक देशों के ऐसा करने की उम्मीद है। ब्रिटेन की तरह फ्रांस भी सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों में शामिल है। आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने अपने बयान में कहा कि रविवार को तीन देशों की ओर से की गईं घोषणाएं द्वि-राष्ट्र समाधान को नई गति देने के समन्वित अंतरराष्ट्रीय प्रयास का हिस्सा हैं। फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने ब्रिटेन की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप न्यायपूर्ण शांति कायम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण व आवश्यक कदम है।

गाजा पर हमले तेज करने के लिए दक्षिणी इजराइल में सीमा के पास टैंक भेजे गए हैं।

ट्रंप ने खुले तौर पर जताई थी स्टॉर्मर से असहमति

ब्रिटेन ने अमेरिका के विरोध को दरकिनार करते हुए यह कदम उठाया है। कुछ दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन की यात्रा के दौरान इस योजना से असहमति जताई थी। ट्रंप ने कहा था, इस मामले पर मैं प्रधानमंत्री स्टॉर्मर से असहमत हूं। अमेरिका और इजराइल सरकार के साथ विभिन्न आलोचकों ने इस योजना की निंदा करते हुए कहा है कि यह हमास और आतंकवाद को बढ़ावा देगी। आलोचकों का तर्क है कि मान्यता देना अनैतिक और एक खोखला कदम है, क्योंकि फलस्तीनी लोग दो क्षेत्र वेस्ट बैंक और गाजा में विभाजित हैं, जिनकी कोई मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय राजधानी नहीं है।

- ब्रिटेन में फलस्तीनी मिशन के प्रमुख हुसम जोमलोट ने कहा कि मान्यता देने से औपनिवेशिक काल की एक गलती सुधर जाएगी। मुझे लगता है कि आज ब्रिटेन के लोगों को इतिहास में की गई गलती को सुधारे जाने का जश्न मनाना चाहिए।

गाजा में इजराइल के हमले में 34 लोग मारे गए

काहिरा। गाजा सिटी पर रात भर हुए हमलों में बच्चों सहित कम से कम 34 लोग मारे गए। इजराइल ने यह हमला कई देशों की ओर से फलस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देने की तैयारी के बीच किया है। शिफा अस्पताल के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में शनिवार देर रात शहर के दक्षिणी हिस्से में एक रिहायशी इलाके में हुई गोलीबारी में मारे गए 14 लोग भी शामिल हैं। अधिकतर शव शिफा अस्पताल ही लाए गए थे। मृतकों में अस्पताल में कार्यरत एक पुरुष नर्स, उसकी पत्नी और तीन बच्चे भी शामिल हैं। इजराइल ने हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की। इस सप्ताह शुरू हुए इजराइली अभियान ने पश्चिम एशिया में उथल-पुथल मचाने वाले संघर्ष को और बढ़ा दिया है और संभवत: किसी भी युद्धविराम की संभावना को और क्षीण कर दिया है। इजराइली सेना ने फलस्तीनियों से वहां से चले जाने को कहा है।

अंतिम दर्शन

असम के गायक जुबीन गर्ग का पार्थिव शरीर रविवार को गुवाहाटी हवाई अड्डे से उनके आवास पर ले जाया गया तो उनके अंतिम दर्शन के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। एजेंसी

जेन जी प्रदर्शन में 72 लोगों के मारे जाने की जांच के लिए समिति

काठमांडू। सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली नेपाल की अंतरिम सरकार ने जेन जी की अगुवाई में हुए हिंसक प्रदर्शन की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय के एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच समिति का रविवार को गठन किया। जेन जी की अगुवाई में हुए हिंसक प्रदर्शन के दौरान 72 लोग मारे गए थे और इसने केपी शर्मा ओली सरकार को गिरा दिया था। गृह मंत्री ओम प्रकाश आर्यल ने सिंह बताया कि पूर्व जज गौरी बहादुर कार्की के अलावा पूर्व अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक ज्ञान रण शर्मा और कानूनी विशेषज्ञ विश्वेश्वर प्रसाद भंडारी जांच आयोग के सदस्य हैं। आयोग को तीन महीने के भीतर रिपोर्ट सरकार को सौंपनी है। जेन जी की प्रमुख मांग थी कि काठमांडू में आठ और नौ सितंबर को विरोध के दौरान प्रदर्शनकारियों की हत्या की जांच के लिए उच्चस्तरीय जांच आयोग का गठन किया जाए। नेपाल की अंतरिम सरकार ने इस मांग पर सहमत होते हुए समिति का गठन किया है।

- सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज के नेतृत्व में किया गया समिति का गठन

बगराम एयरबेस पर नियंत्रण न दिया तो बुरे नतीजे भुगतेगा अफगानिस्तान

- ट्रंप ने दी धमकी, कहा- एयरबेस को जल्द से जल्द वापस चाहते हैं

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को अफगानिस्तान को धमकी देते हुए चेताया है कि अगर उसने बगराम एयरबेस तुरंत वापस नहीं किया तो उसे बुरे नतीजे भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए। ट्रंप ने यह धमकी सोशल मीडिया पर एक संदेश के जरिए दी है।

बगराम एयरबेस काबुल से लगभग 50 किलोमीटर उत्तर में स्थित है और यह दो दशकों तक अफगानिस्तान में अमेरिका और नाटो के अभियानों का केंद्र था। वर्ष 2021 में अमेरिकी सेना की वापसी के बाद तालिबान ने इस बेस पर नियंत्रण कर लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी हालिया ब्रिटेन यात्रा के दौरान कहा कि अमेरिका के लिए बगराम एयरबेस को वापस लेने की कोशिश कर रहा है। ट्रंप की इस टिप्पणी ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। माना जा रहा है कि अमेरिका इस क्षेत्र में चीन के साथ शक्ति संतुलन के लिए ये एयरबेस चाहता है।

अब अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या अमेरिका अफगानिस्तान में फिर से सैनिकों को तैनात करने जा रहा है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि अमेरिका अफगानिस्तान के साथ एयरबेस पर नियंत्रण वापस पाने के लिए बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा, हम इसे वापस चाहते हैं। हम इसे जल्द से जल्द वापस चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो आपको पता चल जाएगा कि मैं क्या करने जा रहा हूं।

अफगानिस्तान का जवाब, वास्तविक और तर्कसंगत बातें करें ट्रंप

जलालाबाद। तालिबान सरकार ने बगराम वायुसेना अड्डे पर दोबारा नियंत्रण हासिल करने के ट्रंप के दावे को रविवार को खारिज कर दिया। यद्यपि यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि सैन्य अड्डा अमेरिका को सौंपने को लेकर अमेरिकी अधिकारियों की अफगानिस्तान के अधिकारियों से क्या बातचीत हुई है, लेकिन ट्रंप ने संकेत दिया है कि 2021 में सत्ता में लौटने के बाद से आर्थिक संकट, अंतरराष्ट्रीय वैधता, आंतरिक कलह और प्रतिद्वंद्वी समूहों की ओर से चुनौती का सामना कर रहा तालिबान सैन्य अड्डे का नियंत्रण अमेरिका को लौटा सकता है। तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहउल्ला मुजाहिद ने ट्रंप के बयानों को खारिज कर दिया और अमेरिका को वास्तविकता और तर्कसंगत नीति अपनाने की सलाह दी।

भारतीय छात्रों में घटी विदेश में पढ़ने की दिलचस्पी

नई दिल्ली, एजेंसी

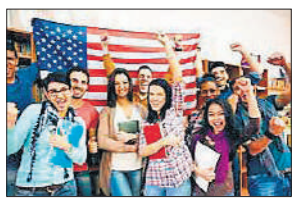

- अमेरिका में पढ़ने के लिए पूछताछ में 46 और कनाडा में पढ़ाई के लिए 75 प्रतिशत की कमी

अमेरिका में अध्ययन करने के इच्छुक लोगों के पिछले एक वर्ष में पूछताछ करने में 46 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है जबकि पिछले दो वर्षों में कनाडा में अध्ययन से संबंधित पूछताछ लगभग 75 प्रतिशत कम हुई है। 'आईडीपी एजुकेशन' के शीर्ष अधिकारियों ने ये आंकड़े जारी किए हैं।

वर्ष 1969 में ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा स्थापित, आईडीपी एजुकेशन अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सेवाओं में एक वैश्विक अग्रणी संस्थान है जो छात्रों को विदेश में अध्ययन करने के उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है। कंपनी ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, आयरलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे गंतव्यों के लिए पाठ्यक्रम और विश्वविद्यालय चयन, आवेदन जमा करने, वीजा प्रक्रिया और प्रस्थान-पूर्व योजना बनाने पर निःशुल्क विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करती है। यह अंग्रेजी भाषा दक्षता परीक्षा (आईईएलटीएस) भी आयोजित करती है।

आईडीपी एजुकेशन के दक्षिण एशिया, कनाडा और लैटिन अमेरिका (एलएटीएएम) के क्षेत्रीय निदेशक पीयूष कुमार के अनुसार, भू-राजनीतिक स्थिति ने छात्रों की अमेरिका और कनाडा जाने की योजनाओं को प्रभावित किया है। कुमार ने कहा, अगर हम भू-राजनीतिक स्थिति की बात करें, तो मुझे लगता है कि यह मुख्य रूप से अमेरिका से संबंधित है और हमने देखा है कि पिछले छह से 12 महीनों में इस स्थिति ने अमेरिका जाने की योजना बना रहे छात्रों की योजनाओं को स्पष्ट रूप से प्रभावित किया है। यह वास्तव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आने से पहले ही शुरू हो गया था, इसलिए हमने देखा कि जून के बाद से वीजा अनुमोदन दरों में गिरावट आई है।

उन्होंने कहा, आमतौर पर, चुनावी वर्ष के दौरान, हम देखते हैं कि हर बार किसी न किसी कारण से वीजा अनुमोदन दर कम हो जाती है। लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के आने के बाद, मुझे लगता है कि वे कुछ बदलाव की योजना बना रहे हैं। आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कुमार ने कहा कि मई 2024 की तुलना में इस साल मई में अमेरिका के लिए पूछताछ में 46.4 प्रतिशत की गिरावट आई है। पिछले दो वर्षों में कनाडा के लिए पूछताछ में भी लगभग 70 से 75 प्रतिशत की गिरावट आई है।

ट्रंप ने अपने लिए मांगा नोबेल पुरस्कार, भारत-पाकिस्तान युद्ध रुकवाने की बात दोहराई

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष को व्यापार के माध्यम से सुलझाने का एक बार फिर दावा किया और कहा कि उन्हें सात युद्धों को समाप्त कराने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। ट्रंप ने 10 मई को सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वाशिंगटन की मध्यस्थता में भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम पर सहमत हो गए। तब से विभिन्न अवसरों पर ट्रंप इस दावे को 40 से अधिक बार दोहरा चुके हैं। ट्रंप ने शनिवार को अमेरिकन कॉर्नरस्टोन इंस्टिट्यूट फाउंडर्स डिनर के कार्यक्रम में कहा कि हम शांति समझौते करा रहे हैं। हमने भारत-पाकिस्तान और थाईलैंड-कंबोडिया के बीच युद्ध को रोका है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 22 सितंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा 23 सितंबर 02.55 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

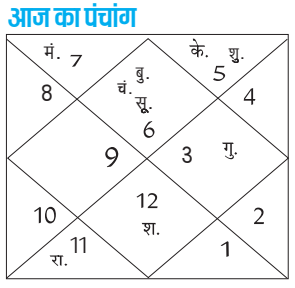

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराफाल्गुनी 11.24 तक तत्पश्चात हस्त।

मेष — आज आपकी आय बढ़ने से आप अत्यंत उत्साहित रहेंगे। अधिकारों के साथ आपको अपने उत्तरदायित्व की चिंता रहेगी। कुसंगति से आपको बचना चाहिए। अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें। आपकी वाक्पटुता और विचारशीलता से लोग प्रभावित रहेंगे।

वृष — आज आप अत्यंत प्रसन्न रहने वाले हैं। प्रतियोगी परीक्षा में आपको उत्तम सफलता मिल सकती है। दूसरों की भलाई और सेवा में लगे रहेंगे। लेकिन लोग इसका महत्व आपको नहीं देंगे। बारिश में भींगने से बचने का प्रयास करें।

मिथुन — आज घर के लोगों के व्यवहार से आपको परेशानी होगी। आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। बीमार लोगों को स्वास्थ्य लाभ हो सकता है। बहुमूल्य संपत्ति को खरीदने का विचार बनायेंगे। भविष्य को लेकर बड़ा एवं महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क — आज आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। व्यवसाय में उत्तम डील प्राप्त हो सकती है। जीवनसाथी के प्रति विश्वास बनाये रखें। कार्यक्षेत्र में बेहतरीन अवसर मिल सकते हैं। विवाहादि मंगल कार्यों को लेकर घर में चर्चा हो सकती है।

सिंह — आज गृहस्थ जीवन थोड़ा उथल-पुथल भरा हो सकता है। अपनी जीवनशैली को सन्तुलित रखें। घर के नवीनीकरण पर धन खर्च कर सकते हैं। भारी और अत्यधिक गरम भोजन का सेवन तुरन्त न करें। इससे आपको पाचन व एसिडिटी की समस्या हो सकती है।

कन्या — आज नजदीकी मित्रों के साथ काफी अच्छा समय बितायेंगे। सही दिशा में किए गए कार्यों से आपको लाभ मिलेगा। जीवनसाथी के व्यवहार से अत्यंत संतुष्ट रहेंगे। आप हंसी-मजाक के द्वारा आसपास का माहौल बहुत अच्छा रखेंगे।

तुला — आज व्यापार में अचानक गिरावट आने की आशंका है। संवेदनशील विषयों को लेकर बहस न करें। काम करने के दौरान अपने मन को शांत रखें। सेहत को लेकर अपने चिकित्सक से परामर्श कर सकते हैं।

वृश्चिक — आज दिन का शुरुआती भाग आपके लिए शुभ रहेगा। आप दूसरों पर अपने व्यक्तित्व की छाप डाल पायेंगे। बच्चों को अपने माता-पिता से संवाद रखना चाहिए। बचत के धन का व्यवसाय में अच्छा उपयोग कर पायेंगे। दिखावे में धन खर्च न करें।

धनु — आज पारिवारिक जीवन बहुत ही आनंदमय रहने वाला है। व्यवसाय में लक्ष्यों को पूर्ण कर सकते हैं। घर के सदस्यों के साथ आप पूजा पाठ में बैठ सकते हैं। दोस्तों के साथ मिलकर नई परियोजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। मित्रों से उत्तम सलाह मिलेगी।

मकर — आज नए कार्यों में कुछ बाधा आ सकती है। अनुशासनहीनता के कारण आप अपने अवसरों का लाभ नहीं उठा पायेंगे। पुराने अनुभवों से लाभ उठाने का प्रयास करेंगे। पूरा दिन आनंद और मनोरंजन में ही बीतने वाला है। धार्मिक पूजन व पाठ में अत्यधिक सक्रिय रहेंगे।

कुंभ — आज जो भी बोलें सोच-समझकर ही बोलें। असामाजिक तत्वों से आपका सामना हो सकता है। उत्तम होगा की आज सबसे विनम्र भाव ही रखें। उल्टी-दस्त की समस्या हो सकती है। जल का सेवन पर्याप्त मात्रा में करें। मन किसी बात को लेकर उद्विग्न हो सकता है।

मीन — आज कार्यक्षेत्र में आपके अधिकारों में वृद्धि होगी। रुके हुए सभी कार्य आसानी से हो जायेंगे। भाई-बहनों के साथ आनंदपूर्ण समय व्यतीत करेंगे। घरेलू कारोबार में आपको बड़ा धन लाभ हो सकता है। दोपहर के बाद कार्यों में बाधा हो सकती है।

सुडोकू-107

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	4	1		8				
3			2		7			5
	5				4			6
		7		2		9		
	9		3		1		2	
		5		6		8		
6							3	
			4		2			9
				3		7	1	

सुडोकू - 106 का हल

6	4	9	3	1	7	5	2	8
2	8	1	6	5	9	7	3	4
3	7	5	8	4	2	1	9	6
9	3	4	5	7	6	8	1	2
1	2	7	9	8	4	6	5	3
5	6	8	1	2	3	4	7	9
4	1	3	7	9	8	2	6	5
7	9	2	4	6	5	3	8	1
8	5	6	2	3	1	9	4	7

एंडी पाइक्रॉफ्ट कोई स्कूल शिक्षक नहीं है। वह कोई प्रिंसिपल नहीं है। वह जाकर सूर्या को यह नहीं कह सकते थे कि आओ हाथ मिलाओ। यह उनका काम नहीं है। आखिर उनकी गलती क्या है। उन्होंने सबको घटिया तमाशा देखने से बचा लिया।

-रविचंद्रन अश्विन

स्टेडियम

लखनऊ, सोमवार, 22 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

स्वियातेक का कोरिया ओपन खिताब पर कब्जा

सोल (दक्षिण कोरिया) : शीर्ष वरीय इगा स्वियातेक ने पहले सेट में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दूसरी वरीयता प्राप्त कैटरीना एलेक्जेंद्रोवा को 1-6, 7-6 (3), 7-5 से हराकर रविवार को कोरिया ओपन का खिताब जीत लिया। स्वियातेक ने तीन घंटे तक चले इस रोमांचक मुकाबले में पांच बार सर्विस गंवाई। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक के लिए यह इस साल का तीसरा और कुल मिलाकर 25वां खिताब है। पोलैंड की इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले महीने सिनसिनाटी ओपन का खिताब जीता था और जुलाई में अपना पहला विंबलडन खिताब जीता था। डब्ल्यूटीए फाइनल में उनका रिकॉर्ड अब 25-5 हो गया है।

प्रमोद भगत ने स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली : भारत के प्रमोद भगत, सुकांत कदम और कृष्णा नागर ने चीन पैरा बैडमिंटन अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक जीते। शीर्ष पैरा शटलर प्रमोद ने 18 महीने बाद शानदार वापसी करते हुए पुरुषों के एकल एसएलडब्ल्यू3 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। इंडोनेशिया के मोहम्मद अल इमरान से कड़ी चुनौती का सामना करते हुए प्रमोद पहला गेम 15-21 से हार गए लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए अगले दो गेम 21-19, 21-16 से जीतकर रोमांचक मुकाबले में पहला स्थान हासिल किया।

मेसी के दो गोल से इंटर मियामी विजयी

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका) : स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी ने पहले हाफ में एक गोल करने में मदद की तथा दूसरे हाफ में दो गोल किए जिससे इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर में डीसी यूनाइटेड पर 3-2 से जीत दर्ज की। मेसी ने 66वें मिनट में अपना पहला गोल दागा। इसके बाद उन्होंने 85वें मिनट में एक और गोल किया। इस तरह से इस सत्र में उनके कुल 22 गोल हो गए हैं, जो गोल्डन बूट अवॉर्ड की दौड़ में नैशविले एससी के सैम सुरिज से एक ज़्यादा है। इससे पहले मिडफ़ील्डर तादेओ अलेंदे ने 35वें मिनट में मेसी की मदद से इस सत्र का अपना आठवां गोल किया।

इटली ने बिली जीन किंग कप बरकरार रखा

शेनझेन (चीन) : जैस्मीन पाओलिनी की जेसिका पेगुला पर जीत से गत चैंपियन इटली ने अमेरिका पर जीत के साथ बिली जीन किंग कप अपने नाम किया। इटली ने दोनों एकल मुकाबले सीधे सेटों में जीते जिससे निर्णायक युगल मैच की कोई जरूरत नहीं पड़ी। आठवीं रैंकिंग की पाओलिनी ने सातवीं रैंकिंग की पेगुला को 6-4, 6-2 से हराया जबकि 91वीं रैंकिंग की एलिसाबेटा कोकियारेटो ने एम्मा नवारो के खिलाफ उनकी सर्विस तोड़कर 6-4, 6-4 से जीत हासिल की।

भारत ने पाकिस्तान को एक बार फिर धोया

एशिया कप : सुपर चार मुकाबले में छह विकेट से हराया, अभिषेक ने खेली तूफानी पारी, शुभमन ने दिया साथ

अभिषेक शर्मा।

74	39	6	5
रन	गेंद	चौके	छक्के

दुबई, एजेंसी

अभिषेक शर्मा (74), शुभमन गिल (47) और तिलक वर्मा (नाबाद 30) की शानदार पारियों के दम पर भारत ने रविवार को एशिया कप के दूसरे सुपर 4 मुकाबले में पाकिस्तान को सात गेंदे शेष रहते छह विकेट से हराया।

172 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने आक्रामक शुरुआत करते हुए विस्फोटक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। आठवें ओवर में फुलर लेंथ की गेंद, रूम बना कर अभिषेक ने हवाई ड्राइव कर चौके लगाते हुए अपना पचासा पूरा किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच पहले विकेट के लिए 105 रनों की साझेदारी हुई। 10वें ओवर की पांचवी गेंद पर फहीम अशरफ ने शुभमन गिल को आउटकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। गिल ने 28 गेंदों में आठ चौके लगाते हुए 47 रन बनाये। अगले ही ओवर में हारिस रउफ ने कप्तान सूर्यकुमार यादव (शून्य) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। 13वें ओवर में अबरार अहमद ने शतक की ओर बढ़ रहे अभिषेक को राउफ के हाथों कैच आउट कराकर पाकिस्तान को बड़ी सफलता दिलाई। अभिषेक ने 39 गेंदों में पांच छक्के और छह चौके लगाते हुए 74 रन बनाए। एक समय भारत ने 105 पर अपना पहला विकेट गिरने के बाद 18 रन जोड़कर अपने दो विकेट और गंवा दिये थे। ऐसे संकट के समय तिलक वर्मा और संजू सैमसन ने मोर्चा संभाला। 17वें ओवर में हारिस राउफ ने संजू सैमसन (13) को बोल्ड कर पाकिस्तान को चौथी सफलता दिलाई। तिलक वर्मा ने 19वें ओवर की चौथी गेंद पर छक्का और पांचवीं गेंद पर विजयी चौका लगाकर स्कोर चार विकेट पर 174 रन कर दिया।

पाकिस्तान के मोहम्मद नवाज के आउट के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव टीम के साथियों के साथ जश्न मनाते हुए। एजेंसी

पाकिस्तान

171/5 (20 ओवर)

साहिबजादा का सूर्यकुमार बो दुबे	58
फखर जमां का सैमसन बो पंड्या	15
सईम अयूब अभिषेक बो दुबे	21
हुसैन का चक्रवर्ती बो कुलदीप	10
मोहम्मद नवाज रन आउट	21
सलमान आगा नाबाद	17
फहीम अशरफ नाबाद	20

गेंदबाजी : पांड्या 3-0-29-1, बुमराह 3-0-45-0, चक्रवर्ती 4-0-25-0, कुलदीप 4-0-31-1, अक्षर 1-0-8-0, दुबे 4-0-33-2

भारत

174/4 (18.5 ओवर)

अभिषेक का राऊफ बो अबरार	74
शुभमन गिल बो फहीम	47
सूर्यकुमार का अबरार बो राऊफ	00
तिलक वर्मा नाबाद	30
संजू सैमसन बो राऊफ	13
हार्दिक पंड्या नाबाद	07

गेंदबाजी : शाहीन 3.5-0-40-0, अयूब 3-0-35-0, अबरार 4-0-42-1, राऊफ 4-0-26-2, फहीम 4-0-31-1

टीम ने अपने प्रदर्शन से उनका काम आसान बना दिया है। पाकिस्तान के अच्छी शुरुआत करने के बावजूद भारतीय टीम ने धैर्य नहीं खोया। टीम जिस तरह से आगे बढ़ रही उससे मैं खुश हूं। इससे मेरा काम आसान हो रहा है। शुभमन और अभिषेक आग और बर्फ का मेल हैं। वे एक-दूसरे के पूरक हैं और उन्हें साथ में बल्लेबाजी करते देखना मजेदार है।

-सूर्यकुमार यादव

मैने उनकी बातों का जवाब बल्ले से दिया: अभिषेक

दुबई : भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा कि मैच के दौरान जिस तरह वे हमारे समाने आ रहे थे मैंने उनकी बातों को जवाब अपने बल्ले से दिया। पाकिस्तान पर छह विकेट से जीत दर्ज करने के बाद प्लेयर ऑफ द मैच अभिषेक शर्मा ने कहा कि जिस तरह वे बिना वजह हमारे सामने आ रहे थे, मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लगा। इसलिए मैंने सोचा कि उनकी बातों का जवाब बल्ले से देना ज्यादा सही था। उन्होंने कहा कि मैं टीम के लिए प्रदर्शन करना चाहता था। (गिल के साथ साझेदारी पर) हम स्कूल के दिनों से साथ खेल रहे हैं, हमें एक-दूसरे की संगत पसंद है। हमें लगा कि हम ऐसा कर सकते हैं और आज वही दिन था। जिस तरह से वह बेहतरीन शॉट्स लगा रहे हैं थे, मैंने उसका पूरा आनंद लिया। अगर आप किसी को इस अंदाज में खेलते देखते हैं, तो वही इरादा मैं भी दिखाने का प्रयास करता हूं। मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं। मुझे पता है कि मैं टीम को जीत दिलाने में सक्षम हूं।

हारिस रउफ को उलझने से रोकते अंपायर।

मन्हास हो सकते बीसीसीआई के नए अध्यक्ष

मुंबई, एजेंसी

मिथुन मन्हास। एजेंसी

- दिल्ली क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रहे हैं मिथुन मन्हास
- रोजर बिन्नी के बाद खाली हुई है बीसीसीआई अध्यक्ष पद की कुर्सी
- बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने दी जानकारी

157 प्रथम श्रेणी, 130 लिस्ट ए और 91 टी-20 मैच खेले हैं मिथुन अपने घरेलू करियर में

दिल्ली के पूर्व कप्तान मिथुन मन्हास ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नए अध्यक्ष हो सकते हैं। उन्होंने रविवार को यहां बोर्ड मुख्यालय में अपना नामांकन दाखिल किया जिससे क्रिकेट जगत हैरान रह गया। मन्हास ने 1997-98 से 2016-17 तक के अपने लंबे घरेलू करियर में 157 प्रथम श्रेणी, 130 लिस्ट ए और 55 आईपीएल मैच खेले। वह रोजर बिन्नी की जगह बीसीसीआई अध्यक्ष पद संभालने की दौड़ में सबसे आगे हैं। बिन्नी का कार्यकाल पिछले महीने समाप्त हो गया था।

नई दिल्ली में हुई एक अनौपचारिक बैठक के बाद 45 वर्षीय मन्हास का नाम सामने आया। इस बैठक में बीसीसीआई अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड में कुछ अन्य प्रमुख पदों को अगले रविवार को बोर्ड की वार्षिक आम बैठक के दौरान भरा जाएगा। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मीडिया को बताया, ''अगले कार्यकाल के लिए एक नई कार्यकारिणी गठित की जा रही है। मिथुन मन्हास पूर्व खिलाड़ी हैं और उन्हें अध्यक्ष बनाने का फैसला किया गया है। अरुण धूमल आईपीएल संचालन परिषद के अध्यक्ष हैं और वह इस पद पर बने रहेंगे।

नामांकन दाखिल करने वालों में बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया, आईपीएल संचालन परिषद के अध्यक्ष अरुण धूमल और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष और पूर्व भारतीय क्रिकेटर रघुराम भट शामिल हैं। भट बोर्ड का कोषाध्यक्ष बनने की दौड़ में हैं। अब तक कोषाध्यक्ष रहे प्रभतेज भाटिया संयुक्त सचिव के रूप में रोहन गौंस देसाई की जगह लेंगे। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ के अध्यक्ष जयदेव शाह शीर्ष परिषद में दिलीप वेंगसरकर की जगह लेंगे। सैकिया ने बीसीसीआई के सचिव पद पर बने रहने के लिए अपना नामांकन दाखिल किया है। उन्होंने इस वर्ष जनवरी में यह पद संभाला था। सैकिया ने कहा, ''मैं पिछले कुछ महीनों से सचिव हूं। मेरे साथी चाहते थे कि मैं इस पद पर बना रहूं इसलिए मैंने नामांकन दाखिल किया। सैकिया ने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का चयन कुछ दिनों में किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''टीम का चयन 23 या 25 सितंबर को किया जाएगा। चयन बैठक ऑनलाइन होगी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट मैच दो से छह अक्टूबर तक अहमदाबाद में जबकि दूसरा टेस्ट मैच 10 से 14 अक्टूबर तक नई दिल्ली में खेला जाएगा।

मिथुन के नाम से सभी हैरान रह गए

दुबई : अनुभवी क्रिकेटर मिथुन मन्हास बीसीसीआई के 37वें अध्यक्ष बनने जा रहे हैं और यह चौंकाने वाली खबर लोगों को सिर्फ हैरान ही नहीं कर रही है बल्कि देश के क्रिकेट जगत को भी विश्वास नहीं हो रहा है क्योंकि किसी को भी इसकी उम्मीद नहीं थी। मन्सास ने कोई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच नहीं खेला है और प्रथम श्रेणी में उन्होंने 27 शतक से 9714 रन बनाए हैं जबकि लिस्ट ए मैचों में उनके 4126 रन हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के चुनावों को करीब से देख चुके एक अनुभवी क्रिकेट प्रशासक ने कहा जब चुनावी सूची में तीन टेस्ट खिलाड़ी थे जिनमें से दो (सौरव गांगुली, हरभजन सिंह) 100 से अधिक टेस्ट मैच खेल चुके हैं तो मन्हास का चयन निश्चित रूप से लोगों को हैरान करेगा। दिल्ली क्रिकेट सर्किट में जब कई क्रिकेटरों से संपर्क किया गया तो उनमें से अधिकांश ने सहमति व्यक्त की कि न्हास हमेशा एक प्रतिभाशाली और बुद्धिमान व्यक्ति रहे हैं। पूर्व सलामी बल्लेबाज और क्रिकेट कमेंटेटेर आकाश चोपड़ा ने खेलने के दिनों को याद करते हुए कहा वह हमेशा लोगों के बीच लोकप्रिय रहे।

फेंसिंग के फाइनल में विजेता भारतीय टीम के साथ खेल मंत्री रेखा आर्य व फेडरेशन पदाधिकारी।

एशियाई फेंसिंग चैंपियनशिप में भारत बना चैंपियन

संवाददाता, हल्द्वानी

- एशियन कैडेट कप में किया ऐतिहासिक प्रदर्शन, 16 पदकों के साथ रहा टॉप पर
- उत्तराखंड ने भी रचा इतिहास पहली बार बना फेंसिंग प्रतियोगिता का मेजबान

स्थान	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1	भारत	5	3	8	16
2	कज़ाख़स्तान	2	0	0	2
3	ओमान	1	1	0	2

अमृत विचार : भारत ने एक बार फिर खेलों के मैदान में अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए एशियन कैडेट कप फेंसिंग चैंपियनशिप-2025 में पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। दूसरे नंबर पर कज़ाख़स्तान और तीसरे नंबर पर ओमान रहा।

19 सितंबर से इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम गौलापार में आयोजित इस प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ। तलवारबाजी की इस चैंपियनशिप में भारत ने खुद को चैंपियन साबित करते हुए 5 स्वर्ण, 3 रजत और 8 कांस्य पदकों के साथ कुल 16 पदक जीते। प्रतियोगिता में 17 एशियाई देशों के 200 से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग लिया।

यह पहली बार रहा कि जब उत्तराखंड को इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी मिली और मेजबान देश ने मैदान पर कामयाबी का परचम लहराकर इसे ऐतिहासिक बना दिया। पुरुष टीम स्पर्धाओं में दोहरा स्वर्ण भारतीय खिलाड़ियों ने पुरुष टीम एपी में लेबनान को हराकर और टीम फॉयल में इराक को मात देकर दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। दोनों ही टीमों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल, तकनीक और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया।

कड़े मुकाबले में हारे सात्विक-चिराग

शेनझेन (चीन), एजेंसी

चाइना मास्टर्स बैडमिंटन

- फाइनल में दुनिया की नंबर वन कोरियाई जोड़ी किम वोन हो और सियो सेयुंग जेइ से मिली मात

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी को एक बार फिर दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा जब वे रविवार को यहां चीन मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में किम वोन हो और सियो सेयुंग जेइ की कोरिया की दुनिया की नंबर एक जोड़ी के खिलाफ सीधे गेम में हार गए।

एशियाई खेलों की चैंपियन भारतीय जोड़ी को फाइनल में अपने खिताबी सूखे को खत्म करने की उम्मीद थी लेकिन पहले गेम में 14-7 की मजबूत बढ़त बनाने बावजूद उन्हें मुकाबले में 45 मिनट में सीधे गेम में 19-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। सात्विक और चिराग की जोड़ी लगातार दूसरे फाइनल में लय में दिखी। विश्व चैंपियनशिप में दूसरा कांस्य पदक जीतने और हांगकांग ओपन में उपविजेता रहने के बाद पूरे हफ्ते भारतीय जोड़ी ने एक भी गेम नहीं गंवाया। लेकिन उन्हें मजबूत स्थिति में होने के बावजूद पहला गेम गवाने का मलाल जरूर रहेगा।

किम और सियो अन्य जोड़ीदारों के साथ प्रयोग करने के बाद मौजूद सत्र में फिर से साथ आए हैं। यह जोड़ी 2025 के अपने नौवें फाइनल में खेल रही थी और पहले ही छह खिताब जीत चुकी थी जिसमें पेरिस में विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण और ऑल इंग्लैंड तथा इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 का खिताब भी शामिल है। इस मुकाबले को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आक्रमण और सर्वश्रेष्ठ डिफेंस के बीच की लड़ाई माना जा रहा था। चिराग ने कहा निश्चित रूप से किम और सियो बहुत अच्छा खेल रहे हैं। जो उनकी रैंकिंग और विश्व चैंपियन टैग से पता चलता है। हमारे पास मौके थे। हम अंत तक डटे रहे। कुछ अंक इधर उधर हुए और हम हार गए। पर हम जिस तरह से खेले, उससे खुश हैं लेकिन हां खिताब की तलाश जारी है।

सात्विक ने कहा कि अगर वे अगर हम पहला गेम जीत जाते तो स्थिति अलग हो सकती थी। मुझे लगा कि हम सही जा रहे हैं। बस यह यहां वहां एक अंक की बात थी। यह सब आत्मविश्वास की बात है और जिस तरह से हम खेल रहे हैं उससे मैं खुश हूं और लगातार पोडियम पर आना अच्छा है।

परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना जरूरी: मूनी

नई दिल्ली : ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेथ मूनी का मानना है कि परिस्थितियों से जल्द से जल्द सामंजस्य बिठाना और धैर्य बनाए रखना किसी भी चैंपियन टीम की पहचान है और आगामी महि ला विश्व कप में इन गुणों की एक बार फिर परीक्षा होगी। सात बार की विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की टीम ने भारत के खिलाफ वनडे श्रृंखला में अपनी इन दोनों ही खूबियों का बखूबी प्रदर्शन किया। उसने शनिवार को यहां तीसरे वनडे में 43 रन से जीत हासिल कर श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली।

मूनी ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा मुझे लगता है कि विश्व कप जीतने के लिए आपको परिस्थितियों से जल्द से जल्द सामंजस्य बिठाने वाली और सबसे अधिक धैर्य रखने वाली टीम बनना होगा।

मंधाना बोलीं | ऑस्ट्रेलिया के विशाल लक्ष्य का पीछा जिस तरह भारतीय टीम ने किया उसने नई ऊर्जा भर दी

हमको विश्वास था कि हम जीत सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में हुए तीसरे वनडे में जब ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 413 रनों का विशाल लक्ष्य दिया, तब शायद बहुत कम लोगों ने ही सोचा होगा कि भारतीय टीम इस स्कोर के इतने करीब जाएगी और जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। पर ड्रेसिंग रूम में यह विश्वास शुरू से था, जिसकी मदद से भारतीय टीम एक समय मैच जीतने की कगार पर लग रही थी। उन्होंने आखिर तक ऑस्ट्रेलिया को पर्याप्त टक्कर दी। 63 गेंदों में 17 चौके और पांच छक्कों की मदद से रिकॉर्ड 125 रनों की पारी खेलने वाली भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने कहा कि टीम में शुरू से यह विश्वास था कि वे लक्ष्य के पीछे जाएंगे।

स्मृति मंधाना।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंधाना ने कहा पारी के ब्रेक के दौरान हमारी यही बातचीत थी कि विकेट सपाट है और आउटफील्ड बहुत तेज है, इसलिए हम लक्ष्य तक जा सकते हैं। हमारे पास भी बल्ला है और हम भी यहां पर क्रिकेट ही खेलने आए हैं। आप लोगों (गेंदबाजों) ने अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदें डालीं और उन्हें रोकने की कोशिश की। हम भी अपना सर्वश्रेष्ठ करेंगे और उन रनों को हासिल करने की कोशिश करेंगे। टीम में विश्वास हमेशा से बहुत ऊपर था। हम ये 413 रन का लक्ष्य वाकई में हासिल करना चाहते थे, क्योंकि यह टीम का कैरेक्टर दिखाता। हालांकि बीच में कुछ विकेटें गिरी। मैं फ़ुलटॉस पर आउट हुई, ऋचा (घोष) को दुर्भाग्यशाली ढंग से रनआउट होना पड़ा और कुछ चीजें हमारे पास पक्ष में नहीं गईं। लेकिन मुझे इस टीम पर पूरा गर्व है। ऑस्ट्रेलिया के 412 रनों के जवाब में भारतीय टीम का स्कोर एक समय 20 ओवरों में दो विकेट के नुक़सान पर 206 रन था। भारतीय उपकप्तान और भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर के बीच 69 गेंदों में 121 रनों की साझेदारी हो चुकी थी और टीम का रन रेट 10 से ऊपर का था। पर 21वें ओवर में हरमनप्रीत का विकेट गिरा और अगले ओवर में मंधाना भी पवेलियन में थीं।

टीम में सभी 15 खिलाड़ी हैं मैच विनर

उन्होंने कहा ना सिर्फ़ 11 बल्कि टीम के सभी 15 खिलाड़ी मैच विनर हैं। मुझे नहीं लगता कि टीम का कोई खिलाड़ी मुझ पर या किसी और पर कोई दबाव डाल रहा है। जब आप अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हो, तो कोई दबाव नहीं होता है। यह हमारा कर्तव्य होता है। और दूसरी बात, मुझे इस टीम पर पूरा भरोसा है कि हम किसी भी समय मैच को जीत सकते हैं। पिछले 12 महीनों में हमने लगातार 300 या उसके ऊपर का स्कोर बनाया है और प्रतिका (रावल), हरलीन (देओल), जेमिमा (रॉड्रिग्स), हरमन (हरमनप्रीत सिंह) सबने शतक लगाया है। इसलिए यह टीम किसी एक पर निर्भर नहीं है।